

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 4]

नई बिल्ली, शनिवार, जनवरी 24, 1981 (माँघ 4, 1902)

No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 24, 1981 (MAGHA 4, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

साग III—खण्ड । [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

सं० ए० 12024/1/79-प्रशा० 1—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसुबना दिनांक 30-10-1980 के प्रनुक्रम में श्री एस० बालचन्द्रन (भा० रे० ले० से०) को राष्ट्रपति हारा 21-10-1980 से प्रगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा शाशोग के कार्यालय में उपसचिव के पद पर नियमित आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 दिसम्बर 1980

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा प्रायोग की समलंख्यक प्रधिस्चना दिनांक 25-8-1980 के प्राप्तम में संघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के स्वाई ग्रेड I प्रधिकारी श्री बी० दास गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 3-10-1980 से 2-1-1981 तक तीन मासकी अतिरिक्त ग्रवधि के लिए प्रथवा ग्रागामी घादेशों तक, जो भी पहुले हो, उसी कार्यालय में के० स० से० के चयन ग्रेड में उप-सचिव के

पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिय नियुक्त किया जाता है।

एघ० सी० जाटव, संयुक्त सचिव (प्रणा०)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 दिसम्बर 1980 सं० पी० 1782/प्रणा० II—इस कार्यालय की सम-संख्यक प्रधिसूचना दिनांक 19 जून, 1980 के अधिक्रमण में महालेखाकार, हरियाणा, चण्डीगढ़ के कार्यालय में लेखा अधिकारी श्री एल० प्रार० सरीन को 1-6-80 से 31-5-81 तक की प्रविध के लिये प्रथवा प्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में वित्त एवं बजट अधिकारी के पद पर प्रतिनिय्क्ति आधार पर कार्य करने की अनुमित प्रदान की गई है। श्री सरीन उक्त अवधि के दौरान किसी प्रकार का प्रतिनिय्क्ति (इयुटी) भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे।

पी० एस० राणा, श्रनुभाग ग्रधिकारी, श्रते श्रध्यक्ष

केन्द्रीय सतर्कता श्राकोग

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1980

सं० 10 प्रार० सी० टी० 2— केन्द्रीय सतर्कता प्रामुक्त एतद्द्रारा श्री कृष्ण लाल ब्राह्जा, स्थाई सहायक को 21 दिसम्बर, 1980 से 26 फरवरी, 1981 तक मा श्रगले आदेण तक को भी पहले हो श्रामीग में अनुभाग अधिकारी स्वानावन्न कुन से निमुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जनगरी 1981

सं • दी • 9 श्रार • सी • टी • 23 केन्द्रीय सतर्कता आमुक्त एत्रद्दारा श्री ए • श्रार • बैनर्जी श्राई • ए • एत • (गुजरात: 1966) को केन्द्रीय सतर्कता श्रामीग में दिनांक 22 दिसम्बर, 1980 पूर्वाह्न ते श्रामे श्रादेश तक स्थानामन्न स्व ते विज्ञागीन नांच श्रामुक्त निमुक्त करते हैं।

मृष्ण लाल मल्होत्ना, श्रमर तमिय **कृते** केन्द्रीय ततकैताश्रासुक्त

(गृह मंद्रालय)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक दिसम्बर 1980

सं० ई०-38013(3) 9/80-कार्मिक-स्थानान्तरण होने पर, श्री एस० एन० गंजू ने 30 सितम्बर, 1980 के श्रपराह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी० रांची के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर उन्होंने 1 श्रक्तूबर, 1980 से के० ग्री० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व बल, नई दिल्ली (जिसका मुख्यालय रांची में है), के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 27 दिसम्बर 1980

तं० ई०-38013(3)/12/80-कार्मिक—राषी से स्थानान्तरण होने पर, श्री बी० बी० पूथव्या ने 23 नजम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से पहली रिजर्थ बटालियन के० श्री० सु० ब० देवली के सहायक कमांडेंट के पद का कार्बभार संभाल लिया।

दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं॰ ई॰-38013(3)/9/80-कार्मिक—नई दिल्ली को स्थानान्तरण होने पर, श्री एस॰ एन॰ गंजू ने 25 प्रस्तूबर, 1980 के धपराह्न से के॰ धी॰ सु॰ ब॰ प्रशिक्षण रिजर्बेबल, नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट कापद, जिसका मुख्यालय रांची में है, का कार्बेभार छोड़ दिवा।

ह• अप्ठनीय महानिदेशक

मारा हे नडांजीकार का कामलिया

नई दिरुली-110011, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० 11/43/80-प्रशा-J—हिमाचल प्रदेश सरकार में बरिष्ठ अनुसन्धान प्रधिकारी के पद पर नमन होने और हिमाचल प्रदेश सरकार को उनकी सेवायें सुपुर्द किए जाने के परिणाम-स्वरूप श्री एम० एल० कपूर, ने तारीख 15 दिसम्बर, 1980 के पूर्वीह्न से हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक मिदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यभार छोटा।

दिनांक 30 विसम्बर 1980

सं० 11/110/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, गुजरात सिविल सेवा के अधिकारी श्री के० ग्रार० श्रीधरणी को गुजरात, ग्रहमदा-बाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 11 दिसम्बर, 1980 के पूर्वीह्न से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री श्रीधरणी का मुख्यालय बड़ौदा में होगा।

सं० 11/37/80-प्रशा०-1 (1)—-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री एस० एस० बाहरी को उसी कार्यालय में तारीख 30 झगस्त, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की अविध के लिए या जब तक पद नियमित झाझार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, पूर्णतः श्रस्थाई और तदर्य श्राधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री बाहरी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति श्री बाहरी को सहायक निदेशक अनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रवान नहीं करेगी। तबर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवायें उस ग्रेड में बरिष्ठता श्रौर झागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जामेंगी। उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/37/80-प्रशा०-I (2)—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री के० एस० रावत को उसी कार्यालय में तारीख 26 नवस्थर, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा आए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राषत का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

 उपरोक्त पद पर सवर्ष नियुक्ति श्री रावत को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। लद्ध तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवायें उत्त ग्रेड में वरिष्ठता श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोक्ति के लिए नहीं गिनी जायेंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक

बेंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

सं० स्था० I/v० 4/80-81/915—इस कार्यालय के मधि-सूचना नं० स्था० I/v० 4/80-81/37 दिनांक 9-4-1980 के मांगिक संशोधन में नीचे विएहुए मौलिक लेखा मधिकारियों के दिनांकों को सूचना के मनुसार पूर्व तारीखी बना दें।

कमांक ग्रधिकारी के नाम	मौसिक पुष्टि की गई तारीख	पुष्टि की गई पूर्व तारीखी	
सर्वश्री		· 	
 के० एन० नरिसहमूर्ति 	1 2-5-79	1-4-79	
2. के० जगन्नाथन	1-11-79	1-4-79	
 एम० म्रार० वेंकटरामन् 	1-11-79	1-4-79	
4. एस० ग्रनन्तराव	1-12-79	1- 4- 79	
 बी० हनुमंताचार 	1-12-79	1-4-79	
6. एष० एस० रामचन्द्र (1)	1-1-80	1-4-79	
7. एच ० ए स० विश्वनाथ	1-2-80	1-4-79	
8. वी० के० नंजुण्डय्या	1-2-80	1- 4- 79	
9. के० एस० वरदराज	1-2-80	1- 4- 79	

महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटका, बेंगलूर के निम्निलिखत स्थायी लेखा श्रिधकारियों को मौलिक लेखा श्रिधकारियों के रूप में, उनके नाम के सामने जो दिनांक बताया गया है, उस दिन से उसी कार्यालय में नियुक्त करते हैं।

कमांक श्रधिकारीकानाम				पुष्टि की ग ई सारी क
1	2			3
सर	र्ग श्री		·	
1. सी	० ए० हरिराव			1-4-79
2. टी	० एस० सीतारामन्			1-4-79
3. के	० वी० सीतारामशास्त्री		•	1-4-79
4. पी	० बालकृष्णन (।)			1-4-79
5. वी	० अनन्तकुष्णन	•		1-4-79
6. एर	प० एन० वेंकटेशय्या			1-4-79
7. জী	०के०चॉण्डी.		٠	1-4-79
8. बी	० राममू र्ति			1 -4 -79
9. भा	र०वैधीक्वरन .			12-5-79

1	2				3
10.	धार० राम राव		,		1-11-79
11.	पी० एस० श्रीनिधा सन	Ī	•		1-11-79
12.	के ० सत्यनारायण				1-12-79
13.	बी० सुब्रमण्यशास्त्री			•	1-12-79
14.	ए० जी० नागराजा		•		1-1-80
15.	सी० टी० कोशी			•	1-2-80

मार० के० चन्द्रशेखरन महाखालेकार।

निवेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय, मध्य रेल बम्बई वी० टी०, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

तं० ले० प०/प्रशासन/पी० एफ०/एस० बी० ए० केन्द्रीय सिविल सेवा (प्रस्थायी सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के प्रनुसरण में, मैं इस प्रधिसूचना के द्वारा इस कार्यालय के श्री एस० बी० ग्रजगेंकार ग्रस्थायी वर्ग 'ब' (सिपाही) को नोटिस देता हूं कि उनकी सेवायें इस नोटिस की प्राप्त की तिथि के बाद एक माह की ग्रविध समाप्त होने की तिथि से समाप्त समझी जायेंगी।

रोपामा **साइचोई** उपनिदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा लेखा विभाग कार्बालव, रक्षा लेखा महानिवंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

सं० 29015 (2)/78-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, रक्षा लेखां सेवा के निम्नलिखित प्रधिकारियों को उन्त सेवा के वरिष्ठ समयमान (रुपये- 1100-50-1600) में, उनके नाम के सामने लिखी तारीख से, भागामी भ्रावेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्रम नाम संख्या			नि युन्ति की तारी व
1. श्री एस० शंकरन	•	•	28-11-80 (पूर्वाह्न)
2. श्री के० एल० भाटिया	•	•	0 6-1 1-8 0 (पूर्वाह्म)

सी० वी० नागेन्द्र रक्षा लेखा अपर महाचित्रंक्षक (प्रजासन)

रक्षा मन्त्रालय

ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड भारतीय ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-16, विनांक 26 दिसम्बर 1980

- सं० 76/जी/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित भ्रधिका-रियों को उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, श्रागामी भ्रादेश न होने तक, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० श्रो० एफ० उप-प्रबन्धक के रूप में, नियुक्त करते हैं:--
- श्री रमेण कुमार, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) 31वीं श्रक्तुक्षर, 1980।
- श्री एच० एम० चौधुरी, सहायक प्रवन्धक (परखावधि),
 31वीं श्रक्तुबर, 1980।
- 3. श्री एच० एस० चडा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि), 31वीं ग्रक्तूबर, 1980।
- 4. श्री सरताज सिंह, सहायक प्रबन्धक (परखावधि), 31वीं श्रक्तुबर, 1980।
- 5. श्री एच० एम० श्रीवास्तव, (सहायक प्रबन्धक) (परखाविध), 31वीं श्रक्तूबर, 1980।
- 6. श्री ए० खानवालकर, सहायक प्रबन्धक (परंखाविध), 31वीं ग्रक्तुबर, 1980।
- 7. श्री एन० मुखोपाध्याय, सहायक प्रबन्धक (परखाविध),31थीं ग्रक्तूबर, 1980।
- श्री किरण प्रकाण, सहायक प्रबन्धक (परखाविध),
 31वीं भ्रक्तूबर, 1980।
- श्री राजेश कुमार, सहायक प्रबन्धक (परखाविध),
 31वीं ग्रक्तूबर, 1980।
- 10. श्री बी० एन० सिंह, सहायक प्रबन्धक (परखाविध), 31वीं श्रक्तूबर, 1980।

शुद्धिपत्न

सं० 77/जी०/80—= इस कार्यालय के सं० 381/ए०/जी०, तारीख 20/22-8-80 के श्रन्तर्गत प्रकाशित इस कार्यालय की राजपन्न श्रिधसूचना सं० 55/जी/80 तारीख 20-8-80 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:—

ऋमसं० 7 में

वास्ते:--श्री के० जे० गौडफं, स्थानापन्न फोरमन,

पढ़ा जाए:--श्री के० एन० जे० गौडफें, स्थानापन्न स्टोर-होस्डर ।

दिनांक 30 दिसम्बर 1980

सं० 79/80/जी०—-राष्ट्रपतिजी निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दर्शायी गई ताील से अग्रिम आदेश न होने

- तक, स्थानापम्न ए० डी० जी० ग्रो० एफ०, ग्रेड-1/महाप्रबन्धक ग्रेड-1/संयुक्त महाप्रबन्धक के पद पर नियुक्त करते हैं:---
- 1₁ श्री रिव कुमार, स्थायी ए० डी० जी० श्रो० एफ० ग्रेड-II, 29 तवम्बर, 1980।
- 2. श्री पी० एस० मणी, स्थानापन्न, महाप्रबन्धक ग्रेड-II, 29 नवम्बर 1980।
- 3. श्री एम० ग्रार० घोष, स्थानापम्न महाप्रबन्धक ग्रेड- $II,\ 29$ नवम्बर 1980।
 - 4. श्री पी० एल० खुराना, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-
 - 5. श्री डी०पी० चक्रवर्ती, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापन्न, ए० डी० जी० श्रो० एफ-II
 - 6. श्री एन० पान्डियन, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापम्न महाप्रबन्धक ग्रेड-
- 7. श्री ए० जे० चन्द्रा, 29 नवस्थर, 1980 स्थापापम महाप्रबन्धक ग्रेष्ट-
- 8. श्री जी० बी० संन्योर्देकर, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धकः
- 9. श्री सी० एन० गोविन्दन, 29 नवस्बर, १९६० स्थानापन्न **उप-महा**प्रबन्धक
- 10. श्री ग्रार॰ सुन्दरम, 29 नवभ्बर, 1980 स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक
- श्री एस० काश्रन, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापन्न ए० डी० जी० ग्रीड-II¦
- 12. श्री जे० जी० जगवानी, 29 ुनवम्बर, 1980 स्थानापम्न जप-महाप्रबन्धक
- 13. श्रीजी० एन० चतुर्वेदी, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापभ्रमहाप्रबन्धक ग्रेड-II
- 14. श्री बी॰ वाई॰ धसकड़वी, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक
- 15. श्री एस० पी० बला, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापन्न उप-महाप्रवन्धक (निकटतम परिवर्ती नियम के ग्रंतर्गत)
- 16. श्री श्रार॰ रामामूर्ति, 29 नवस्थर, 1980 स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक
- 17. श्री सी०पी० गुप्ता, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापस्न महाप्रबन्धक ग्रेड-II
- 18. श्री एम० के० नायर, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापन्न ए० डी० जी० म्रो० एफ० ग्रेड-II
- 19. श्री एस० एस० नटराजन, 29 नवम्बर, 1980 स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक
- 20. श्री भ्रार० ए० कृष्णन्, 29 नवस्त्रर, 1980 स्थानापन्न उप-महाभवन्धक

भाग Ш-विष्ठ 1]	भारत का राजपदा, जनवरा 24
21. श्री जगजीत सिंह, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	29 नवस्कर, 1980
22. श्री वी० वी० धवन, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	29 नवम्बर, 1980
23. श्री जी० चटर्जी, स्थानीपन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-II	29 नवम्बर, 1980
24. श्री ग्रार० ईश्वरन्, स्थानापन्न प्रिसिपल	29 नवम्बर, 1980
25. श्री जे० एस० कलरा, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	29 नवम्बर, 1980
26. श्रीटी० वी० रामकृष्णा, ए० डी० जी० ग्री० एफ० ग्रेड-	29 नवस्बर, 1980
27. श्री वी० एन० पट्टावी रम न, स्थानापन्न उप-महाप्रदन्धक	29 नवम्बर, 1980
28. श्री वी० पलालीपंडी, स्थानापन्न ए० डी० जी० म्रो० ग्रेड-II	29 नवम्बर, 1980 एफ्०
29. श्री एस० मानावालन, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	29 नवम्बर, 1980
30. श्री एम० भ्रार० साथापयी, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	29 सवम्बर, 1980
31. श्री बी० के० मेहता, स्थानापन्न ए० डी० जी० श्रो० ग्रेड-II	29 नवम्बर, 1980 एफ॰
32. श्री एम० नारायनस्वामी, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	29 नवम्बर 1980
33. श्री ए० कें० नियोगी, स्थानापन्न ए० डी० जी० श्री ग्रेड-11	29 नवस्बर, 1980 १एफ
34. श्री टी॰ एम॰ स्वामीनाथन, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	29 नवम्बर, 1980
35. श्रीएम०एल०दत्ता, स्थानापन्त ए० डी० जी० १ एफ० ग्रेड-II	29 नवम्बर, 1980 नो॰
36. श्री के० के० मलिक, स्थानीपन्नं, महाप्रबन्धक ग्रेड-J	29 नवम्बर, 1980 II
	वी० के० मेहता,

वी० के० मेहता, सहायक महानिदेशक, ब्रार्डनेन्स फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय ग्रौद्योगिक विकास विभाग विकास ग्रायुवत (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

सं० ए० 19018/35/73-प्रशासन (राजपवित)—राष्ट्र-पति जी श्री ग्रार० एन० ग्रानन्द की दिसांक 18 जून, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सवा संस्थान, बम्बई में उपनिदेशक (वैद्युत) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त, उपनिदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० प्र-6/247 (315)—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेवपुर के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-III (धातुकर्म शाखा) श्री डी० के० पाल को दिनांक 28-11-1980 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक उसी पद पर नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री पाल दिनांक 28-11-1980 से 2 वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

> एस० जी० मैनन, उप निदेशक (प्रशासन)

नई विल्लो, दिनांक 29 विसम्बर 1980

सं० प्र-6/247 (260)—निरीक्षण निदेशक (धातु) जमगेदपुर के कायिनय में स्थायी सहायक निरीक्षण श्रिधिकारी (धातु-रसायन) श्री मुहम्मद णाहजहां निवर्तमान ग्रायु होने पर दिनांक 30 नवम्बर 1980 के श्रिपराह्न से सरकारी सेवा से निवृक्त हो गए।

एस० जी० मैनन, उप निदेशक (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700 016, विनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० 9976 बी/ए०-32013 (ए० ग्रो०)/78-80/19 ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ग्रधीक्षक श्री एन• के० साहा को प्रणासनिक ग्रिक्षकारी के रूप में उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, श्रागःमी श्रादेश होने तक 31-10-1980 के पूर्वीक्क से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

> वी० एस० कृष्णस्वामी, महा निदेशक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण कलकत्ता-12, दिनांक 1 जनवरी 1981

सं० एफ० 92-171/80-स्था०/33—डा० ग्रिनिमेश बाल को सहायक प्राणि विज्ञानी (ग्रुप 'बी' वेतनमान रु० 650—1200 रु०) के पद पर अस्थाई श्राधार पर भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के कलकत्ता स्थित मुख्यालय में 8 विसम्बर, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 2 जनवरी 1981

सं० एफ० 92-169/80-स्था०/81--डा० (कुमारी) रिमन्दर कौर सोइन को, सहायक प्राणिविज्ञानी (ग्रुप 'बी' वेतनमान ६० 650-1200 ६०) के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के उत्तरी क्षेत्रीय केन्द्र, देहरादून में 28 श्रक्तूबर, 1980 (पूर्वाह्न) से श्रागामी श्रादेशों तक निव्कत किया जारहा है।

डा० के० के० तिवारी, निदेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० ए०-32013/1/80-एस० पांच—महानिदेशक, आकाण-वाणी, श्री भरत सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता को 18 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से श्री ग्रार० के० शर्मा, जो पहले श्राकाशवाणी महानिदेशालय में लेखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त थे शौर दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई में प्रशासन उपनिदेशक के रूप में स्थानांतरित किए गए थे के स्थान पर लेखा निरीक्षक के पद पर तद्दर्थ ग्राधार पर स्थानां-पन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

> एस० वी० सेवादी, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1981

सं० 6(126)/63-एस०-एक---महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ग्रो० पी० बातिश, प्रसार निष्पादक, ग्राकाश-वाणी, जालंधर को श्राकाशवाणी जालंधर में 5 दिसम्बर, 1980 से श्रगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० 5(137)/67-एस०-एक----महानिदेशक, झाकाशवाणी, एतद्वारा डा० एस० के० सिन्हा, प्रसार निष्पादक आकाश-वाणी, इलाहाबाद को आकाशवाणी इलाहाबाद में 6 दिसम्बर, 1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर प्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> इरीश चन्द्र जयाल, प्रशासन उपनिदेशक इते महानिदेशक

(सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1981

सं० ए०-35018/2/80-सी० डब्ल्यू०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली, श्री एस० एल० नहसा, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक इंजीनियर को सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी, नई दिल्ली में सहायक निर्माण-कार्य सर्वेक्षक (सिविल) के पद पर ६० 640-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेदन-मान में 1-12-80 के पूर्वाह्म से प्रथमतः एक वर्ष के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री नहला का वेतन ग्रौर भत्ते समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 10/24/ ई-तीन/60 दिनांक 4-5-61 के ग्रनुसार नियमित किए जाएंगे।

सं० ए०-12011/2/80-सी० डब्स्यू०-1—महानिदेशक, म्राकाशवाणी, श्री एस० ग्रार० मण्डल, म्रनुभागीय म्रधिकारी (सिविल) को उनकी पदोन्नति पर, दिल्ली डिविजन के म्रन्तगंत, सिविल निर्माण स्कन्ध, जयपुर में सहायक इंजीनियर (सिविल) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 21-11-80 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

2. श्री मण्डल की नियुक्ति, उन्हें पहुले से जारी किए पदोक्षित श्रावेश संख्या श्र-32014/1/80-सी० डब्ल्यू०-1 दिनांक 25-7-80 में निहित शर्तों द्वारा शासित होगी।

(ह०) अपठनीय इंजीनियरिंग प्रक्रिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1981

सं० ए० 19018/4/80 के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० वी० प्रभाकरन चेटियार को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य थोजना में दिनांक 30-8-1980 पूर्वाह्न से तदर्थ ग्राधार पर ग्रायुर्वेदिक फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

> के० एल० भाटिया, उपनिदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 30 प्रक्तूबर 1980

सं० स्था० 19(6)/7152--शी लल्लन प्रसाद तिवारी स्थानापन्न रूप में तदर्थ कनिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी को दिनांक 30-9-80 (ग्रपराह्न) से राष्ट्रीय शर्करा संस्था में वरिष्ठ तकनीकी सहायक के पद पर परावर्तन किया जाता है।

दिनांक 1 जनवरी 1981

सं० स्थापना 19(42)—श्री राघवेन्द्र कुमार स्थानापन्न रूप में तदर्भ सहायक श्रीभयंता (गांतिक) ग्रीधकारी को दिनांक 14-10-1980 (ग्रपराह्म) से राष्ट्रीय शर्करा संस्था में सहायक श्रीभगंता (गांतिक) के पद पर परावर्तन किया जाता है।

एन० ए० रामय्या निदेशक

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय बिपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक दिसम्बर 1980

सं० ए०-31014/7/78-प्र०-I----निम्निलिखित ग्रिधिकारियों को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 1-1-1980 ते विपणन विकास ग्रिधिकारी (शीतागार प्रशीतन) के स्थायी पदों पर मूलतः नियुक्त किया जाता है:--

- 1. श्री जे० के० भट्टाचार्या
- 2. श्री म्रार० एल० ग्रोवर
- श्री जी० रामाकृष्णन

दिनांक, 31 दिसम्बर 1980

सं० ए० 31014/2/78-प्र-I—िनम्नलिखित श्रिधिकारियों को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 26-9-1979 से सहायक विपणन श्रिधिकारी (वर्ग-II) के स्थायी पद पर मूल रूप में नियुक्त किया जाता है --

- 1. श्री एस० पी० घोशाल
- 2. श्री भार० वी० कोठे
- श्री एस० एन० उपाध्याय
- 2. उपरोक्त श्रिधकारियों का निम्न पद पर ग्रहणा-धिकार यदि कोई हो तो, सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II के पद पर स्थायी होने की तारीख से समाप्त हो जाएगा।

सं० ए० 31014/3/78-प्र०-र्म (ख-)—- निम्नलिखित प्रक्षि-कारियों को विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय में विषणन प्रधिकारी (वर्ग-II) के स्थायी पद पर मूल रूप में दिनांक 25-11-1978 से नियुक्ति की जाती हैं:—

- 1. श्री जी० एस० काशिवा
- 2. श्री सी० राधाकृष्णा
- 2. उपरोक्त ग्रिधकारियों की निम्न पद पर ग्रहणाधिकार यदि कोई हो तो, विपणन ग्रिधिकारी (वर्ग- $\mathbf{I}^{\mathbf{I}}$) के पद पर स्थायी होने की तारीख से समाप्त हो जाएगा।

सं० ए०-31014/4/78-प्र०-I—श्री एम० एन० पाटिल को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 19-9-79 से कनिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी के स्थायी पद पर मूलतः नियुक्त किया जाता है।

> गोपाल शरण शुक्ल कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु स्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

सं० पी० ए०/76 (2)/80 म्रार-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र, परमाणु ऊर्जा विभाग के भारी पानी परियोजना बम्बई से स्थानान्तरित होने पर श्रीमती माणिक मुकुन्द कर्णिक को लेखा श्रिधिकारी II पद पर भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र (प्रिफी) विस्तार परियोजना, तारापुर) में 5 दिसम्बर 1980 (पूर्वाह्न) से श्रिग्रिम म्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

ए० एस० दिक्षित उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय स्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 1 जनवरी 1981

सं० डी० पी० एस० | 23 | 9 | 77-ई० एस० टी० — निवेशक, क्रय एवं भंडार निवेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री पी० नारायणन कुट्टी को श्रवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निवेशालय के श्रस्थायी क्रय सहायक श्री श्रार० के० व्यास को स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय श्रधिकारी पद पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40 1200 के वेतन क्रम में दिनांक 18-8-1980 से 17-10-1980 तक तदर्थ रूप से इसी निवेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० 23/9/77-ई०एस टी०—निदेशक, ऋय एवं भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री ग्रार० वी० माथुरे को ग्रवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के भंडारी श्री ग्रार० ए० गुप्ता को स्थानापक्ष रूप से महायक भंडार ग्रिकारी पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन ऋम में दिनांक

11 अगस्त 1980 से 26 सितम्बर 1980 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० 23/9/77-ई० एस० डी०—-निदेशक, ऋय एवं भंडार निदेगानय, परपाण ऊर्जा विभाग, श्री के० पी० सिंग को श्रवकाण स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के भंडारी श्री टी० जी० गिडवानी को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार म्रधिकारी पद पर ह० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन कम में दिनांक 14 जुलाई 1980 से 9 सितम्बर, 1980 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

> सी० वी० गोषालकृष्णन सहायक कार्मिक श्रधिकारी

ऋय और भंडार निदेशालय

मद्राम-600006. दिनांक 20 दिसम्बर 1980

मं० एम० म्रार० पी० यू०/200(18)/80-प्रशा०--इस कार्यालय की तारीख 14-11-1980 की समसंख्यक ग्रधि-सूचना के ऋम में, स्थायी भंडारी श्रीबी० दंडपाणि की सहायक भंडार श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से की गई नियुक्ति 2-2-81 तक बढ़ाई जाती है।

> एस० रंगाचारी, वरिष्ठ ऋय ग्रधिकारी

(परमाण् खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० प०ख० प्र-2/2808/78प्रशासन--श्री बी०एस० प्रनिल कुमार द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/प्रभियन्ता ग्रेड एस० बी० के ग्रस्थायी पद से दिया गया त्याग-पत्न परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक बारा 24 सितम्बर, 1980 के श्रपराह्म से स्वीकार कर लिया गया है।

दिनांक 31 दिसम्बर 1980

सं० प० ख० प्र०-1/6/80-भर्ती--परमाणु ऊर्जी विभाग के परमाण खनिज प्रभाग के निदेशक एतदृद्वारा श्री भ्रानन्द कुमार चतर्वेदी को परमाण खनिज प्रधाग में 15 दिसम्बर, 1980 के पर्वाह्न से लेकर प्रगले भादेश होने तक ग्रम्थायी रूप से वैज्ञानिक प्रधिकारी/प्रभियंता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/6/80-भर्त्ती—परमाण् ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री राकेण कुमार भ्रम्भवाल को परमाणु खनिज प्रभाग में 12 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी किय से वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रभियंता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करले हैं।

सं० प० ख० प्र०+1/6/80-मर्ती--परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री ग्रमित मजुमदार को परमाण् खिनज प्रभाग में 22 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/ग्रभियंता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते

दिनांक 5 जनवरी 1981

सं० प० ख० प्र०-1/6/80-प्रशासन---परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतदृद्वारा श्री गोबिन्द बल्लभ जोशी को परमाणु खनिज प्रभाग ॄमें 15 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से लेकर प्रगले ग्रादेश होने तक ग्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक ग्रधिकारी/श्रभियंता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/6/80-प्रशासन-परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक एतदृहारा श्री एस० श्री निवासन को परमाणु खनिज प्रभाग में 27 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक आस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/श्रभिमंता ग्रेड एस० बी० नियक्त करते हैं।

> एम० एस० राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा भ्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1980

सं० ए० 32014/2/79-ई० डब्ल्यु०---महानिवेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के श्री संदीप कालरा, स्थायी तकनीकी सहायक (उपस्कर) को दिनांक 11 प्रक्तूबर, 1980 (पूर्वाह्न) से भ्रन्य भ्रादेश होने तक, नागर विमानन विभाग में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक परियोजना ग्रधिकारी (उपस्कर) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

श्री संदीप कालरा को महानिदेशक नागर विमानन मख्यालय में तैनात किया गया है।

> ई० एल० द्वेंस्लर सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं ए 32013/3/79-ई०-I---इस विभाग की दिनांक 29 ग्रक्तूबर, 1980 ग्रौर 24 दिसम्बर, 1980 की ग्रधि-सूचना सं० ए० 32013/3/79-ई०-I के कम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखिस दो ग्रधिकारियों की घरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ निय्क्ति को, उनके नाम के सामने दी गई भ्रवधि के लिए या नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें मे जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दी हैं :-

- 1-4-80 से 31-12-80 तक 1. श्री एफ० सी० शर्मा
- 16-4-80 से 31-12-80 तक 2. श्रीबी० के० जोशी

दिनांक 31 दिसम्बर 1980

सं० ए०-32013/2/79-ई०-I—इस विभाग की दिनांक 11 श्रगस्त, 1980 की ग्रिध्सूचना सं० ए० 32013/2/79-ई०-I के कम में, राष्ट्रपति ने श्री श्रार० नरसिंहम्न की नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक, श्रनुसंधान श्रौर विकास के पद पर तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 30 सितम्बर, 1980 के बाद श्रौर श्रागे छ: मास की श्रवधि के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दी है।

सुधाकर गुप्ता उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

सं० ए०-32014/3/79-ई० सी० (पार्ट IV) --- महानिवेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के श्री एस० कें विश्वास, तकनीकी सहायक को दिनांक 13-10-1980 (पूर्वाह्म) से सहायक तकनीकी श्रिधकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, मोहनबाड़ी में तैनात किया है।

सं० ए०-32014/3/79-ई० सी०(पार्ट V)—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तीन तकनीकी सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से भ्रौर दिए गए तैनाती स्टेशन पर सहायक तकनीकी भ्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ भ्राष्टार पर नियुक्त किया है:—

ऋम नाम सं०	वर्तमान तैनासी स्टेशन	नया सैनासी स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
1. श्री के० एस० नेगी	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी	19-11-80 (पूर्वाह्न)
 श्री बी० ए स० भोंसले 	वैमानिक संचार स्टेशन, वाशिम	वैमानिक संचार स्टेणन, बम्बई	19-11-80 (पूर्वाह्न)
3⊦श्रीपी० एन० मणि	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	वैमानिक संचार स्टेशन, मक्रुरै	29-11-80 (पूर्वाह्न)

सं० ए०-32013/5/80-ई० सी०--राष्ट्रपति ने निम्नि लिखित दो अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और 2-426GI/80 उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात. किया हैं:~-

कम सं०	नाम श्रौर पदनाम	वर्तमान तैनाती स्टेगन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की ता रीख
ॉर्ल नि	ो के० रामा- गगम, सहायक ग्देशक संचार योजना)	•	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	10-12-80 (पूर्वाह्स)
ख सं	ो एस० एच० ान, वरिष्ठ चार ग्रधि- ारी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	29-11-80 (पूर्वाह्न)

भार० एन० दास सहायक निदेशक, प्रशासन

वन भ्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 30 विसम्बर 1980

सं० 20/378/75-स्थापना-I—श्वी के० एस० प्रुथी जो तदर्थ प्राधार पर अनुसंधान प्रधिकारी नियुक्त किए गए थे, दिनांक 31-10-80 के श्रपराह्म से उनको अपने मूल पद अनुसंधान सहायक-प्रथम वर्ग (सलेक्शन ग्रेड) में प्रत्यावर्तित किया गया था।

नारायण दत्त अचखेती श्रध्यक्ष

देहरादून, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

सं० 16/221/73-स्थापना-1--- प्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने श्री के० एम० कुट्टय्या, सहायक अनुदेशक, दक्षिणी वन राजिक महाविद्यालय, कोयम्ब-टूर की सेवाएं दिनांक 31-10-80 के अपराह्म में सहर्ष कर्नाटक सरकार को पुन: सौंप दी है।

श्रार० एन० महन्ती कुल सचिव

ममाहर्ता, सीभागुरक तथा केन्द्रीय उत्पाद गुल्क

कोचीन, दिनांक 16 अक्तूबर 1980

सं 2/80--केन्द्रीय उत्पासन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 232 क के भ्रंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग रते हुए, मैं, सी० भुजंगस्वामी, समाहुर्ता, सीमाभुत्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरुक, कीचिन उन व्यक्तियों के नाम, पते श्रीर श्रन्य विवरण प्रकाशित करता हूं जिनको केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के उपवन्धों का उल्लंघन करते हुए पाया गया है तथा जिन पर 10,000/- रुपए (दस हजार रुपए) या उससे श्रिधक दंड लगाया गया था।

1. व्यक्तियों के नाम भीर पत्ते :

- श्रीमती सरला गोपालन, ग्राई० ए० एस०
 18/827, शास्त्री नगर,
 करमना, तिरुग्रनन्तपुरम,
 (मैं सर्स तिरुग्रनन्तपुरम रखर लिमिटेड,
 तिरुग्रनन्तपुरम का, ता० 1-12-1976 का श्रध्यक्ष)
 सर्वेश्री
- के० के० नायर, भ्राई० एफ० एस० ए० 5 जवाहर नगर, तिरुग्रनम्तपुरम-3 ।
- एस० पीर मुहम्मद,
 रुक्स बिल्ला,
 शास्तामंगलम, तिरुद्यनन्तपुरम-10 ।
- जी० ज्योति, इन्दु विहार,
 ओटटुक्कल स्ट्रीट,
 कैतमुक्कु, तिरुप्रनन्तपुरम-1 ।
- एन० गोपालन नायर,
 "जयलता",
 ऋषिमंगलम्, तिरुग्रनन्तपुरम-4 ।
- 6. डा० एन० एच० शिवरामकृष्णन, शवरिगिरि, शंकर रोड, शास्तामंगलम, तिरुग्रनन्तपुरम-10 ।
- ग्रार० रवीन्द्रन, काट्टिल वीड़, पेट्टा, तिरुग्रनन्तपुरम-24 ।
- बी० भास्करन नायर,
 पुलिक्कोट्ट् हाउस,
 वेलार लेन, ग्रनयारा पोस्ट,
 तिरुग्रनन्तपुरम ।
- टी० वासुदेवन, चिटटुकाटु मुडस्पिल बीडु, करिक्कम, अनयारा पोस्ट, तिरुग्ननन्तपुरम
- मम्मन के० एलियास,
 तिरुम्रनन्तपुरम टेनिस क्लब,

तिरुग्रनन्तपुरम-3 महाप्रबन्धक श्रोर मुख्य कार्य पानक)

- 11. डा० बाबू विजयानंद,
 माधव मंगलम्,
 पट्म, तिरुधनन्तपुरम-4
 (भूतपुर्व प्रध्यक्ष ग्रीर प्रबन्ध निदेशक ता० 1-12-1976 से पूर्व)
- 2. फर्म का नाम : मैसर्स तिरुग्रनन्तपुरम रबर वर्ष्स लिमिटेड, तिरुग्रनन्तपुरम ।
- 3. स्रिधिनियम या नियमों के उपश्रंध केन्द्रीय उत्पादन शुल्क जिनका उल्लंधन किया गया नियमावली 1944 के नियम 9(1), 52-क, 53,173 छ:
- 4. लगाए गए दंड की राशि ह० 1,00,000 (केवल एक लाख क्पए)
- 5. उत्पादन शुरुक योग्य माल या श्रन्य ६० 1,73,78 6 । सम्पत्ति का मूल्य जिसे न्यायालय ने श्रिधिनियम की धारा 10 के श्रिधीन जब्त करने का श्रादेश दिया है या धारा 33 में विनिर्दिष्ट श्रिधिकारी ने जब्स किए जाने का श्रिधिनिर्णय किया है ।
- 6. जब्ती के बदले में लगाए गए जुमनि २० 16,000/ की राणि
- नियम 18 1 के झधीन रह किए गए शून्य किसी भी लाइसेंस का विवरण

मी० भुजंगस्यामी, समाहर्ता, सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शल्क, कोचीन

कन्द्रीय उत्पाद शुरुक समाहतलिय

इन्दौर, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

सं० 21/80—श्री डी० पी० दमोहे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' मध्य प्रदेश समाहतिलय, इन्दौर ने निवर्तन को श्राय प्राप्त करने पर दिनांक 30-11-80 के श्रपराह्म से शासकीय सेवा से निवृत्त हुए।

> एस० के० **ध**र, समा**ह**र्सा

समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक तथा सीमा शुरुक

पुणे, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

सं 3/केन्द्रीय उत्पादणुल्क, पुणे/80--केन्द्रीय उत्पादणुल्क तथा सीमाणुल्क समाहतीलय, पुणे के समाहती द्वारा, जिन व्यविध्या ने केन्द्रीय उत्पादणुल्क नियम 1944 की व्यवस्थाओं का उल्लंघन किया है, तथा जिन पर दस हजार श्रथना उससे श्रिष्ठिक रुपयों का दंड दैने की सजा लागू की गई है ऐसे व्यक्तियों के नाम,पते तथा श्रन्य ब्यौरे दिखाने वाला विवरण :--

ऋम मं०	निर्धारिति का नाम तथा पता	नियम, जिनकी व्यव- स्थाग्रों का उल्लंघन किया है	लागूकी गई दंड की राणि	जब्त किए गए तथा दंडित किए गए उत्पाद शुस्क योग्य माल का मूल्य	ग्रभिग्रहण के संबंध में यदि कोई दंड लागू किया हो तो उस की राशि	श्रम्युषितयां
1	2	3	4	5	6	7
	मैनर्ज किर्लोस्कर ऑयल इंजिन्स लिमिटेड, खड़की पुणे-3 केन्द्रीय उत्पादणुल्क एल० 4 संख्या सी० ई-1/60	192, 173-त 173 च (1) (क) ग्रौर	হ ০ 25,000 / -	৳৹ 3,69,077 -	হ ∘ 40,000/-	समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमाशृल्क, पुणे का दि० 9-11-77 की ध्रादेश(मुल०) सं० V (34 क) 15-178
	मैसर्ज जे० जी० ग्लास इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जिपरी, पुणे-18 एल-4 पंख्या जी० एल० 3/61	केन्द्रीय उत्पादगुल्क नियम 1944 के नियम 9(1) तथा 52 क के साथ पठित नियम 173 च, नियम 173 छ (2) तथा नियम 53 के साथ पठित नियम 173 छ (4) तथा नियम 47(3)	হ৹ 10,000/-	₹0 2,19,632/-	६० 22,000/-	समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पुणे की दि. 21-4-77 की ग्रादेश (मूल) र्स० (23 क) 15-57/ न्यायनिर्णयन/76

एच० एम० सिंह, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा सीमागुल्क, पुणे

निरोक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुरूक नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1981

सं० 34/80—श्री सो० ई० सुन्नामित्यम श्रधिक्षक, केन्द्रिय उत्पादन शुल्क ग्रुप 'ख' केन्द्रिय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मद्रास, ने निदेशालय के दिनांक 18-11-80 के ब्रादेश सं० सी० सं० 1041/41/79 के द्वारा निरीक्षण एवं लेखा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मद्रास स्थित दक्षिणा प्रादेशिक एक में स्थानांतरण होने पर दिनांक 3-12-80 (पूर्वाह्म) को निरीक्षण श्रधिकारों ग्रुप 'ख' के पद

(सिमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक, 3 जनवरी 1981

सं० 35/80--श्री ए० धार० शर्मा, ते जो पहले निर्रक्षण एवं लेखा पर क्षा निर्देशालय, सभा शुल्क एवं केन्द्र ये उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में प्रशासन श्रीधकार के पद पर पार्थरत थे, निर्देशालय के दिनौंक 16-12-80 के श्रादेश सं० 1041/68/80 द्वारा निर्देशण एवम् लेखा पर क्षण निर्देशालय के दिल्ला स्थित मुख्यालय में 16-12-80 (पुत्रक्कि) से निरक्षण

श्रिधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'बी' के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० जे० रामन्, निदेशक, निरीक्षण

ऊर्जा मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था घनबाद, विनांक 29 विसम्बर 1980

सं० प्रशासन 12(1)80—श्री के० पासवान, स्थानापश्च प्रधान लिपिक को तारीख 17-11-1980 (पूर्वाह्न) से कोयला खान कल्याण आयुक्त के सहायक सिष्व/चिकित्सा आधीक्षक, केन्द्रीय अस्पताल के सचिव के पद पर सद्दर्थ आधार पर पदोष्ठति की गई है।

> दामोदर पण्डा, कोयला खान कल्याण श्रायुक्त धनबाद

नौवहन भ्रौर परिवहन मंद्रालय नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 29 विसम्बर 1980

सं० 2-एस० एच० (1)/78---राष्ट्रपति कष्तान भार० के० व्यास, नाटिकल सर्वेक्षक, नौंबहन महानिदेशालय, बम्बई का त्यागपत्न तारीख 14 अक्तूबर, 1980 (भ्रपराह्न) से स्वोकार करते हैं।

> एस० एम० श्रोचाणी, नौबहन वरिष्ठ उप महानिदेशक

केन्द्रोय जल श्रायोग

नई दिल्ली-22, विनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० ए० 32014/1/80-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजिनियर (इंजिनियरी) के ग्रेंड में रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया ग्रस्थाई तथा तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से 6 महीने की ग्रवधि के लिए श्रथवा इन पदों को नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं:—

कु आधिकारा का नाम तथा पदनाम सं	शक/सहायक इज नियर के रूप में कार्यग्रहण करने की तारीख
1 2	3
सर्वधी 1. श्रजय कुमार शर्मा, अभिकल्प सहायक	10-12-80 (पृबीह्न)

1 2	
सर्वं श्री	
2. बी० स्यामन,	17-11-80 (पूर्वाह्न)
पर्यं वेक्षक	
 राम सुमिरम, 	13-10-80 (पूर्वाह्न)
पर्यं वेक्षक	
4. राजेन्द्र प्रसाव,	10-11-80 (पूर्वाह्न)
पर्यंवेक्षक	
	के० एल० भंडला,
	श्रवर सचिव,
	केन्द्रीय जल श्रायोग

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1980

संग 30/3/79-ई० सी०-9 (खण्ड-3)—-राष्ट्रपति सहर्षं संग लोक सेवा ध्रायोग द्वारा नामित श्री एस० एन० महगल, को उपवास्तुविद (सी० सी० एस० ग्रुप "ए०") के ध्रस्थाई पद पर के० लो० नि० वि० में ६पए 700/-प्रति माह के बेतन पर ६पए 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के बेतनमान में (सामान्य भक्तों सहित) 13-11-80 (पूर्वाह्म) से सामान्य नियम एवं शतौं पर नियुक्त करते हैं। उनका बेतन शीध्र ही नियमानुसार धुननियत किया जाएगा।

2. श्री एस० एन० सहगल 13-11-80 (पूर्वाह्म) से दो वर्षकी परिवीक्षा श्रवधि पर रखें जाते हैं।

दिनांक, 31 विसम्बर 1980

सं० 1/52/69-ई० सी०-9—इस विभाग के श्री एम० नक्षार्ती, वास्तुविद्वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31 दिसम्बर, 1980 (श्रपराह्न) को सेवा-नियत्त हो गए।

> के०**ए० ध**नंतनारायणन प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंस्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

करातियों के रजिस्ट्रार का कर्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर नायक एक्सट्रेक्सन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

सं० टी० एस०/673/3595—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (6) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नायक एक्सट्रेक्सन प्राईवेट लिमिटेड का नाम जो कि उपरोक्त श्रिधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में नं० एस० श्रो०/673/79-3384 (2) दिनांक 6-11-79 द्वारा रजिस्टर से काट दिया गया

था तथा जिसकी सूचना भारतीय राजपत्त भाग--]। स्विष्क विनांक 1 दिसम्बर 1979 पृष्ठ संख्या 9976 में प्रकाशित हुई थी, वह फिर से मद्ममान्य उच्च न्यायालय, उड़ीसा, 10-12-80 श्रीर 17-12-80 के श्रादेणानुसार कस्पनी श्रिधिनियम केस नं० 1/1980 में फिर से रिजस्टर में शामिल कर दिया गया है।

एस० सील कम्पनियों का र^{्ट}्र

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं मैसर्स स्वयंबरलाल मोटर सर्विस प्राईवेट लि

ग्वालियर, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

सं० 8 78/समापन/सी० पी०/58 09—कम्पनी ग्राधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के श्रन्तर्गत सूचित किया जाता है कि मैसर्स स्वयंबरलाल मोटर सर्विस प्रार्थवेट लिमिटेड, इन्दौर को मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय, इन्दौर खण्डपीठ के आदेश दिनांक 3-9-1980 के द्वारा परिसमापन करने का भादेश दिया गया है तथा सरकारी समापक, इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं मैसर्स दि जागरण लिमिटेड, इन्दौर के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

सं० 659/समापन/सी० पी०/58 09—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि मैंसर्स दि जागरण लिमिटेड, इन्दौर को मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय, इन्दौर खण्डपीठ के आदेश दिनांक 18-7-1980 के द्वारा परिसमापन करने का आदेश दिया गया है तथा सरकारी समापक, इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, खालियर

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 के विषय में श्रौर

श्रजन्ता फेब्रिक्स लिमिटेङ के विषय में (समापनाधीन) हैदराबाद, दिनांक 2 जनवरी 1981

सं० 650/समापन—-ग्रजन्ता फैन्निक्स लिमिटेड (समापना-धीन) जिसका पंजीकृत कार्यालय बी० 5/296 सुल्तान बजारए हैदराबाद पर है, का विघटन हो गया है।

श्रीर निम्नहस्ताक्षरित को तर्कयुक्त विश्वास है कि कम्पनी की क्रियाएं पूर्णस्या विघटित हो गई हैं श्रीर कम्पनी के लेखा-जोखा का विवरण जो कि समापक बारा विगत छः महीनों के लिए तैयार किया जाना चाहिए था, नहीं विया गया। इसिनए, अब कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा 4 के मताहत यह सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तीन महीने की श्रवधि तक यदि कोई यथोचित कारण नहीं बताया गया तो श्रजन्ता फैश्रिक्स लिमिटिड (समापनाधीन) का नाम रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी का विघटन हो जाएगा।

वी० यस० राजू, कम्पनियों का रजिस्ट्रार ग्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी भ्राधिनियम, 1956 और घई रोडवेज एण्ड फाईनैस्सियरर्ज भा० लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2646/10432—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती ई कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर घई रोडवेश्वएण्ड फाइनैन्सियर्ज प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कन्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर विशाल फरर्टीलाइजर्स एण्ड कैमीकल्स प्रा० लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० जी०/11/स्टेट/560/2725/10434—कम्पनी श्रिध-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर विणाल फर्टीलाइअर्स एण्ड कैमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर नवीन चिट फंड एण्ड फाइनैन्स प्रा० लिमिटेंड के विषय में

> > जालंधर, दिनांक 29 दिसम्बर 198 0

सं० जी/स्टेट/560/2957/10437—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की जपधारा (3) के अनुसरण में एतब्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवासान पर नवीन चिट फंड एण्ड फाइनैन्स प्रा० लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन०एन० मोलिक कम्पनी रजिस्ट्रार यंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी श्रधिनियमं, 1956 श्रीर आई-टीक शाईवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 2363/560/8 1—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आई-टीक प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजनवी कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्तः,

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1980

फा॰ सं॰ जुरि/दिल्ली/5/80-81/33538—धनकर ग्रधि-तियम 1957 की धारा 8 एए की उपधारा (1) तथा दान-कर ग्रधिनियम, 1958 की धारा 7एए॰ द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धनकर/दानकर ग्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि इसके साथ संलग्न ग्रनुसूची "ए" में निर्दिष्ट मामलों के बारे में धनकर/दानकर ग्रधिकारी डि॰ II (6) को प्रदान किए गए या सौपे गए सभी ग्रथवा किसी भी कार्य या शक्ति के प्रयोग या निष्पादन के बारे में निरीक्षीय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, रेंज-5-ई, नई दिल्ली का समवर्ती ग्रधिकार होगा।

कार्य-निष्पादन की सुविधा के प्रयोजन के लिए धनकर/ दानकर ग्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली धनकर ग्राधिनियम की धारा 8 एए की उपधारा (2) ग्रीर दानकर ग्राधिनियम की धारा 7 ए० ए० में श्रवेक्षित श्रादेशों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक धनकर/दानकर श्रायुक्त, रेंज-5-ई को भी प्राधिकृत करते हैं।

यह श्रधिसूचना 20-12-80 से लागू होगी।

ग्नार० डी० सक्सेना श्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

श्रनुसूची "ए"

 ऋम सं०	स्थायी लेखा संख्या	निर्धारिती का नाम
1	2	3
1.	11007-पी॰ टी॰-9113	श्री भावी चन्द जिन्दल
2.	11020-एच० जेड-238 6	मैसर्स बी० सी० जिन्दल एण्ड सम्स
3.	1 1 0 1 7-पी० टी०- 2 78 0	श्रीमती मीना देवी जिन्दल
4.	25003-पी० वी०-7643	श्री धर्मपाल जिन्दल
5.	22031-पी० टी०-48 19	श्री क्यामसुन्दर जिन्दल
6.	1 1 0 0 2-पी० टी०- 6 9 0 6	श्री शंकरलाल ग्रग्रवाल

1	2	3
7.	11008-एम० जेड-5990	मैसर्स एस० एल० श्रग्रवाल एण्ड सन्स
8 -	1 1 0 0 5-पी० वी०- 1 9 4 5	श्रीमती कमलेश देवी श्रग्रदाल
9.	22007-पी० वी०ह98 68	श्री णिव राम जिन्दल
10.	11018-पी० एन०-0762	मैसर्स शिव राम जिन्दल एण्ड सन्स
11.	11008-पी० एन०-278 3	श्री श्रोम प्रकाश'जिन्दल
12.	11020-एच० क्यू०-6913	मैसर्स श्रोम प्रकाश जिन्दल एंड सन्स
13.	11008-पी० वी०-040	श्री मदनलाल जिन्दल
14.	11012-पी० क्यू०-1478	श्रीमती परमेश्वरी देवी जिन्दल
15.	11017-पी० टी०-3354	श्री मदनलाल जिन्दल एल/ एच स्वर्गीय श्रीमती शन्दरावतीदेवी जिन्दल
16.	11002-पी० क्यू०-6698	श्री देवी सहाय जिन्दल
17.	1 1 0 2 1-एच० जेड- 0 0 7 2	मैसर्स देवी सहाय जिन्दल एंड सन्स
18.	11012-पी० एक्स- 08 66	श्रीमती राम देई देवी जिन्दल
19.	11003-एच० एक्स-2344	मैसर्स बसूदेव श्रग्रवाल एंड संन्स
20.	25003-मी० वी०-7588	श्री बसूदेवी श्रग्रवाल
21.	11021-एच०ए न०-4172	श्री रूती राम ग्रग्रवाल एंण्ड सन्स
22.	22004-पी० एक्स-888 5	श्रीमती गंगा देवी श्रग्नवाल

(संवर्ग नियंन्त्रण प्राधिकारी)

आदेश

स्थापना—केन्द्रीय सेवाएं—प्रुप ''बी''—राजपन्नित—स्रायकर प्रधिकारी—पदोन्नति—स्थानान्तरण एवं पदस्थापन (पोस्टिंग)

कानपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं 100—निम्निलिखित आयकर निरीक्षकों को स्थान्तापन्न आयकर अधिकारी ग्रुप "बी" के रूप में रु 650-30-740-35-810-द रो०-880-40-1000-द रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से और श्रिशम आदेशों तक नियुक्त किया जाता है। यदि यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्तियां विद्यमान रिक्तियों से अधिक हैं तो वे पादवनत किए जाने के योग्य होंगे। पदो

न्नति पर उनकी	सेवाएं उनक	सामने उरिलक्षिक	भायकर भायकरा
के प्रधीन रखी	जाती हैं।		G

ऋम	कर्मचारी का नाम	आयकर आयुक्त जिसके
संख्या		प्रधीन सेवा एं रखी गई
		हें

सर्वश्री

- 1. एम॰ पी॰ सिंह आगरा फतेहगढ़
- 2. एस० सी० शर्मा कानपुर सर्वे सर्किल, कानपुर
- 3. शमीमुल हमनैन श्रागरा नि० स० श्रा० श्रा० रेंज-2, श्रागरा
- 4. पी० एन० टंडन, मेरठ सेन्ट्रल सर्किल, कानपुर
- ह. बी० पी० बहुखण्डी, मेरठ सर्किल-II, कानपुर

अधिकर आधुक्त, कानपुर, श्रागरा और मेरठ कृपया पदस्थापन श्रादेश जारी करेंगे।

दिनांक 1 जनवरी 1981

पं० 120--निम्नलिखित श्रायकर निरीक्षकों को स्थानापन्न श्रायकर श्रधिकारी ग्रुप "बी" के रूप में ६० 650-30-740-358 10-वं रो०-88 0-40-1000-वं रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके कार्यभार प्रहण करने की तिथि से और प्रशिम प्रादेशों तक नियुक्त किया जाता है। यदि यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्तियां विद्यमान रिक्तियों से प्रधिक हैं तो वे पदावनत किए जाने के योग्यहोंगे। पदोन्नति पर उनकी सेवाएं उनके सामने उल्लिखित श्रायकर श्रायुक्त के श्रधीन रखीं जाती हैं:—

ऋ० कर्मचारीकानाम मं०	श्रायकर श्रायुक्त जिसके अर्धीन सेवाएं रखी गई हैं
मर्वश्री	
 ग्रार० डी० सिंह, मर्किल-1, कानपुर 	कानपुर
 टी०पी० म्रार्था, सकिल-1, म्रागरा 	म्रागरा
 ए० पी० निगम, मिकल-I, कानपुर 	मेरठ

अत्यकर आयुक्त, कानपुर, श्रागरा श्रौर मेरठ कृपया पदस्थापन ब्रादेश जारी करेंगे।

> बी० गुप्ता, स्रायकर स्रायुक्त,

प्रकृष भाई। टी० एन० एन०-----

आयकर प्र**धिनियम, 1961 (1961 का ±3) की धारा** 289-प (1) वि प्रधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

निवेण सं० श्राई० ए० सी०/ वयू-]/एस० श्रार०/4-80/51—श्रतः मुझे, श्रार० बी० लाल श्रग्रवाल व्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अक्त स्थिनियम' कहा बया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिस की स० कृषि भूमि है तथा जो 4 बीघा 16 विश्वा गांव गदईपुर नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के व्रथमान प्रतिफल के नियं बनारित को गर्द में और युजे यह विश्वास करने का कारण है कि युवायुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्ती रेती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किनी पाय की बाबत उपत अधिनियम के प्रणीत कर देने के अन्तरक के बायित्व में कर्मा पाने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वाया किया जाना वाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त धिवनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन तिश्निकिंखः। स्थिनियमें, अथौतः :--

- (1) श्रो राम सिंह सपुत्र श्री हरजू सिंह ग्रीर कुलवन्त सिंह सपुत्र जगत सिंह केयर ऑफ प्रवेश राजेन्द्र कमानी, दरबारी लाह गार्वित किन्न श्रीट जी० ए० वाईगर सिंह सपुत्र रामसिंह। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बलवन्त कौर पत्नी एस० एस० मोंगा एफ-92, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी जस्य क्यक्ति द्वारा, बघोइन्ताभरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त श्रिष्ठानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है

श्रनुसूची

कृषि भूमि एक श्रौर क्षेत्रफल 4 बीघा 16 विश्वा खसरा नं० 588/1~(2-4)~588/2~(2-0), 588/3~(0-12) गांव गर्दर्पुर, नहमील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं।

ग्रार० बी० लाल अग्नवाल सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 31 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आर्ष्ट्. टी. एन. एस.————— आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
श्रजीन रेज-I, एच ब्लाक, विकास भवन,
श्राई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ क्यू०/I एस० आए० III/4-80/89— अतः मुझे, आए० बी० एन० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

ही कि स्थायर नंपरित जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-

रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिस की सं० 4 बीघा 16 बिण्या तथा जो गांव खानपुर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याक्य, नई दिल्ली में रिनस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 14-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पति का उचित दाजार मूल्य, मूल्य, उनक्ष रक्षण जीवकल से, एमें दश्यमान अतिकल का पन्द्रह प्रविक्षण ने जीवक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के शीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षन निम्निविचित उद्देश्य से उचत अन्तरण निम्निविचत में आस्तिवक थ्या ने को धन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) एंनी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्मिता की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-3—426GI/80

(1) श्री भगवान सिंह पुत्र गुंडूसिंह एस-319 ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो देवीन्द्र सिंह नारंग पुत्र श्रो के० एस० नारंग एम 6, ग्रेटर कैलाण-I नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की लारीय से 45 दिया का अपना प्राचनमध्यभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- चद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पारा लिलिन में किंग, जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनसूची

ख्रसरा नं० 2754 बीघा 16 बिश्वा कृषि भूमि गांव खानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> श्रार० वी० एल० श्रग्नवाल सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 31 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टो० एत० एस०-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, एच ब्लाक, विकास भवन,
श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002

निर्देण सं० आई० ए० सी०/नयू०-1/एस०न्नार०-111/4-80/57---अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गय। है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पह विश्वाम करने का द्वारण है कि स्पायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रुपए मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा 12 बीघा 16 विश्वा है तथा जो गांव देरा मान्डी, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 डा 16) के श्रधीन दिनांक 8-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण सं दुई किसी आय की बाबन, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपदारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पितयों, अर्थात:—

 श्री भिखारी पुत्र बेगराम गांव देरा मन्डी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्त एक)

(2) श्री स्ररमिन्दर सिंह पुत्र विशन सिंह 3016, सैंक्टर 21-डी. चण्डीगढ़ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविभि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी ते व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य म्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दां श्रीर पदों का, जो उक्त ध्रिवियम, के श्रध्याय 20-रु में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा कृषि भूमि, एम० नं० 51 किला नं० (4-8), 10/1 (4-8) एम नं० 52 किला नं० 6 व 15/1 पूर्व (4-0) गांव डेरामन्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं।

ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I विकास भवन, एच ब्लाक इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 31 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप भ्रार्थ० टी० एन० एस०---।

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना मारत सरकार

हार्थालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, एच ब्लाक, विकास भवन, (म्राई० पी० स्टेट), नई दिल्ली-110002 नई दिल्लो-110002, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० ग्राई०ए०गी०/एक्यू०-I/एस० ग्रार०-III/4-80/ 58----ग्रतः, मुझे, श्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल पायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्रधिक है

ग्रौर जिस को सं० 1/2 हिस्पा 12 बोघा 16 बिग्वाहै तथा जो गांव डेरामार्न्डा नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्लो में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 8-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या यन्। श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या **धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

धत: धव, उक्त धिधनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत श्रिधनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति :---

- (1) श्रो भिखारी सपुत्र बेगराम, निवासो गांव डेरा मान्डी, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
 - (2) श्रोमतो रूपीन्दर पाल कौर धर्मपत्नी अरमीन्दर जीत सिंह, निवासी घर नं० 3016, सेक्टर 21डी, चण्डीगढः।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाओप:---

- (क) इन मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी यबधि बाद में समाप्त होती हो के भीवर पूर्वीक्त व्यक्ति में में भे किसी व्यक्ति द्वारा:
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोतस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जामकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुका गव्दों श्रोर पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा 🗇 ।

अनुसूची

1/2 हिस्ता कृषि भूमि का जो 12 बोघा 16 विश्वा एम नं०-52 किला नं 15/1 श्रीर 6(4-0), एम नं 51 किया नं \circ 10/1(4-8), 1(4-8) गांव डेरा माण्डी में तहसोल महरौलो, नई दिल्ली।

> म्रार्० बी० एल० भ्रम्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 31 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-I, एच ब्लाक, विकास भवन ग्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० थ्राई० ए० मो \circ /एक्यू०-I/एस० थ्रा τ ०-III/4- 80/49—-थ्रत. मुझे थ्रार० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 4 बीघा 16 बिश्वा है तथा जी गांव गर्दश्रुर नई दिल्ला में स्थित है (प्रोर इसने उगाबद्ध श्रतुसूची में पूर्व रूप से श्रीत है), एजिस्ति हो प्रिचे हारों के कार्यानय नई दिल्लों में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-4-80

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिस्त्रन, अन्तर्वां के दृश्य से उस्त अन्तरण निखित के बास्तिवक हाप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राम सिंह सुपुत्त हरजू सिंह श्रीर कुलवन्त सिंह सुपुत्त जगत सिंह श्री एटोरनी बगर सिंह सुपुत्त राम सिंह निवासी एम-168, ग्रेटर कैलाण-2 नई हिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो फूना रानी धर्मपत्ना के० ब्रार० मोंग। निवासी एफ-92, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के विस् कार्यकादियां करता हो।

उयत सम्परित के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी अक्षप ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष्यों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त आध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बीघा 16 विक्वा खसरानं ० 589 जो कि स्थति। गांव गदईपुर तहमील महरौली नई दिल्ली।

> श्रार० बी० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 31 दिसम्बर 1980

मोहर 🕽

प्रकार हाई कही व गुन एस०----

आयकर अंबिनियम, 1961 (1→6) का 43) की धारा 369-म (1) के अधीन भुवना

भारत सरफार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंत रेंज-I एच ब्लाक्त विकास भवत (भ्राई०पो० स्टेट), नई दिल्ली-110002

नर्ष दिल्ली-110002, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ब्राई० ए० मी०/एनयू०-1/एस० ब्रार-III/4-80/

18~ - ब्रात: मुझे, ब्रार० बी० एत० श्रप्रवास

आतंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें
इपके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की ब्रारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
हारण है कि स्थात्रर सम्रत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य
25000/ ६० में अधिक है

भौर जित्तको पं० 4 बीघा 16 बिश्वा है तथा जो गांव गर्द्धपुर नई दिल्लों में स्थित है (सौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिक्षिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षित के लिए अन्तरित को गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक कृष से कथित नहीं किया गया है :--

- (१) अन्तरण म इदि फिसी भ्राय को जानत उभत अधिनियम के प्रश्ली कर ३१ के अन्तरक के दायित्व में कुश्ली करने या उपन अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय था किसी अन या प्रस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय पापकर कांग्रेनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भविनयम, या धन-कर प्रवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः थव, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग क श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रश्नितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :— (1) श्रो राम सिंह मुपुल हजर सिंह ग्रौर कुलबन्त सिंह मुपुल जगत सिंह श्रू जनरल एटोरनी श्री बैगर सिंह मुपुल राम सिंह निवामी एम-168 ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती फूला रानी धर्भपत्नी कें अपर मोंगा निवासी एफ-92, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारो करके पूर्<mark>वीका सम्पत्ति के अर्ज</mark>न के लिए कार्यबाहियाँ करता हूं ।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रांक्षेप :--

- (क) इन सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 4.5 रित की अविधिया तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 3.0 दिन की प्रविध, जो भी अविधिवाद वे समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति अरुग;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ ित्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षण के पास लिखिल में किए जा सकींत्र

म्बब्दीकरण:--इतर्षे प्रयुक्त गब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, बही अर्थ होगा, वा उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि, 4 बीघा 16 विश्वा खसरा नं० 611 गांव गदई पुर तहसील महरौलो नई विल्ली।

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्नयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I विकास भवन, एच ब्लाक इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 31 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-I एच ब्लाक, विकास भवन,
(भ्राई० पी० स्टट), नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-11002 दिनांक 31 दिसम्बर 1980

निर्देश सं श्राई० ए० सी ० /एसयू०-1 /एस० ग्रार०-[11] 4-80/881—ग्रतः मुझे , ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रिधिक है

भौर जिस की सं० प्लाट 59 का क्षेत्रफल 4 बीघा 16 बिश्वा है तथा जो गांत्र खानपुर नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं),रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-4-80

को पूर्वीकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, उक्त भ्रिधिनियम की घारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, भ्रिपीत:—— (1) श्री ग्रनील कुमार सोधानी व श्रीमती रामा सोधानी एस-19, पंचणील पार्क नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संजयकुमार निवासी सी-3/11, राना प्रताप बाग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्यक्ति के <mark>ग्रजैन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 111 (पुराना) नं० 59 (नया) जो गांव खानपुर तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है क्षेत्रफल 4 बीघा 16 विस्था है।

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल सक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

विनांक: 31 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप भाई ० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

श्चर्जन रेंज-। एच ब्लाक विकास भवन, श्चाई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली,-110002, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० भ्रार्ट० ए० मी०/एक्यू०-J/एम० आर०-JII/4-80/37—- अतः मुझे, श्रार० बी० एल० अग्रवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

स्रौर जिस की सं ०-ए.फ. 422 हैं तथा जो प्लाट नं ०19 मौझा झिल्मीला तहीरपुर फरेन्ड कालोनी कृषि नगर दिल्ली जी ० टी ० रोड़ माहदरा दिल्ली-32 में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 2-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक का ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चितियम के ग्राम्मीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था िं पाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसमें अर्थातः-- (1) श्री विज्ञन लाल गुप्ता सपुत्र स्वर्गीय श्री क्रज नाथ निवासी बी-38, कैलाण कालोनी नई दिल्ली श्रीर प्रह्लाद राय सपुत्र गुलराज निवासी 16, राधानाथ चौधरी रोड़ कलकत्ता-15

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रमोद कुमार गुप्ता निवासी 489. बारा ठाकुर दबारा शाहदरा दिल्ली-32, श्रौर भुपेन्द्र कुमार जैन निवासी 220 गली जैन मन्दिर शाहदरा दिल्ली-32

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पडहोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पद्यों का, जो 'उम्त ग्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही घर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राथर्टी नं ० 422-एफ, प्लाट नं ० 19 खसरा नं ० 1125/344, 346, 370, मौझा झिल्मिला तहीरपुर भ्रवादी फरेन्ड कलोनी कृष्ण नगर, जी ० टी ० रोड़ साहदरा दिल्ली-32 क्षेत्रफल 1317.33 वर्ग गज ।

भ्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल सक्षम श्रिधकारी सहायक भ्रायकर कृायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 31 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकष माई∗ टी० एन० एस०----

आधकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा ंद्र**69-च(1**) के अर्थान मूखना

नारः। नग्धार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन नई दिल्ली110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश सं० म्राई० ए० सी० एक्यू०-II/एस० म्रार०-I/4-80/ 6438—- म्रतः मुझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 । 43) (जिसे इसमें इनक प्रवात 'उनन योगिनन' कहा गर्हा, की धारा 269-ख के अधीन सम्मान प्राधिकारी को, यह बिर स करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रौर जिस की सं० 2342 है तथा जो गली बुगबुगी बाजार तुर्क मान गैट देहली से स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजरट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोनन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफान का पश्यह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करते या उसमें बचने में मुखिबा के लिए; ेर/या
- (ख) ऐसी किया आय या किसी अन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनयम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुबिधा के लिए,

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) लाल चन्द सुपुत्र श्री रोशन लाल निवासी 2342 गली डुगडुगी बाजार तुर्कमान गेट देहली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद यासीन सुपुत्र श्री मोहमद फारुक निवासी 2346 गली डुगडुगी नुकैमान गेट देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना अ।री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्शन के 'लए कार्यवाहियां करता हूँ।

जन्त सम्पत्ति हे अर्तन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस पूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्वत्रिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्विधि, जो भी ध्विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से िकसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्थ क्यक्ति द्वारा, मझंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2342 गनी डुगडुगी शह कलां बाजार चीतली कवर दिल्ली क्षेत्रफल 105.53" वर्ग गज ।

> बलजीत भटियानी सक्षम स्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-JI विकास भवन एच ब्लाक नई दिल्ली

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980

मोहरः

भारत सरकार

कार्या**लय, सहायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन

(ग्राई० पी० स्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस०ग्रार०-I/4-80/

6476— अतः मुझे वलजीत भटियानी आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए-17 है तथा जो गांव भटोला श्रावादी श्रादर्श नगर जी० टी० रोड़ देहली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1980

के अधीन, दिनांक अप्रैल 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रिष्ठीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्रीमती पन्नाबन्ती पत्नी स्वर्गीय श्री हरवंस लाल सेठी निवासी गली पहलवान चौक भगतां श्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रमी चंद सिंह चौहान सुपुन्न श्री भूप सिंह चौहान निवासी ई-4/14 माडल टाउन देहली

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्वत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्प्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, तो उन ग्रध्याय में विसा गया है।

प्रनुसूची

श्राधा हिस्सा भकान नं० ए-17 गांव भटोला ब्राबादी स्रादंश नगर जी० टी० रोड़ देहुली

वलजीत भटियानी मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, एच ब्लाक विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

दिनांक 24 दिसम्बर 1980 मोहर । नकप नाई• टी• एन० एस०-----

आयकर आधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्ज रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन. (श्राई० पी० स्टेट), नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० श्रार०-I/4-80/6422—श्रतः मुझे बलजीत भटियानी अत्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा

इसक पश्चात् 'उक्त' अधानयमां कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मृह्य 25,000/- दं से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 51-बी श्रीर 52 है तथा जो ग्रशोका पार्क देहली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्राप्रैल 1980 को

पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उसत अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत एक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुक्थि। के लिए;

अतः अतः, उक्त मिश्रिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षत्रीन, निम्नलिखित स्थिक्तयों श्रिशीत:——

(1) श्री टी० ग्रार० कपूर सुपुत्र श्री डी० डी० कपूर निवासी 80 जनपथ, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) राम कुमार सुपुत्र श्री कपुरी मल निवासी 7/3550 रहगडपुरा करोल बाग नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाब्रेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण ।--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 51-बी श्रीर 52 क्षेत्रफल 52 1/2 वर्ग गज श्रीर 1.6 1/5 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 188 7/10 वर्ग गज) श्रशोका पर्क गांव वसई दारा पूर देहली ।

बलजीत भटियानी, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज II, विकास भवन एच ब्लाक इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूपं चाई• टी• एन• एस•--

अ।यकर **पंचितियम, 1961 (1961 का 43)** की घारा **269-व (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालाम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, (ग्राई० पी० स्टेट) नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदण मं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस०न्नार-I/4-80/6444—श्रतः मुझे वलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए-3/11 है तथा जो राणा प्रताप बाग देहली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 11-4-80 को

पूर्वोक्त नम्मित के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम कि श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के विए। और/या
- (श्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विधा जाना चाहिए था, स्त्रिपने में सुविधा के लिए ।

अत: अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात :--- (1) श्री मोरी लाल सुपुत्र श्री मुरली धर निवासी ए-3/11 राणा प्रताप बाग बेहली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम माथुर पत्नी डाक्टर एस० एस० माथुर निवासी 961 तीमारपुर देहली

(ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी। करके पूर्वोका सम्पति के **धर्ज**न के लिए **कार्यवाहियां करता** हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्कोप ।——

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत वें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के पश्याय 20-क में परिभाषित है, वही अथ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

ग्र**नु**सूची

मकान नं ० ए-3/11 राणा प्रताप बाग 232.35 वर्ग गज में से 75 वर्ग गज (पूर्वी भाग) एक कमरा, सटोर, रसोई लाक्ट और खुला स्थान नीचली मंजिल पर और एक कमरा स्टोर और रसोई पहुंती मंजिल पर

वलंजीत भटियानी, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक 24 दिसम्बर 1980 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज ।। एच० ब्लाक, विकास भवन
(ग्राई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002
नहिंदिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

ग्रीर जिसकी संख्या 19 बीघा 4 वीसवा है तथा जो गांव मसुदाबाद देहली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूवी में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 15 ग्राप्रैल, 1980

क्ये पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (!! को अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री रोशन लाल सुपुत्र श्री वीशन सिंह निवासी नजफगढ़ देहली

(अन्तरक)

(2) श्री श्रवदेश कुमार अलीकास श्रादेश कुमार सुपुत श्री रमेश चन्द गांव नजफगढ़ वेहली (अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पृवर्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

19 वीघा 4 वीसवा जमीन गांव मसुदाबाद देहली।

बलजीत मटियानी सक्षम श्रिघकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ॥ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 24 दिसम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II एच० ब्लाक, विकास भवन
(ग्राई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० ग्रार०-1/ 4-80/6435—-ग्रतः मुझे बलजीत मटियानी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- उ० से प्रधिक है,

ग्रीर जिसकी संख्या डब्ल्यू० जैंड-124 ए० है तथा जो उसम नगर ब्लाक सी देहली में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप मे वाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23 श्रप्रैल, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-ंकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुनिधा के लिए;

मतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात:—

- (1) श्री प्रेमलता पत्नी श्री राम चन्द्र निवासी डब्ल्यू० जैड०-126 ए० उत्तम नगर नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री एम० एस० रावत सुपुत्र श्री जी० एस० रावत ग्राई० ए० कालोनी वसतं बिहार नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के स्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो खक्त प्रधिनियम, के धन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डब्ल्यू० जैंड०-124 ए० उत्तम नगर ब्लाक सी देहली।

> वलजीत मिटयानी सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-**II** दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 24 दिसम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के **ध**धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन
(श्राई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर, 1980

निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/II एस० प्रार०-]]/
4-80/3289---प्रतः मुझे बलजीत मिटयानी,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख
के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से प्रधिक है

स्रौर जिसकी संख्या खमरा नं० 79/16 है तथा जो पालम गांव देहली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक भ्रभैल 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिन्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) पन्तरण गुड़ा कसी प्राय की बावत, उक्क पाप-नियम के अधीत कर देते के प्रन्तरक के द्रायिस्य में कभी करने या उससे बवते में सुविधा के लिए; प्रोर/या
- (ख) ऐसी हियो प्राप्त का हिसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राप्ततर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उसा पश्चितियन या धनकर मधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त यधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उक्त यधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्था :-- 1. श्रो लक्ष्मी नारायन सुभुव श्री चुन्नी लाल निवासी गांव पालम नई देहली,

(ग्रन्तरक)

2. श्री (1) रेबना बोष पत्नी श्री बी० बोष निवासी 3/बी० श्रार० एम० रोड कलकता (2) श्रीमती मधुरींमा घोषा पत्नी श्री एम० घोष 28 लेक टैमपल रोड कलकत्ता (3) श्री दित्य इन्द्र कान्ती दास सुपूत्र श्री जी० सी० दास निवासी डी०-336 मोती बाग-ा, (4) श्रीमती रानु रोय पत्नी श्री तपस कुमार राय निवासी 9/677 ग्रार० के० पुरम नई दिल्ली (5) श्री खेन राय सुपुत्र श्री खेनद्र नाथ राय निवासी एच०-347 न्यू राजेन्द्र नगर, देहली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्वत्ति के स्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उनन समात्ति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्रविध, जो भी स्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

स्वक्तोकरण: ~-इतमें प्रयुक्त गठदों और पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस सहवाय में दिया गया है।

अनु सूची

1-26 हिस्सा खसरा नं० 29/16 का गांव पालम, नई देहली में ।

> बलजीत मटियानी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली, दिल्ली-110002

दिनांक 24 दिसम्बर, 19 मोहरः प्ररूप आर्द्ध . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्वर्जन रेंज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर, 1980

निवंश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/I1/एम० भ्रार०-I/ 4-80/6433--प्रतः मुझे बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

सौर जिसकी संख्या शोप नं VI/551 है तथा जो गांधी मार्किट चांदनी चौंक देहली में स्थित है (श्रांग इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8 श्रप्रैल, 1980 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि पन्द्रह प्रतिशत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न्न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तित्यों अर्थात् :-- (1) श्री बोध राज सुपृत्र श्री पन्ना लाल निवासी जी०-81 कालका जी नई दिल्ली श्रीर श्री परशोतम दास सुपृत्र श्री पन्ना लाल निवासी 662/3 पडीट पार्क पटपट जंज देहली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जानकीनाथ सुपुत्र श्री मानक चंद ग्रौर विनोद कुमार सुपृत्र श्री जानकी नाथ :वासी 166 गुजरा वाला टाउन पार्ट II, देहली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० VI/551 गांधी मार्किट, चान्दनी चौक, देहली क्षेत्रफल 23.5 त्रर्ग गज ।

वलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 24 दिसम्बर, 1980 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० घ्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० घ्रार०-II/4-80/ 3329—म्ब्रतः मुझे, वलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 9 बीघा 12 विसवा है तथा जो गांव नागली पुना देहली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1-4-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुजिल्लित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

(1) श्री गजराज सिंह सुपुत्र श्री श्रर्जुन सिंह निवासी गांव समयपुर दिल्ली श्रौर यणपाल सुपुत्र श्री जगवासया निवासी 26 सुदर्शन पार्क, देहली ।

(श्रन्सरक)

(2) श्री सन्त गुरमेल सिंह सुपुत्र श्री प्यारा सिंह निवासी गुरहारा हरगोविन्द सर जी० टी० करनाल रोड़, देहली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

9 बीघा 12 वीसवा जमीन गांव नांगली पुना देहली खसरा नं० 39/6, 7, 8, 14, 15, 16, 17 और 25 और 40/11, 10, 20 और 21।

वलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 24 दिसम्बर 1980 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू-II/एस० ग्रार-II/4-80/ 3352—श्रतः मुझे बलजीत मटियानी,

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- स्पष्ट से भिष्ठक है

श्रौर जिसकी सं० 28 बीधा 16 विष्वा है तथा जो गांव खादीपुर देह्नली में स्थित है (श्रौर इससे उपावश्व अनुसूची में पूर्ण रूप से विषित्त है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 23-4-1980

तो पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरथ से हुई किसी भाग की बाबत, उस्त भवि-वियम के श्राचीन कर देने के शन्तरक के वाग्रिक में भमी करने या उससे गणने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

क्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रापीत :—
5—426 GI/80

- (1) श्री राजिम्कर सिंह बेटा चौ० नारायण सिंह गांव घौर पोस्ट ग्राफिस खादीपुर दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री इन्द्रजीत सिंह साहनी बेटा विवान चन्द साहनी डी-1/7, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली हंसराज जिन्दल बेटा धनी राम जिन्दल, राजा रोड़, ग्रादर्श नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोक:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से श्रिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजयतः में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पवों का, जो उक्त क्रिक् नियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका जोड़ 28 बीघा व 16 विश्वा व गांव खावीपुर दिल्ली में स्थित है ।

> बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली-110002

विशांक 12 विसम्बर 1980 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ग्रा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० ध्रार-I/4-80/6436—-श्रतः मुझे, वलजीत भटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिस की सं० 2007 भ्रौर 2008 है तथा जो कटरा लच्छु सिंह फवारा चान्दनी चौक देहली में स्थित (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है)), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के र्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) देवी प्रसाद सुपुत्र श्री छज्जु मल निवासी 1888 कुचा चेलान खारी वावली, देहली (ग्रन्तरिती)
- (2) श्री ग्रार० एस० सिंहगल ग्रौर ग्रार० एन सिंहगल सुपुत्र श्री जगन्नथ सिंहगल निवासी 1811 भगीरथ पलेस चान्दनी चौक देहली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त धाब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 2007 ग्रीर 2008 कटरा लच्छु मल फवारा चान्दनी चौक देहली इलाका नं० 2 क्षेत्रफल 115.75 वर्ग गज

पूर्व: माकान नं० 2004 और 2006 श्री देवी प्रसाद मकान नं० 3003 लीगल हीयर श्री हरी राम पश्चिम: गली श्रीर मकान नं० 2009 निवासी श्री राम

दक्षिण: दरवाजा दुकान ग्रीर गली उत्तर: सूरेन्द्र शर्मा का मकान

> वलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक 22 दिसम्बर 1980 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है

भौर जिसकी संब डी 74 है तथा जो मुलतान नगर रोहतक रोड़, विल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबक्क भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीद, विनोक भ्रभैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रष्टीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अफ्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत्:—— शीमती पिस्ता देवी पत्नी श्री लक्ष्मी चन्द 3939 सी वाली गली चावडी बाजार दिल्ली श्रीमती कौंशस्या देवी विडो श्री जोगी राम ग्रौर श्रीमती दर्शना देवी व श्री वसदेव गुप्ता 3939, सी वाली गली चावडी बाजार दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. श्री जैन नारायण बेटा श्री निरादर मल जैन ई-94, मायापुरी, फेज-II, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर-सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्र**न्यू**ची

प्रापर्टी नं र डी-14, खसरा नं र डी 1,9, 10, 19 ग्रीर 20 जिस का क्षेत्रफल 200 वर्ग गज जो कि मुलतान नगर, रोहतक रोड़ दिल्ली में स्थित हैं।

> बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रयंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक 12 दिसम्बर 1980 मोहरः

प्रकप कार्द. टी. एन. एस. -----

आवकर ऑिंग्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अभीम स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-11, एच ब्लाक, विकास भवन,
श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002
दिनोक 23 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/-II/एस० मार०-I/4-80/6516---मृत: मुझे बलजीत मटियानी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1567 (एफ-एफ) है तथा जो चर्च रोड़, कशमीरी गेट में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिभीक अभैल 1080

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीग निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री जगमोहन ग्रानन्द बेटा श्री गगाराम श्रानन्द 8-सी-1, राजपुर रोड़, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरनाम कौर पत्नी श्री रनजीत सिंह 2/13ए, विजय नगर दिल्ली 2. श्री रिवन्द्रपाल सिंह बेटा मनोहर सिंह डी-12/1 माडलटाउन दिल्ली । 3. सुरिन्दर कौर पन्नी इन्द्रजीत सिंह 16-ए/6, डब्स्यू० ई-ए करोलबाग, नई दिल्ली ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सब्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकोंगे।

सपस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक मकान का श्राधा हिस्सा, जिसका नं० 1567 (एफ-एफ), चर्च रोड़, कश्मीरीगेट, दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मिटयानी सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11 एच ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिन[†]क 23 दिसम्बर 1980 मोहर प्रकप साई०टी । एक० एस०-----

आयकर प्रशिवियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेंज-II एच क्लाक, विकास भवन,
(ग्राई० वी० त्येट), नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्वेश सं । श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० ग्रार०-I/4-80/3294—श्रतः मुझे, बलजीत भटियानी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र० से प्रधिक है

भौर जिस की मं० 9 है तथा जो रोड़ नं० 62 पंजाबी बाग में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के आर्थलय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधि-निथम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक भ्रभेल 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान मितकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उपत अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः मब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) सम्रोत निम्नजिस्ति व्यक्तियों धर्मात् :— (1) श्रीमती चन्द्र कान्ता पत्नी रिवन्द्र कृमार रोड़ नं० 62 कोठी नं० 9, पंजाबी बाग विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रमरीक सिंह बेटा श्री गंगा विशान ग्रौर श्रीमती गील कौर पत्नी श्री ग्रमरीक लिए 5517, बस्ती हरफुल सिंह सदर बाजार थाना दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भीर पदीं का, जो सक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिकारिक्त हैं, वही भ्रयं होगा जो उस भ्रष्टमाय में क्रिया गया है।

अनुसूची

कोठी मं० 9 रोड़ नं० 62, जिसका क्षेत्रफल 279.55 वर्ग गज पंजाबी बाग गांव मादीपूर में स्थित है।

> श्रीमती बलजीत भटियानी सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II एच ब्लाक विकास प्रवन, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक 24 दिसम्बर 1980 मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज ,II एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

निर्देश मं अप्राई० ए० सी०/एक्यू०- /एस० म्रार०- /4-80/ 6458--- प्रतः मुझे बलजीत भटियानी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से 25,000/-बाजार मुल्य **र**पए भौर जिस की सं० 4918 श्रौर 4922 हैं तथा जो कुचा उसताद दाग बाजार चांदनी चौक दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरित (धन्तरितों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अभ्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) अधीन निम्निखिख व्यक्तियों अधीन:---

- (1) श्री सोमनाथ बंटा गिरधारी लाल एस-69, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-II, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) वेद प्रकाम बेटा पुरणोतम दास ए-6, ग्रणोक नगर फेज-I, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भ्राजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रंघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

बनु सूची

पहली मंजिल प्रापर्टी नं० 4918 भौर 4922 जिसका क्षेत्रफल 203. 55 वर्ग गज, जो कि कूचा उसताद, दाग बाजार चांदनी चौक दिल्ली में स्थित है जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुमा हैं:—

पूर्व : प्रापर्टी नं० 4,923 व गली

पश्चिम : गली उत्तरः गली दक्षिण : गली ।

> श्रीमती बलजीत भटियानी सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक 22 दिसम्बर 1980 मोहरः

प्रकप भाई • टी ० एत • एस • -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज II एच ब्लाक, विकास भवग श्राई० पी० :टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०-11/एस० प्रार०-1/4-80/6386—प्रतः मुझे बलजीत भिटयानी प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ठ० से अधिक है

ग्रौर जिस की सं० 1351-52 है तथा जो 13 फेज गंज बहादुर गढ़ रोड़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रुपेल 1980

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरित (प्रन्तरितों) कोर प्रन्तरितों (प्रन्तरितों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) म्रन्तरण से दुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिमितयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रसं, उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयात !--- (1) श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री धर्म चन्द्रा गोयल 1351, फेज गंज, बहादुर गढ़ रोढ़, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती तारा देवी पत्नी ल० गोपीचन्द 1438, फेज गंज, बहादुर गढ़ रोइ, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन ने भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य क्यनित द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भव्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं भयें होगा, जो उस सक्ष्याय में दिया गया है।

श्रनुसूचो

 $1\frac{1}{2}$ मंजिल प्रोपर्टी जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है जिसका सं० मु० क० नं० 1351-52/13 फेज गंज, बहादुर गढ़ रोड़ दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती बलजीत भटियानी मक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II एच ब्लाक विकास भवन, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक 24 दिसम्बर 1980 मोहर : परूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस ग्रार-I/4-80/6407—मत: मुझे बलजीत भटियानी आयकर मिलिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2417 है तथा जो खिरकी फराश खाना पीछे जी० बी० रोड़ वार्ड नं०-7 विल्लो-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक स्प्रैल-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक का निम्नितियों अने बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक का निम्नितियों ने से बास्तविक का में कायत नहीं किया गया है: --

- (क) यन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबन उक्त ग्रक्षि-नियम के प्रश्नीन कर देने के श्रन्तरक के दामिस्य में कमी करने या सससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः, ग्रब, उक्त ग्रिविनयम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, ज़क्त ग्रीविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) श्रो शाम लाल बेटा श्री नथु राम
 2417, खिरको फराशखाना पीछे जी० बी० रोड़
 वार्ड नं० 7, दिल्ली-110006।
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री फूलचन्द बन्सल बेटा सूरज भान बन्सल डो-142, विवेक बिहार, दिल्ली-110032 । (अन्तरिती)
- (3) मैंर्सस बन्सल ट्रेडर्स कारपोरेशन (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जनः** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकासन की तारी का से 45 विन की अविक्ष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि स्वच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अ्यक्तिया में से किसी अ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त अन्दों भीर पढ़ों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भेडयाय 20--क में परिभाषित है, बड़ी पर्य होगा जी उस अध्याय में दिया

प्रनुसूची

दो मंजिला मकान न० 2417 जो कि खिरकी फराणखाना पीछे जो० बी० रोड़, वार्ड नं० 7 दिल्ली-11006 में स्थित है।

> बलजीत भटियानो सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II नई दिल्ली

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980

प्ररूप भाई० टी० एन● एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-]] दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एवयु०-II/एस० म्रार-ा/4-80/ 6492----मृत मुझे बलजीत भटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपिता जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3616 ग्रौर 18 है तथा जो वार्ड नं० 12 गली मिल बिनौला सब्जी मण्डी में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनक ग्रप्रैल 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकृति के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——
6—426G1/80

(1) श्री खूब धन्द बेटा श्री उत्तम चन्द गी-24, न्यू मक्जी मण्डी, श्राजादपुर दिस्ती ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जयदेवी पत्नी श्री राम चन्द 10086, गली खलील वाली नवाब गंज, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

(3) नरेन्द्र कुमार (वह न्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परिस के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त नः तित के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप:---**

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं भ

धन्सूची

दो मंजिला मकान 8 नं० 3617-18, वार्ड नं० 12 जिसका क्षेत्रफल 86 वर्ग गज है गली बनौला मब्जी मण्डी में स्थित है ।

> वलजीत भटियानी सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रश्नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980

मोहर.

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर् 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यु०-II/एस० ग्रार०-I/4-80/ 6413--श्रतः मुझे बलजीत भटियानी,

प्रायक प्रधितिरम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न प्रधितिरम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/- करने से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० 2231 (पार्ट) वाई नं० VIII शंकर गली (कटरा हाजी निजामुद्दीन काली मसजिद सीता राम बाजार है तथा जो दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नन्सूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के लार्जालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 5-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरिन को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिनी (प्रन्तरियों) के बीच देने अन्तरण के लिए हा सार गर हिन्छन, निम्नलिखित उद्देश्य ने उकत ग्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन हर देने के अन्तर न के दायित्व में कमी करने या उपने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया नाता कानिए पा जिनाने में सुविधा के नि

अत., यव, उनत श्रधिनियम को धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, यें, उन्त प्रतिवियम को गारा 269-व की उपधारा भे के अधीन, विकालिकिन भाक्तियों, प्रवृति:--- (1) श्रोमतो सुशोला देवी पत्नी श्री सत्य प्रकाश शर्मा निवासी 2231 शंकर गली काली मसजिद वाजार शीना राम दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निशी प्रभा पत्नी श्री ग्रशोक कुमार ग्रीर श्रीमती राज दुलारी पत्नी श्री सनीश कुमार निवासी 2231 शंकर गली काली मसजिद बाजार सीता राम दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनके लिए कार्यवाहिया करता हं:---

उका सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समापन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्त व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्दीकरमः च-इसम प्रयुक्त गड्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि नियम के श्रद्भाय 20-द में परिभाषितहैं, वहीं शर्य होगा, जो उर प्रदर्शार में दिक गुणा है।

ग्रनुसूची

दो नं जिला मकान नं ० 2231 वार्ड न ० 8 शंकर गली कटर हाजी निजामुद्दीन काली मसजिद बाजार सीता राम दिल्ली क्षेत्रफल 120 वर्ग गज—

पूर्व: मकान नं० 2230

पश्चिम: मकान नं० 2231 (पार्ट) उक्तर: मकान नं० 1216 निवासी गंगाराम दक्षिण: मकान का दरवाजा और गली।

> वलजीत भटियानी सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 22 : दिसम्बर 1980

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज दिल्ली नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस आर-1/4-80/6392—अतः मुझे बलजीत भटियानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उस्त प्रविनियम' कड़ा गया है), को बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मुख्य 25,000/-

षपए से अधिक हैं
और जिस की सं । III/3902 है तथा जो मोरी गेट दिल्ली में स्थित
हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यानय, दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनंक अप्रैल 80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि प्रयाप्वोंक्त नम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिक्तन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्तन का पन्द्रह प्रतिशत
प्रधिक है और अन्तर्क (अन्तरिकों) भीर प्रस्तरितो (अन्तरित्यों)
के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिये तय पाया गना प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त पन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तर्य न हुई किसी आप की बातन खकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपने बचने में सुविधा के निए; और/ण
- (ख) ऐसी निपा अपन या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अवः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री हैमदा प्रभाद मुकर्जी पूत्र ल० राय बहादुर परमदा मुखर्जी 29 सी टाउन भेड रोड पोलिस स्टेशन, भवानीपुर, कलकत्ता।

(अन्त रक्)

(2) मैसर्म प्रार० एस० ग्रजीत सिंह एण्ड कम्पनी निमिटेड, द्वारा सं० भूपिन्द्र सिंह बेटा स० राम सिंह, खुराना मैनेजिंग डायरेक्टर 3/3902, मोगी गेट. दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अत्रिध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुभूची

पूर्व का ग्राधा हिस्सा जो कि डब्बल स्टोरी जिसका नं० 3/3902 है जो कि मोरीगेट दिल्ली-6 में स्थित है।

> बलजीत भटियानी सक्षम ऋधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, दिल्ली नर्षु दिल्ली

दिनांक: 22 दिसम्बर 1980

मोहर '

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269क्ष (1) के समीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- I_I , एच ब्लांक, विकास भवन, (ग्रर्इ० पी० स्टेंट) नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-11/एस० आर०-1/4-80/ 6449-- अतः मुझे, बलजीत भटियानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'खक्त प्रधिनियम' कक्षा गया है), की धारा 269-ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुख्य 25,000/-रुपये से मिश्रक है बाजार और जिसकी सं० 3117, 3118 और 3120 है तथा जो सर सईद रोड दरियागंज देहली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ताग्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रप्नेल 1980

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के छिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धनया अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभौजनार्थ अन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मत:, प्रव, उक्त म्रिवितयम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त मिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयान :--- (1) कुमारी श्रमतुल जसमील वेगम अलीश्रास जमीला खवाना सुपुत्री खवाजा श्रहमदुल्ला साहिश निवासी 3118 सर सईगद श्रहमद रोड़ दरियानंज देहली।

(म्रन्सरक)

(2) श्री शेख मोहमद प्रसलम मोहमद श्रकराम मोहमद श्राजम श्रीर मोहमद साहीद सुपन्न श्री शेख जहुरुद्दीन साहीव निवासी मकान न० 1613 गली सकोन वाली मोहल्ला सुई वालान जामा मसजिद देहली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इप पूवना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सबिध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण:---इसर्पे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवत अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 मकान नं० 3117, 3118 श्रौर 3120 क्षेत्रफल 409.47 वर्ग मीटर वार्ड नं० XI सर सईयद रोड व दरिया गंज देहली ।

> बलजीत भटियानी सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

विनांक 24 विसम्बर 1980 मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, (ग्राई० पी० स्टेट), नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू \circ II/एस० श्रार \circ -1/4-80 6445—श्रत. मुझे, बलजीत मटियानी,

ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

ग्रौर जिस की सं० 8 खसरा नं० 690/543/212 है तथा जो चौकड़ी मृबारकवाद जोर बाग देहली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुस्ची में पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री राम स्वरूप श्रानन्द सुन्न श्री भगत राम निवासी मकान नं० 396 गली नं० 31 विनगर श्रोंकार नगर बैंक, खन्ना वाली गली, देहली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री धर्म चन्द गोयल निवासी डी-12/168 (डीएम) देव नगर करोल बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **पर्ज**न के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

डक्त सम्पति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: - - इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो खक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकाननं ० 8 खसरानं ० 690/543/212 चोकड़ी मुबारकबाद जोर बाग, देहली ।

> बलजीत मटियानी सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक 24 दिसम्बर 1980 मोहर: प्रकप धाई • ही • एन • एस • ---

मायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देण सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-II एस० श्रार-I/4-80 6409—अनः भुझे, बलजीन महियानी,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पष्टवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका धिंवत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है और श्रीर जिस की सं० 5691 और 11371 वार्ड XV है तथा जो चौक मोहल्ला नवीकरीम फैक्टरी रोड़ पहाड़ गंज देहली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व इप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3-4-1980

को पूर्विक्त सम्पत्ति के जित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान वितिक्रल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का करिण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भग्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वाक्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के घन्नीन कर देने के घन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षणार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अन, जनत श्रीवित्यम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, जनत श्रीवित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अमेत्र निकालिजित कार्तितयों, अर्थात :---

- (1) श्री राम लाल श्रीर शादी लाल सुपृत्न श्री सुन्दर दास निवासी ए/112 विशाल एनकलेव, नई विल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री करोड़ी मल सुप्रत श्री कालूराम निवासी 3474 गली लालु मीसर पहाड़ गंज, नई देहली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि. जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उनत ग्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयी होगा जो उस घडनाय में दिया गया है।

अनुपूची

प्रापर्टी नं० 5691 थौर 11371 वार्ड नं० XV चोक मोहल्ला नवी करीम फैक्टरी रोड पहाड़ गंज नई दिल्ली

उक्तर: गुलजारी लाल फतेहचंद का मकान

दक्षिण : गली

पूर्व: मकान नं० 5690

पश्चिम : रास्ता

बलजीत मिटियानी सक्षम भ्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^I, एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980

प्रकाद आ**इं. टी. एन. एस**. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन
(श्राई० पी० स्टेट), नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम श्रार-J/4980 6471---श्रत: मुझे, बलजीत मंदियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा में अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० 1/13 है तथा जो पंजाबी बाग वसई दारापुर देहली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के पार्यालय देहली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1980

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हर्ष् किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निंशियत व्यक्तियों अर्थातः -

- (1) श्री चन्द्र भान गर्ग सुपुत्र श्री मनी राम गर्ग निवासी 15/26 पंजाशी थाग, नई विनर्साः। (प्रसारक)
- (2) श्री मनोहर जात सुपृत्न श्री गनपत राय निवासी 1/1/12, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पृषोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्षतमची

्लाट नं ० ।1/13 पंजाबी बाग वसई दारापुर नई दिल्ली क्षेत्रफल 400 वर्गगज

> बलजीत मटियानी सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजन रोज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 24 दिसम्बर, 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम० 🕳

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्णन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, (श्राई० पी० स्टेट), नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 24 विसम्बर 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० श्रार०-I/4-80/3315—श्रतः मुझे, बलजीत मटियानी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिस की सं० 4 बीघा 5 विसवा है तथा जो गांव हैवेथिना देहली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रधिकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्राप्रैल 1980

कां पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान शितकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिय है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आब की आबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अत्रं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री नरदेव सुपुत्र श्री फकीर चन्द 1205, नजफ गक्, देहली

(ग्रन्नरक)

(2) श्रीमती एल० जैन पत्नी श्री एस० मी० जैन निवासी 202, गोल्फ लिन्क, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निष्तित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जनसची

4 बीघा 5 विसवा जमीन गांव हैवेथिना, देहली ।

बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980

परूप भाई∙ टी० एन० एस०----

पापकर पश्चितियम, 1961 (1931 का 43) की गारा 269-घ (1) के मधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू-II/एस० भ्रार-I/4-80/ 3356—-श्रतः मुझे, बलजीत मटियानी भागकः अभिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वान् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के ग्रिप्तीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिप्तिक है और जस की संव 22 बीधा 11 विसवा है तथा जो गांव होल्मवी कलां देहली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिप्तीन दिनाक 26-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रनेह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ना पान गया प्रतिफल, निम्तिवित्त उद्देश्य मे उका प्रत्नरण निर्वे ना विद्या में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उना बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागतर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या त्या जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उत्रतः श्रिक्षिनाम की धारा 269 म के भनु सरण में, मैं, उक्षत श्रिक्षिताम की तारा 269 में की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन, निम्तलिखित व्यक्तियों,अर्थितः— 7—426GI/80 (1) श्री दानी राम मुपुत्न श्री श्रीराम निवासी साहीपुर, देहली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रोम प्रकाश भसीन मुपुत्र श्री राम दास भसीन तिलक राज भसीन श्रौर जगदीश लाल भसीन सुपुत्र श्री राम दास भसीन निवासी सी-1/30—Ⅲ माडल टाउन, देहली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

एकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स० 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा तर्कोंगे।

स्पध्यीकरण: --इसमें प्रयुक्त गड्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

22 बीघा 11 विसवा जमीन टक्ट नं० 56 किला नं० 1, 2, 9 और 10 टक्ट नं० 57 किला नं० 4/1, 5 श्रौर 6/2 गांव होल्मवी कर्लां, देहली ।

बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 11 दिसम्बर 1980

प्रारूप भाई। टी स्न एस ---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के ग्रधीन मुचना मारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/एस० भ्रार०-1/4-80/ 3357—श्रतः मुझे, बसजीत मटियानी,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन मजम प्रधिकारी को यह विष्णान करने का कारण है कि स्थावर सम्मित जिसका छविन बाजार मूल्य 25,000/- बप्ता से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० 11 बीघा 16 विसवा है तथा जो गांव होल्मवी कला देहली में स्थित है (श्रीर इससे उपायक्क श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित को गई है मौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रतिफत है और प्रस्तरक (प्रम्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया मित्र कि जिलाबित स्ट्रेंग्य में उस्त अन्तरक लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भिक्तियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी नश्ने या उससे बचने में मुविष्ठा के सिए: पीन/मा
- (छ) ऐसी किसी आव या किमी धन या अस्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रसट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त पश्चित्यम को पारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम को प्रारा 269-व की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नानिकत स्थानिकाः अर्थातः :--- (1) श्री मीटन सुपुत्र श्री डोंगर निवासी होल्मबी कलां, देहली

(ग्रन्सरक)

(2) श्री म्रोम प्रकाश भसीन, तिलक राज भसीन, जगवीश त्रांत गतोत सुपुत श्री राम दास भसीन निवासी सी-1/3डी-III माडल टाउन देहली (म्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी कर के पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्वत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ख से 45 दिन की धर्वाव या तरसम्बन्धी अपनितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी धर्वाध बाद में समाप्त होती हो के गीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रशासन की तारीख से 43 दिन के मीतर उपत स्थायर सम्मति में हिसकड़ फिसी घन्य अमन्ति द्वारा, मजोहस्ताकशी के पास विचित में किए जा सर्वेषे।

स्पद्धीकरण: -- सर्मे प्रमुक्त शक्दों और पदौँ का, जी सर्वत आधिनियम के अध्याय 20-क में परिचानित है, क्षी वर्ष हीगा, जी सस अध्याय में वियागया है।

अनुसुखो

11 बीघा 16 बिसवा जमीन टकट नं० 56 किला नं० 11 टक्ट नं० 57 किला नं० 6/1, 15 गांच होल्मवी कला, देहली ।

> बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, एव० ब्लाक, विकास भवन, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई बिल्ली

विनोक: 11 विसम्बर 1980

प्रसप समई० टी० एन० एन०--

ग्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ण (1) के ग्राधीन मूचना

भारत सरकार

ार्थाता, तहातक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
धर्णन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

निर्देश सं माई ० ए० सी ०/एक्यू ०-II/एस० मार ०-I/4-80/ 6505-- प्रतः मुझे, बलजीत मटियानी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारः 269-ख के ब्राघीन सक्तम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, विसका उदित बाजार मस्य 25,000/- इपये से अधिक है ग्रीर जिस की सं० 1280-81 है तथा जो वैध वाडा देहली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्त्तो प्रश्चिकारी के कार्यालव देहली में भगरतीय रजिस्ट्रीकरण ब्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन विनांक 29-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कमक दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घीर मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूरव, उसके दुश्यमान प्रसिष्ठल स, ऐस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐस प्रनारण क निष्कृतय पाया गया प्रतिकत, निस्नलिखित छदेशा अ उक्त अन्तरम लिखा ने अस्तिवित क्य ने क्यित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण स हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-त्रियम क ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक क दासिस्व में कभी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (आ) एसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूजिका के लिए;

अतः अवः अवः अविनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, खक्त प्रविनियम की धारा 269-म की अपमारा (4) के अधीन, निम्नलिखित अवितयों, अर्थात :-- (1) भीमली क्रोपरी देवी सुपुती श्री वीशन लाल ग्रौर पत्नी श्री हरी प्रकाश निवासी 364 ए, जवाहर नगर, दिस्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री ग्रोम प्रकाश निवासी 1280, **वैद्य वाडा**, देहली (ग्रन्तरिती)

को यह **सूचना** जारी करके पूजीकत सम्मति के ग्रजन के अक्तिए कार्यकाहियां कर्दा है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस पूजा के राजपल में प्रकाशन की उत्तरीख से 45 दिन की सबिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद भे तमाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रशासन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तमालि में हितबज ियो मन्त के कि द्वारा, प्रधोहमाणारी के पास कि खिन में हिए जा सकेंगे।

स्वब्दी करण ----इनने प्रमुक्ता लब्दों कारणें हो हो। उन अधि-नियम के अध्याय १०-३ में परिभाषित है, वहीं अपूर्व होगा का का बहुन के दिया गया है।

मन्सूची

मकान नं० 1789 चीटा खाना नं० 1280 श्रीर 1281 वैद्य बाडा इलाका नं० 5, वेहली ।

पूर्वः गली

पिष्यम : दूसरा मकान उत्तर : जैन धर्मशाला दक्षण : विगम्बर जैन मन्दिर

> बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

विनाक: 22 विसम्बर 1980

प्ररूप आई०. टी० एन० एस०--

नायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-]] एच ब्लाक, विकास भवन (श्राई० पी० स्टेट), नई दिल्ली 110002

निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०-II एस० श्रार-I/4-80/ 6499—श्रत: मुझे बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिस की सं० 7050 हैं तथा जो गली टाकीवाली घास मंडी पहाड़ी धीरज दिल्लो में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारो के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रशैल 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बिश्व बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उन्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

भातः प्रव, उक्त प्रिप्तिनयम की धारा 269-ध के अनुसरण में, में, उक्त प्रिप्तिनयम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) 1. श्री हेम चंद जैन सुपूत श्री जगमंदर जैन निवासी बी-2/156 पश्चिम बिहार, नई दिल्ली 2. श्रशोक कुमार जैन सुपुत्र सागर चंद जैन निवासी 655-सी लक्ष्मी बाई, नगर देहली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष कुमारी पत्नी श्री स्रोम प्रकाश निवासी 7047 गली टाकी वाली,घास मंडी, पहाड़ी धीरज देहली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्पर्नें।

स्वष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला पक्का मकान नं० 7050 गली टाकी वाली घास मन्दी, पहाड़ी धीरज, देहली, क्षेत्रफल 135 वर्ग गज,

> बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

विनांकः 24 विसम्बर 1980

क्रक्प भाई • टीं • एन • एस •----भागकर ग्रीविवियम, 1961 (1961 का 43) की छारा

भागकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन
श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० श्राई० ए० सो०/एक्यु०-II/4-80/एस० श्रार०-1 6452---श्रतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत भिष्ठितयम' कहा गया है), की भारा 269-आ के भीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 25/50 है तथा जो शक्ती नगर देहली में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रोकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक स्रभैन 1980

को पूर्वोंक्त संपित्त के उष्मित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उष्मित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने जें सविधा के लिए;

ग्रतः धव, उक्त प्रक्षिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रक्षिनियम की घारा 269-व की सपबारा (1) के अक्षीन निक्कांत्रिक व्यक्तियों, अवातः-- (1) श्री चेतराम मुपुत श्री हरववारी लाल निवासी 25/50, शक्ती नगर, वेहली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीम प्रमाद गुप्ता मुपुत श्री किमन लाल निवासी 45/6-बी, माल रोड, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

इन्स सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की ध्रवित या तत्सम्बन्धी ध्यक्तिमों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, भो भी ध्यवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी श्रम्थ व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्वर्धाकरण:---इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-निथम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूच।

मकान नं० 25/50 दो कमरे, रसोई, ग्राउन्ड फ्लोर पर शक्ती नगर में।

> बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन बन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

विनांक: 23 दिसम्बर 1980

प्रस्प काई० ही० एस० एस०--

आयकर प्रक्रिमियम, 1981 (1:562 का बाउ) की छारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-II एव ब्लाक, विकास भवन (श्राई० पी० स्टेट) नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, क्षिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० धाई० ए० मो०/एनयु०-11/एस० आर०-1/4-80/6470---अतः मुझे, बलजीत मटियानी आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमत् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारम है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25.000/- ४० से प्रधिक है

25,000/- ६० से मिक है

श्रीर जिस की सं XII/3203 है तथा जो कटरा शिवाजी सब्जी मंद्रो बस्तो पंजाबियाँ दिल्लो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1980

की पूर्यांकन सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यम न प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्वाय करने का कारण है कि स्थापूर्वोंकत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से पित है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (पनिर्तिगां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पत्था प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य न उक्त पत्नरण लिखित में बास्तिक का से कियान नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीश्वनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी हिला प्राप्त पाहिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रेम या या किया जाना चाहिए था किमाने में स्थिधा के निलए;

अतः। श्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की कारा -269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिवत व्यक्तियों, अवीत --- (1) भी नात्तक चंद्र सुमुज्ज भी द्याना राम निकासी 3203, कटरा मिनाजी, जस्सी पंजाक्रियां सङ्जी संबी, विल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री राम स्वरूप मुपुत्र श्री भगतराम कियासी 3458, गली वरतार सिंह, श्रायपुरा, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के भिष्ठुःकार्यकाश्चिमं करताः हुं।

क्ष्मत सम्बक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ये उपित की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किया वर्षन हारा;
- (ख) इस सूचना क राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के फीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबदा किसी अन्य काचित द्वारा, अचोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरमः—-इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त बाध-'कैनपम', के अख्याय 2:20-क में स्परिस्थाविक हैं; वही अर्वे होता, जो उस अख्याय में दिया गया है ।

अनुसूखी

ं मकान मं ० ${
m XH}/3203$ कटरा शिकाजी, सब्जी मंडी, बस्ती ${
m a}$ जांबियां, ं दिल्ली ${
m a}$

बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II एच ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

द्धिनांक 24 दिसम्बर 1980 मोहर:

प्रक्रम बाहाँ, टी. एक. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन-रेज-II, एव० ब्लाक, विकास भवन
श्राई० पो० स्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस ग्रार-I/4-80/6401--ग्रतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख की कधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपरित जिनाका उन्तित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिस की सं० 8454-8455 है तथा जो रोमनारा रोड़ जैन बिहिंडम देहलों में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावक मनुसूची में और पूर्ण रूप से कॉणल हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिडिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक ग्राप्तैल 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रिटक्स के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए:
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या क्रम्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन, कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के अनुभारण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (†)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री बीर कुमार जैंग सुकुत स्कर्णीय श्री चम्पत राय जैंन निवासी 1934, चास्त्रमी चीर, देहर्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगमोहन सिंह ग्रात्म जीत सिंह शीर जसवीर सिंह सृद्ध श्री ग्रमीर सिंह निवासी 6455 रोणनारा रोड़, जैन विस्किय, देहनी

(भ्रन्तरिती)

को मह सुक्ताः जरुकी करुके पृवर्गकत सम्मरितः को अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस तुष्मा के राज्यका में प्रकाचन की सारीक से 45 विन की अविधा या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाः की तामील से 30 विन की अविधा , जो भी अविधा बाद में समाप्त होती हो, के भीता प्राधिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षाता;
- (क) इस ब्रुचना के राज्यप्य में प्रकाशन को तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- ब्रुच किसी अन्य व्यक्ति व्वारा मधाहिस्तानरी कें वास लिखिल में किए जा सकरी।

वनसर्वो

मकान नं० 8454-8455 रोणनारा रोड़, जैन बिहिंडग देहली ।

> बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई किल्ली

विनांक: 24 दिसम्बर 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, एव० ब्लाक, विकास भवन, दिल्ली 4/14 क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/II/एस० श्रार०-I/ 4-80/6486---श्रतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 10251 वार्ड नं XIV है तथा जो पुराना 12349 मानक पुरा माडल बस्ती करोल बाग देहली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ममीन दिनांक श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं. उक्तः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जगदीण चन्द्र शर्मा सुपुत्र श्री प्रह्लाद मल शर्मा निवासी 10251 मानक पुरा गली श्रम्भाला वाली करोल बाग नई दिल्ली और श्री दवीन्द्र कुमार, जोजिन्द्र कुमार, राजीन्दर कुमार, कुमारी हरस प्रभा सुपुत्र या सुपुत्री श्री जगदीण शर्मा निवासी 10251 करोल बाग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री जगदीश कुमार निवासी 6682 वाडा हिन्दू राम्रो देहली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि: जा सकेंगे।

स्वष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

ढाई मंजीला मकान मानक पुरा करोल बाग नई दिल्ली क्षेत्रफल 47 वर्ग गज।

> बसजीत मटियानी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 24 दिसम्बर 1980

प्रकप भाई । टी । एत । एस • • • •

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन
ग्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस०मार०-II/4-80/ 3334--- प्रतः मुझे, बजजीत मटियानी, बायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-**ए० से प्रधिक** है श्रौर जिसकी सं० 27 बीघा 4 विश्वाहै तथा जो गांव मसुंदाबाद देहली में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्व ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक धप्रैल 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकार से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकान का पन्द्रहप्रतिशासे ग्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) मौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर प्रम्तरण लिखित

(क) अग्लरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे प्रवने में सुविधा के लिए, और/या

में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

(क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तिथों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या अन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रमुसरण भें, में, एक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—— 426GI/80 (1) श्री हरिश सुपुत्र श्री हर भगत हरि किशन सुपुत्र श्री सुलतान सिंह, रघवीर सुपुत्र श्री विशन सिंह महेश चंद सुपुत्र सुलतान सिंह निवासी नजफगढ़ देहली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज प्रसाद पत्नी रघवीर सिंह। (ग्रन्तरिती)

की यह युवना जारो करके पूत्रोंका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति डारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अझ्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

27 बीमा 4 बिश्वा जमीन गांव मसुदाबाद देहली । बलजीत मटियानी संक्षम श्रिश्वकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-II एच० ब्लाक विकास भवन, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली ।

दिनांक: 22 दिसम्बर 1980

मोह्रर:

प्ररूप आर्द्द.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन ग्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24ृ दिसम्बर 1980 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस श्रार-I/4-80/

6473—श्रतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 8874 (न्यु) है तथा जो वार्ड नं० XII नया मोहल्ला पुलबंगस नियर श्राजाद मार्किट देहली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक श्रीत 1980

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृत्रिधा के लिए;

- (1) श्री रमन दास सुपुत्र श्री सीतल दास निवासी 8874 नया मोहल्ला पुल वंगश देहली (अन्तरक)
- (2) श्री भगवान दास सुपुत श्री जोती मल धौर श्रीमती छोटी बाई पत्नी श्री जोटु मल निवासी 543 ग्रब्युल करीम तेली बाडा देहली नया 8874 नया मोहल्ला पुल बंगश देहली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 8874 (नया) वार्ड नं० नया मोहरूला पुल बंगम श्राजाव मार्केट के पास देहली ।

> बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, बिकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-11002

अतः अब, उनस अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सुधितः--

विनांक 24 विसम्बर 1980 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन
ग्राई०पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस श्रार-I/4-80/ 6466--अत: मुझे, बलजीत मटियानी,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 4568 वार्ड नं० III है तथा जो महाबीर बाजार देहली में स्थित हैं (ग्नौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दनांक 16-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई े किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:--

- (1) 1. श्री राज किशन गुप्ता सुपुत्र श्री सीताराम
 - 2. शकुन्तला देवी पत्नी श्री राज किणन गुप्ता
 - 3. राकेश कुमार भौर भ्रनिल कुमार सुपुत्र श्री राज किशन गुण्ता

निवासी कटरा लच्छु सिंहु फथारे के पास देहली । (ग्रन्तरक)

(2) चरत एन्टरप्राईजेज नं० 4572 महावीर बाजार पार्टनर चरत रान सुपुत्र श्री मदन लाल नं० 4572 महावीर बाजार कपड़ा मार्केट देहली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाधित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4568 बार्ड नं० III महावीर बाजार क्लोथ मार्कीट देहली ।

पूर्व: महावीर बाजार

पश्चिम : सङ्क

उत्तर: साक्षी दीवार परमेश्वरी दास के मकान की दक्षिण: सूरज मल के मकान की साक्षी दिवार।

> बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्य स्टेट, नई दिल्ली-110002

विनोंक: 24 दिसम्बर 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन
श्रार्ह० पी० स्टेट नई दिल्ली-110002

नई विल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश मं ० आई० ए० सी०/एक्यु ०11 --/एस प्रार-11/4-80/ 3360--श्रतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 7 बीघा 7 विश्वा है तथा जो गांव मसुदावाद (नजफगढ़) नई देहली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रप्रैल 1980

को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्षित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने कें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तिकों अर्थात्:-- (1) श्री भोलु सुपुत्र श्री पाभन निवासी गांव गदईपुर नई विल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केप्टन राजीव वहल मुपुत श्री इन्द्र पाल मल निवासी 9ए श्री राम रोड, वेहली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्चीं

7 बीघा 7 बिस्ला जमीन गांव मसुदाबाद (नजफगढ़) में खमरा नं० 5(2-17), 6 मीन (1-13), 7 मीन (1-17) और 1/2 (1-0) ।

बलजीत मटियानी सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, II एच० ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई विल्ली-110002

विनांक: 24 विसम्बर 1980

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०----

म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहाय ह आयकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II एच क्लाक, विकास भवन (भाई०पी० स्टेट) नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश मं० ग्राई० ए० सी०/एकयु०-II/एम ग्रार-II/4-80/3332—ग्रतः मुझे, बलजीत भटियानी ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रीर ज्यासे ज्यास ग्रहान भन्मजी में प्रांध है से विश्वाद देहनी में स्थाव है (ग्रीर ज्यासे ज्यास भन्मजी में प्रांध है से विश्वाद देहनी में स्थाव है (ग्रीर ज्यासे ज्यास भन्मजी में प्रांध है से विश्वाद है)

भें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय देहली में रिजस्क्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीस दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि नियम, के मधीन कर वेने के श्रम्तरक के दायिस्व मैं कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भाग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रश्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रश्निनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः; धव, उपत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उपत ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के धिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीतः (1) हरीण सुपुत्र श्री हर भगत हरी किशन सुपुत्र श्री सुलतान सिह रघबीर सिंह सुपुत्र श्री विणन सिंह महेश चन्द सुपुत्र श्री सुलतान सिंह निवासी नजफगढ़ देहली। (श्रन्तरक)

(2) श्री मीरी प्रकाश मुपुत्त श्री बाबु लाल निवासी गांव हमीरपुर (उ० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भ 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि नियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथे होगा, जो उस ग्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

26 बीचा जमीन गांव मसुदाबाद देहली ।

बलजीत भटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज एच ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

विनांक: 24 विसम्बर 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रिघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज II, एच ब्लाक, विकास भवन
(श्राई०पी० स्टेट) नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

तिदेग मं० प्राई० ए० मी०/एकपु०-II/एस ग्रार-II/4-80-6502--प्रतः मुझे, बलजीत भटियानी धायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से घषिक है

श्रीर जिसकी मं राष्ट्र 111/3955-56 है तथा जो नया बाजार देहली में स्थित है (श्रीर इसमे उनाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) - रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय देहली में रिजस्ट्रीकरण श्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रेल 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र श्रप्तित से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उन्त प्रधि नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ग्रम्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त मधिनियम, की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नमिधित व्यक्तियों, धर्यातः---

- (1) श्री उदय चन्द सुपुत्र श्री जगननाथ, म/स वनवीधर सीताराम फरुख नगर गुडगांवा (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री राज कुमार गोगीया सुपुत्र श्री नीहाल चन्द गोगीया निवासी 81 नीवजीवन विहार नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)
- (3) नीहाल चन्द और कम्पनी (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपन्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं III/3955-56 नया बाजार देहली प्लाट नं 62 वेन वोस्टन रोड देहली क्षेत्रफल 96 वर्ग गज ।

> बलजीत भटियानी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज ! एच ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई विल्ली-110002

विनांक: 24 विसम्बर 1980

प्रकप आई० टी० एत० एस०---

भायकर श्रिवितयम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रिचीत सूचना

मारत सरकार

कार्मालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि रीक्षण) अर्जन रेंज II एच ब्लाक, विकास भवन (ग्राई० पी० स्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, 24 विसम्बर 1980

निदेश स° श्राई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस झार-II/4ब80 6488—अतः मुझे, बलजीत भटियानी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं और जिसकी सं० के-40 हैं तथा जो वैस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय देहकी में राजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 22-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रदृष्य के छक्त प्रस्तरण निवित में वास्त्रयिक रूप से कथित नष्टीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, वा धनकर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अयः, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निक्निलिखित क्यक्तियों, ग्रर्थातः--- (1) श्री राममूर्ती सुपत श्री तारा भन्द चड्ढा के-40 वैस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

(भ्रम्तरक)

- (2) म्रार० सी० भारक्षाज सुपुत्र श्री णन्ती नरायण भारद्वाज निवासी के-40वैंस्ट पटेल नगर नई दिल्ली। (म्रन्सरिती)
- (3) श्रार० सी० भारद्वाज (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भी गर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्ठीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के प्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रष्टयाय में विया गया है।

ग्रन्**स्प**ी

क्याटर नं० के-40 वैस्ट पटेल नगर नई दिल्ली क्षेत्रफल 254 वर्ग फीट 50:50 नीचे बाली मंजिल ग्रौर पहली मंजिल बलजीत भटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II एच ब्लाक, विकास भवन इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई विल्ली-110002

दिनाक: 24 दिसम्बर 1980

मोइर:

प्रकप माई• टी• एन० एस०-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज II एच ब्लाक, विकास भवन
(म्राई० पी० स्टेट) नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०-II/एसम्रार-II/4-80---3331----म्रतः मुझे, बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 26 बीघा हैं तथा जो गांव ममृदाबाद देहली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपा**बद्ध श्रनुसूर्य**) में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोक्त ग्रिधकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्री-

करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्पेल 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और√या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अभा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण को मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) हरीण मुपुत्न श्री हर भगत हरी थियान सुपुत्न श्री मुलतान रघवीर सिंह मुपु्त श्री विशान मिह श्रीर रोणन लाल मुपुत्न श्री विशान सिंह निवासी नजफगढ़ नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा गीरोण कुमार मुपुत्र श्री भगवती प्रणाद तिवासी गांव हमीरपुर (उ०प्र०।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के रज्ञपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनत्त्री

26 बीघा जमीन गांव मसुदाबाद वेहली ।

यनजीत भटियामी यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोंज I^I एच ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टेट नई विक्ली-110002

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980

प्रकष माई∗ टी• एत∗ एप•--------

आसकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IJ, नई दिल्ली-1

एच० ब्लाक आई० पी० स्टेट, विकास भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निद्वेंश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/IJ/एस०-I/4-80/6510—— श्रतः मुझे, श्रीमती बलजीत मटियानी,

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घ्रिधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अघीत मंझम राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मून्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 7135 है तथा जो गली तेलियान पहाडी धीरज दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिम्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पति के

उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पग्द्रह प्रतिश्वास से प्रधिक है और अन्तरक (पग्तरकों) और अन्तरिती (धग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम संहुई किसी श्राय की बाबत, उका अधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के टायिस्व भ कमी करने या उससे बचने में सुविचा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त मिसिन्यम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज ार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जाने में मृतिया के लिए;

अतः अत्र, तकत प्रविनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, भें, उक्त सिश्चनियम को धारा 269-व की रक्षारा (1) के प्रयोग निम्नलिबित व्यक्तियों, अवीत् :-- 9-426GI/80

(1) भी लाभ खन्द औन पुत्र भी क्धा मन जैन 40/ 16, शक्तिनगर, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) अमन हौजरी कैल्टरी 7029 गली टंकी वाली पहाड़ी धीरज दिल्ली ढारा (1) नन्दन प्रसाद (2) श्री ज्ञान चन्द पुत्रगण श्री केंदारमाथ निवासी 3282 ए०, ज्ञिनगर, दिल्ली-110035

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के मर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आसेप।---

- (क) इस सूचना के राजपंज मंप्रकामन की तारीख से 45 दिन का धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी घविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्जन्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाणन का तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा उन्ने

हपक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त पश्चित्यम के शब्दाय 20क में परिभावित है, बही पर्व होना जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान तीन मंजिला एक बरसाती **जो कि** 133 वर्ग गज तथा जो कि 7135 गली तेलियान पहाड़ी श्रीरज दिल्ली-110035।

> श्रीमती बलजीत मटियानी सक्षम श्रीधकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, एच 0 ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट नई **बिल्ली**

नारी**ख:** 15-12-80

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•---

क्षायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन, (श्राई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

निर्देण सं० ब्राई० ए० सो०/एक्यु०11/एम० ब्रार०-1-480/ 6497—-श्रतः मुझे, श्रीमती बलजीस भटियानी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है, और जिसकी सं० 11/2843 है तथा जो दिरयागंज, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बिल्ली में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (190 का 16) के श्रधीन, तारोख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित इद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत अवत श्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्रोमतो सरला सेहगल परिन एन० एल० सेहगल 1/30 रूप नगर, श्रीर श्रीमती श्राणा कपूर परिन यश पाल कपूर, 930, कुचाकाले श्रनर, चौदनी चौक, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती लरविन्दरकौर पत्नि जगवीण सिंह 4659 गली पशवाने, चर्खेवालान, विस्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके रूवोंकन मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के प्रजैत के प्रस्तरत में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५२ सूबना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी ल्लाधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

हपब्दीक्ररणः → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसृची

प्रापर्टी नं 11/2848 जिसका क्षेत्रफल 136 वर्ग गज गली बैगीयान , कूंचा बलान, दरियागंज, दिल्ली में स्थित है।

> श्रीम**ती ब**लजीत भटियानी सहायक श्रायकर **ग्रायुक्त** (निरोक्षण) श्रजंन रेंज, विकास भवन एच० ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ **इस्टेट, नई** दिल्ली

सारोख: 20-12-80

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजँन रेंज-।।, एच० लब्लानः विकास भवन, (श्राई० पो० इस्टेट), नई विल्ली-110002 नई विल्ली-110002, दिनांक 18 दिसम्बर 1980

निवेश सं० आई० ए० हो०/एक्यु०-II/एन० आर०-II/4-80 3292—प्रतः मुझे, बलजीत भटियानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अभीत नजन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अभीत नजन अधिनियम' कहा गया है। की धारा विकास करने का कारण है कि स्थावर मस्मित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/— रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/224/11 तथा जो 17, मदर बाजार, दिल्ली केन्ट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-4 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान के निर् प्रन्तिरत की गई है घीर मुझे यह निश्तात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है घीर अन्तरक (अन्तरकों) घीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्वित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा का लिए; शरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सृविधा के लिए;

(1) श्रो बुद्ध प्रकाश क्लाथ मधेंट गोपंनाथ बाजार, विस्लो केन्ट, दिस्लो।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री देविन्दर मोहन ग्रौर रिबन्दर मोहन द्वारा दादा शू कम्पनी, 4/54, गोपी नाथ बाजार दिल्ली केन्ट, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पत्स लिखित में किए जा सकींगे.

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 228.58 वग गण है जो कि सदर बाजार दिल्ली केन्ट में स्थित है।

> श्रीमती बलजीत भटियानी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, विकास भवन, एच० ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थातः--

ता**रीख**: 18-12-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० ही• एत• एस•---

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) को धारा 269-**ष (1) के ग्रधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन (भ्राई०पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002

दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं अाई० ए० ही०/एक्यु०II/प्रार० II/4-80/ 3340-- प्रतः मुझे, बलजीत महियानी भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त मित्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० में प्रधिक हैं। ग्रौर जिसकी सं० 46 वर्गगज है तथा जो ग्रार०-1 - विभवा गांव मसूदाबाद, दिल्ली स्टेट दिल्ली है (भ्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ,रजिस्ट्रीकर्सा श्रधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1980 को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्यत् प्रतिकत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निर्तर राया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उरत प्रम्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गय। है :---

- (क) धान्तरण स तुई सिसी पाय की बाबत, उक्त धाविनियम के धावीन कर देने के घान्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; धौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या ग्रस्य ग्रास्तिमी की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त श्रीधिनियम, या ग्रन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, किया ने में सुविधा के सिए;

ध्रतः सब, उक्त घ्रिवित्यमं की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में उक्त घ्रिवित्यमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के ध्रिधीन लिम्बलिबा व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री श्रोम प्रकाण बेटा रघुबीर सिंह नजफगढ़, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रो माधो प्रसाद पुत्र तुला राम नजफगढ़, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए आ मर्जेंगे।

स्वव्हीकरण: ---इसर्ने प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो जनत ग्रिक्षित्यम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं कही अर्थ होगा, जो उनग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 46 विगाज व 11 बिस्वा जो कि गांव मसूदाबाद में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

वारीख: 24-12-1980

र० से भ्रधिक है

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

> श्रजेन रेंज-II, एच० ब्लाक विकास भवन. (श्रार्द्ठ०पी० इस्टेट), नई दिरुली-110002 दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० श्राई० ए० सो./एसपू०/II/एम० श्रार०-I/480/6475—श्रतः मुझे, बलजीन मटियानी श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

श्रीर जिसकी सं० 284 है तथा जो गली पानी हारी, तेली-बारा दिल्ली-110006 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-मूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 18-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुन यह विष्वाम करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त समात्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत का पत्नह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (अस्तरकों) ग्रौर अस्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब प्राया गया प्रतिकत, तिम्ततिबित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निविद्यत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण सं हुई किसी आप की बाबत, छक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त्र मे कमी करने या उसमे बचने में मुविधा क लिए; श्रीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उका प्रधिनियन की धारा 269-ग के प्रनुसरण भें, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात :---

- (1) श्री गंगा प्रसाद बेटा ला॰ गोपी नाथ 284 गर्ली पानीहारी, (प्रकाण गली) तेली वारा, दिल्ली 110006 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती निणा देवी बेटी ग्रीम प्रकाण 284, गली पानीहारी (प्रकाण गली), तेलीवारा, दिल्ली 110006, (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो
 भी भ्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उन्त श्रिधिनियम', के श्रद्ध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 1/2 मंजिल मकान का 284 जो कि गलीपानिह्यरी (प्रकाश गली) तेलीबारा, बार्ड नं० 13 दिल्ली-110006 में स्थित हैं।

> श्रीमती बलजीत मटियानी सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, न**ई** दिल्ली।

गारीख: 20-12-1980

प्रकृप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2€9-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-II, एचि० ब्लाक विकास भवन,
(भाई० पी० स्टेट), नई दिल्ली-110002
दिल्ली 110002, दिमांक 18 दिसम्बर 1980

निवेश सं० भाई० ए० सी० /एक्यु०/II/एस० भार०-I---480-6435--- भतः मुझे, बलजीत भटियानी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गर्भात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अत्रीत संभाप प्रिक्ति की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिल्ला उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० में भिक्ति है

श्रौर जिसकी सं० बी०-24, है तथा जो सी० सी० कलोनी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रभैस, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफन के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह श्रितशत से निधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्निक्ति उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिश्व-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उना बनने में नुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे ितसी प्राय या सिसी धन या पन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणामे में सूबिधा के लिए;

प्रत: अब, अक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के भनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नणिकित व्यक्तियों, सर्वीत्:--- (1) श्री भूप सिंह गुप्ता, बेटा श्री लक्षमण दास 10/2, शान्ति नगर, दिल्ली

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती दर्णन देवी पत्नि श्री हरीराम बी०-24, सी० सी०-कालीनी, दिल्ली

(भ्रन्सरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ष्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए</mark> कार्येवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूत्रना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीना से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, ना उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुमुखी

प्रापर्टी न० बी०-24, जो कि सी० सी० कालोनी, में स्थित है।

> श्रीमती बलजीत भटियानी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच० ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, मई विल्ली

तारीख: 18-12-1980

प्ररूप आहाँ ही एस एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय । सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन, (ग्राई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002 दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० एक्यु/II/एस० मार०-II/4-80/ 3290--म्बतः मुझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 188 है, तथा जो कनैं छा पार्क, चांद नगर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-4-1980 को पूर्वों करा सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफल से, एसे इस्प्रमान प्रतिफल के पन्छ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त जिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातु:-- (1) सरवार श्रवण सिंह् बैटा स० गुरदीत सिंह डब्स्यू० जैड-6-ए० रिव नगर, पोस्ट झाफिस, तिलक नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री त्रिलोक कृष्ण बेटा श्री प्यारे लाल जी०-86, कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर कृतों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुसूची

भूमि जो कि प्लाट नं 188, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है जो कि न 52, विल नं 16, कन्हैया लाल पार्क में स्थित है।

> श्रीमती बलजीत मटियानी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 24-12-1980

पक्ष आर्ड हो एक छस्. =

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1], एभ० ब्लाक, विकास भवन, दिल्ली दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/एस० म्रार०-II-4-80/ 3314—श्रतः मुझे, बलजीत मटियानी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 र र. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 17 बीघा 7 बिस्वास है तथा जो गांव किरारी सुलेमान नगर, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल, 1980

को प्रशंकत सर्पात्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपरित का उचित बाजार भूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक का से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री प्यारे लाल बेटा श्री मोहन भाव किरारी गुने-मान नगर, दिव्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्राजीत ^१ सिंह बेटा श्री दीप चन्द, गांव पुठकला दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह मचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

त्राधा हिस्सा भूमि का जिसका दैक्षेत्रफल 17 बीघा व 7 बिस्वास है जो कि गांव किरारी मुलेमान नगर में स्थित है।

> ्शीमती बलजीत मटियानी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, विकास भवन एच० ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 24-12-1980

प्ररूप आइ'. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन (ग्राई० पी० इस्टेंट), नई दिल्ली-110002

दिल्ली, दिनांक 24-12-1980

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यु०/II/एस० ग्रार०-I 4-80/6465—श्रतः मझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 57 है तथा जो दिरया गंज, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास काने का कारण "े कि यथार मोकन मपिता का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिकात म अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) गामी किसी अग या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त आधानयम, की धारा 269-ग के अनसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अधीतः--10-426GI/80 (1) श्रीमती सेवती देवी विधवा लेट० श्री नानक **ण**न्द चानक्य पुरी, भरतपुर राजस्थान,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिरमा देवी पत्नि श्री सूरज भान गुप्ता, ए०-30, विवेक विहार, शाहदरा, दिल्ली। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकर्षे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मन्जिल प्रापर्टी नं० 57 ब्लाक -जे० खसरा नं० 148/54, दरिया गंज, नई दिल्ली ुं।

> श्रीमती बलजीत मटियानी संक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, 'दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 24-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-II, एच० अलाक, विकास भवन
(भ्राई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निवेश सं० म्नाई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस० म्नार०-I-4-80/ 6455----भ्रतः मझे, बलजीत मटियानी,

भावकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह चिरवास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एफ०-8-बी० है तथा जो विजय मगर, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रभैल, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाम या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उब्त अधिनियम, की धारा 269-व के अबूत्र्यक्ष मों, मी, उब्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसितित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री हंस राज बेटा श्री लाल चन्द, मकान नं० एफ 8/बी०, विजय नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीला मेहता विधवा लेट श्री कृष्ण कुमार मेहता झौर श्री विजय कुमार मेहता बेटा कृष्ण मेहता, 11, शार्षिण सेंटर, विजय नगर, दिल्ली (झन्तरिती)

को यह सृच्या जारी करके पृथांक्त सम्मृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सुम्पत्ति की अर्थन की संभ्यान्थ में काई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना को राजपण भी प्रकाशन की सारीचा से 45 चिन की जनभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताक्सिल को 3-0 निवर्ग की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भौतर उनत स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पाका करणः — इसमें प्रयूक्त सब्दों और धर्वों का, जां सम्बा अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्त्रकी

प्रापर्टी नं० एफ 8/बी० जो कि विजय नगर में स्थित है।

> श्रीमती बलजीत मटियानी सक्षम मधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, विकास भवन एच० ध्लाक, भाई० पी० स्टेट, दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**ख**: 24-12-1980

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. -----अगयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-II, एच० ब्लाफ, विकास भवन
(ग्राई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली

विल्ली 110002, दिनांक 24 विसम्बर 1980

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यु०-II/एम०आर०-I/480/6509—अतः मुझे, श्रीमती बलजीत भटियानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 10/डब्स्पू/टी-648 है तथा जो भोकांर नगर -8, गली नं० 31, ही नगर, दिस्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरां भिधकारी के कार्यालय, दिस्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रमेल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री श्रीमाम सुमरन वास बेटा ज्ञानेश्वर वास, 10/395/टी०-648, गली नं० -31, घोंकार नगर-वी, दिल्ली-35 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बिशन वयाल ग्रग्नवाल वे बेटा श्री राम मूर्ति सरण 10/395/टी०-648, जी नगर, दिल्ली-35। (ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्बद्धि के अर्थन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्बों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मन्जिला मकान जिसका क्षत्रफल 193 वर्गगज जो कि प्लाट नं० 7, खसरा नं० 690/543/212, प्रापर्टी नं० 10/395/टी०-648, ग्रोंकार नगर-बी, गली नं० 31, ती नगर, में स्थित है।

श्रीमती बलजीत भटियानी मक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, विकास भवन एच० ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 24-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एत० एस० ---

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन (भ्राई०पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002 दिल्ली-110002, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

निदेश सं अर्दि ०ए०सी०/एक्यु०/।।/एस० श्रार०/I/4-80/ 6517--- ग्रतः मुझे, बलजीत भटियानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मूरूय 25,000/- रु०से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 3712 है तथा जो गली नं०तमेल वाली शाहगंज भ्रजमेरी गेट, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनु-सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख भ्रप्रैंस, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि ययापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रंधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच हेम श्रन्तरण के लिए तब पात्रा गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देशा से उक्त प्रन्तरण तिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण के हुई किसी ग्राय की बाबत आयकर ग्रिश्चित्यम 1961 (1981 का 43) के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुधिष्ठा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती आरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्ः--

- (1) डा॰ ग्रन्तर चन्द बेटा ला॰ ग्रमर सिंह 3712, गली तमील, वाली शाहगंज ग्रजमेरी गेट दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सलीम श्रदीन बेटा नवाब श्रदीन 2950, गली बेल वाली, शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्मड्टोकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही यर्थ होगा, जो उन सहस्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक प्रजल स्टोरी मकान 3712, गली नं० तमोल वाली शाह गंज, श्रजमेरी गेट, दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 367/2 वर्ग गज है।

> श्रीमती बलजीत भटियानी सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, विकास भयन एच० व्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 20-12-1980

प्ररूप प्राई० टी० एत० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही घारा 269-म (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- , एच० ब्लाक, विकास भवन (भ्राई०पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु०/II/एस०न्नार०-I/4-80/6477—ग्रत:, मुझे, बलजीत भटियानी आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिविक है ग्रौर जिसकी सं० ए०-17 है तथा जो गांव बरौला, जी० टी० रोड , विल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिविकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिवीन, विनांक

को पूर्वोक्त सम्पर्शि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (प्रनितरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्ष अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कियत न तीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रमु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्मलिखित स्वक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रोमती गोला नारंग पत्नी श्री निरंजन पाल सिंह नारंग, ए०-185, गुजरांवालान टाउन, जी० टी० रोड, विल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्माली परनी श्री श्रमीचन्द सिंह चौहान ई०-4/14, माडल टाउन, जी० टी० रोड, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

छ≉त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अक्षीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो छक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गणा है।

अनुसूची

म्राक्षा हिस्सा जोकि प्रापर्टी नं० ए०-17, म्रादर्श नगर, गांव बरौला, जी० टी० रोड, पर है।

> बलजीत भटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 24-12-1980

प्ररूप भाई व दी व एन व एस ----

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, अहारक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-11, एच० अलाक, विकास भवन (ग्राई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निवेश सं० झाई० ए० सी०/एक्यु०/II/एस० झार०-I/4-80/6399—झतः, मुझे, बलजीत भटियानी आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मूख्य 25,000/ रुपये से ग्रीधक है

ग्रौर जिसकी सं० ए०-17 है तथा जो गांव बरौला ग्राबादी ग्रादर्श नगर कालोनी मोतीलाल रोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रीध-निथम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख ग्राप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तरक (अस्तरकों) पौर प्रन्तरिती (अस्तरितयों) के बीव ऐसे प्रस्तरण के निर्त्त तथ पात्रा गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाधि-नियम के भाधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जानी चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः, सब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-न के सनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तिरणों प्रधातः :--

- (1).श्री रामकला बेटा श्री मूल चन्द ग्रौर श्रीमती चमेली देवी बेटी मकखन लाल, पत्नी श्री रामकला, मकान नं० 1634, सोहन गंज, मक्जी मंडी, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती भान्ती देवी पत्नी श्री घोम प्रकाश गुप्ता नं० 34-ए०, हरिजन कासोनी, बजीर पुर, दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्न सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त नमाति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेप :---

- (क) इस भूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर भूचना की नामीन से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के मीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में में किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सुवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ का कि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्योक्तरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्यों घौर पर्दों का जो उक्त अधि-नियम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी मं० ए०-27, खसारा नं० 262/258/217/4 गांव बरौला, भावमें नगर कालोनी, मोतीलाल रोड पर स्थित है।

> श्रीमती बलजीत भटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली 110002

दिनांक: 24-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

ग्रर्जेन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

मिदेश सं० सी/०एच०डी०/24/80-8 1---भतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसको सं० प्लाट न० 1390 सेक्टर 33-सी० है तथा जो सेक्टर 33-सी०, चण्डीगड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रिप्स्ट्री-कर्ता श्रीधकारा के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिप्स्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैस, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निम्ननिखिन उद्देश्य से उस्त प्रन्तरण लिखित में बाएसिक क्य से कथित नहीं किया नथा है:---

- (क) प्रान्तरण से हुई किसा प्राय की बाबत, उक्त प्रक्षिक नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) एक्की किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर आधनियम, 1957 (1957 का 27) के] प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से मुखिका के लिए;

अतः प्रवं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपकारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित्:~ (1) कमांडर अधिनाश चुन्द्र मस्होत्रा पुत्र था एल० सी० मस्होत्रा निवासी मकान नं० डी०-133, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो अमर सिंह थिंड व श्रीमती महिन्द्र कौर थिंड गांव व डाक्तखाना मोही, जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां मुक्त करशा हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैम के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य क्यक्ति द्वारा स्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के भ्रष्टवाय 20क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

प्रवृसूची

प्यायदाद जैंगा कि रिजस्ट्रेंक्ती श्रिष्टिकारी चण्डोगढ़। (ज्यायदाद जैंगा कि रिजस्ट्रेंक्ती श्रिष्टिकारी चण्डोगढ़ के कार्यालय के विलेख नं० 86, ग्रेंगैल, 1980 में दर्ज है)। सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भायुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज, सुधियाना

नारीख: 10 दिसम्बर 1980

बरूप बार्च. टी. एन. एस.----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 विसम्बर 1980

निदेश सं० सी० एच० जी०/50/80-81—म्झतः मुझे, सखदेव चन्द

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1509 है तथा जो सेक्टर 36-छो०, चण्डोगढ़ में स्थित र (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च में श्रीर पूर्ण का से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख गई, 1980

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्मलिकित उच्चेश्य से उक्त बन्नरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; जीद/या
- (क) ऐसी किसी आब बा किसी भन या जन्त आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, क्याने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुबर्ण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-न की उपवारा (1) के अदीत, निम्मलिबित व्यक्तिवों, अर्थात् 1--- (1) श्रा प्रशोक कुमार पुत्र श्रा ए० एन० तलवार, द्वारा श्रामता कुलदाप कौर, 32 यादिवन्दरर कालोनी दी माल, पटियाला

(भ्रन्सरक)

(2) श्रो केवल कृष्ण पुत्र श्री लक्षमण दास 32, याद-विन्दरा कालोनी, दी माल, पटियाला। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कै पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्यव्दिकिरणः — इसमें प्रयुक्त कान्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

समस्यी

्लाट नं० 1509, सेक्टर 36-डी० चण्डीगढ़। (ज्यायदाद जेमा कि रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 255, मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारोख: 10-12-1980

प्ररूप आई. टी. एनः एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान न 1645, है तथा जो सेक्टर 7-सी , चण्डोगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यान्य, चण्डोगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रग्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पलाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में मुविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिख्त व्यक्तियों, अधितः-- (1) श्री मोहन सिंह गुजराल पुत्र श्री मलिक सिंह निवासी मकान नं० 1645, सेक्टर, 7 मी०, चण्डोगढ़।

(मन्तरक)

(2) श्री यश पाल सन्ती पुत्र श्री मदन लाल सन्ती निवासो मकान नं० 1645, सेक्टर 7-सी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं के 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निलिखत में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो धक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रद्भाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रद्भाय में दिया गया है।

भनुसूची

मकान नं० 1645, सेक्टर, 7-सी०, चण्डिगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रॅं)कर्ती ग्रिधिवारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० नं० 15, ग्राप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10-12-1980

मोहरः

11-426GI/80

प्ररूप धार्षे हो। एमः एसः---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, कार्यालय लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० सं० एच० डी०/16/80-81--- आतः मुझे, मुखदेव चन्द

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० रिहायणी प्लाट मं० 406, है तथा जो सेक्टर 35-ए० चण्डी गढ़ में स्थित है (श्रीर इकसे उपाबढ़ श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), रिज्यूनिक्त श्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डी गढ़ में रिजर्ट्र करश्र श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 9 श्रप्रेल, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह श्रितान से श्रीक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीक ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधिन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ब्रिश्चित्र कियम के अधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में मुजिबा के लिए; ब्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी घन या ध्रम्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त भिष्ठिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भिष्ठिनियम की धारा 269-ण की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्गनः--। (1) श्रें। जोगिन्दर सिंह पुत श्रें। जीवन सिंह द्वारा उसका श्रदारका श्रें,मती हरजोत कौर, 28, केनिनग रोड, ग्रम्बाला, कैन्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री देव राज तुली पुत्र श्री देस राज तुली व श्रीमती कमलेश तुली पत्ति श्री देव राज तुली-1009, सेक्टर, 19-बी०, चण्डागढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्वों भीर पदों का, जो सकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा जो उस सम्याय में विया गया है।

अनुसूची

रिहायशो प्लाट नं० 406, सेक्टर, 35-ए० चर्ण्डागढ़। (अयायदाद जैमा कि रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारो के चर्ण्डागढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 58, श्रप्रैल, 1980 में वर्ज है)।

> सुखदेव घन्द सक्षम ाधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षग्र) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-80

भक्ष्म् आहे. टी. एन्. एक.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्कालम्, सहस्यक वायाकर कायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980 निदेश सं० सी० एच० डी०/13/80-81—यतः, मुझे, सुखदब चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं मकान नं 3378 है तथा जो सेक्टर 19-डी. चण्डीगढ़ में स्थित है) श्रौर इहसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्या-लय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रशैल, 1980

को पूर्वाक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवांकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

- (1) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री ईश्वर सिंह निवासी मकान नं० 3378, सेक्टर 19-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री नपूर सिंह श्री चरणजीत सिंह पुत्र श्री बलदेव सिंह मकान नं० 3378, सेनटर 19-शी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्स सम्मारिस के धूर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ल) इस स्वना, के राजपत्र में प्रकाशन की कारील से 4.5 वित के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यो

मकाल नं० 3378, सेक्टर 19-डी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 51, अप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्व सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) फ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्रकृष भाई - टी - एन - एस ---

भावकर प्रविविधन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/22/80-81—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द ... कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

मौर जिसकी सं० एस० सी० म्रो० प्लाट नं० 145-146 है तथा तो सेक्टर 17-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिनारी के कार्यालय, चण्डीगढ में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तरीख म्रमेल, 1980 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मितक्त के लिए अन्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उपपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरक लिखत में वास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी घान की बाबत उक्त प्रधिनियम के घंधीन कर देने के घंग्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या घण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

अतः |अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र श्री बसन्त सिंह निवासी श्रद्धकेली तहसील नूरमहल, जिला जालन्धर द्वारा उनकी जनरल श्रदारनी श्री हरदियाल महाजन पुत्र झण्डा मल महाजन, मकान नं० 1299, सेम्टर 19-बी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राकेश लाल गोयल, मोहन लाल गोयल पुत्र श्री जगन्नाथ गोयल, जगन्नाथ गोयल पुत्र परस राम गोयल, श्रीमती विद्यावती पत्नी श्री जगन्नाथ गोयल, ऊषा रानी पत्नी राकेश गोयल व सुनीता गोयल पत्नी श्री मोहन लाल गोयल निवासी मकान नं० 545, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़। (अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर अक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्रोहस्तादारी के
 पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एस० सी० भ्रो० प्लाट नं**०** 145-146, सेक्टर 17-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के निलेख संख्या 75, ग्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 10-12-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लिधयाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० एम० एल०/35/80-81--यत: मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा 11 बिस्वा है तथा जो मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, ग्रमलोह, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन, दिनांक जून, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री विक्रम सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह वार्ड नं० I, मण्डी गोविन्दगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स ब्रार० पी० स्टील रोलिंग मिल्स, मण्डी गोबिन्दगढ़ द्वारा श्री रिव प्रकाश पुत्र श्री राजेश्वर प्रशाद, वार्ड नं० 4, मण्डी गोबिन्दगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा 11 बिस्सा, मण्डी गोविन्दगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 639, जून, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्रस्तपः अवर्षः दीः एष् . एषः . --------

भायकर अधिनियम, 1961 (1.961 का 43), की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० एम० एल०/43/80-81---यतः, मुझे, सुखदेव- चन्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 2 बीधा 11 बिस्वा है तथा जो मण्डी गोविन्दमढ़, जिला पिटयाला में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-तियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,

को पृथांकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी अग्रम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के, सिए;

अतः अवः. उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उष्धारा (1) के अधीन, निम्नीलिसत् व्यक्तियों, अधीर:--

- (1). श्री श्रम्मकीक सिंह्यू पुत्र श्री मेहर सिंह नजदीक गुरु-द्वारा नार्ड नं ।, मण्डी गोविष्यगढ़, जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- (2) मैं० प्रार० पी० स्टील रोलिंग मिल्स, मण्डी गोविन्दनकु द्वारा श्री राजेशकर प्रशाद पुत्र मिथन लाल निवासी कार्क नं० 4, मण्डी गोविन्द-गढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवताः वादीः कहके पुनांकतः सङ्गीत्कः के वर्णन के किए कार्यमाहिमाः करताः हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्कृत के राजपण के प्रकाशत की तादीक से 4.5. तित की जन्नीय या तत्सकाती व्यक्तियों पर स्कृता की तामील से 30 दिन की वनिथ, उसे भी खनीथ याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में दित- विष्कृत क्यायर संपत्ति में दित- विष्कृत क्यायर स्थावर संपत्ति के पास चिकित में किए मा सक³गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त, जुधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां कृष्टि होना जो उसा कृष्याय में दिया क्या है।

नगत्त्री

भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा 11 बिस्वा, मण्डी गोविन्दगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालग्न के विलेख संख्या 718, जून, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

গ্ৰহণ আৰ্থত স্থাত ক্ষেত ---

श्रीयकर व्यक्तिमिन्नमः; 1981 (1981 का 49) की घारा '2/89-म '(1) के घरीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आर्यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल०डी०एच०/ग्रार०/ग्राई०/80-81—श्रतः, मुक्षे, सुखदेष चन्द

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नाह 'जनत व्यक्तिमियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के प्रजीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० खेती बाड़ी भूमि 22 कनाल 3 मरले हैं तथा जो गाँव मंगली खास, लुधियाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अत्रेल, 1980 को पृथ्वित संग्पति के श्रीत बाजार मृख्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्त के विषे अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का आए है कि प्रधाप्वित सम्पत्ति का उवित बाजार मृख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिणत बाधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बामनिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अध्य आस्थियों करों, रिजन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अध्य अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, अनतं अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण वे, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविकित स्पिन्तयों सर्थातः— (1) श्री गुरुदयाल सिंह नुध देवा सिंह, मारफत श्रीवर-लॉक कम्पनी, श्रोवरक्वॉक विल्डिंग, श्रोवरक रोलॉड, मिल्लर गंज, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरबन्य सिंह पुत्र श्री मलकीयत सिंह, निवासी गांव हरि गढ़, तहसील बरनाला, जिला संगरूर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पर्तित की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि क्षेत्रफल 22 कनाल 3 मरले गांव मंगली खास, तहसील लुधियाना।

(ज्यायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 278, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीचं : 10-12-1980

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एत॰ एस----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) **के ग्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/ग्रार० 2-80-81--- ग्रत:, मुझे, स्रुखादेय चन्द आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उ**पि**त बाज! र 25,000/-रुपए से ग्रीर जिसकी संब्खेतीबाड़ी भूमि 22 कनाल, 3 मरले है तथा जो गांव मंगली खास, तहसील लुधियाना में स्थित है (भीर इउसे उपाबद अन्युची में भीर पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे

अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर मन्तरिती (ग्रन्तरितिर्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

दुश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत

नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किनी श्राय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

अधिक हे और

(ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या सन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, पा धत-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः ग्रम, उन्त श्रधितियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात !---

- (1) श्री कृपाल सिंह पुत्र श्री गुरवयाल सिंह मारफत मैसर्स श्रोवरलाक कम्पनी, ओवरलॉक विल्डिंग, श्रोवरलॉक रोड, मिल्लर गंज, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री मलकीयत सिंह, निवासी गांव हरि गढ़, महसील बरनाला, जिला संगरूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दित की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अप होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 22 कनाल, 3 मरले, गांव मंगली खास, तहसील लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 279, ग्राप्रैल 1980 में दर्ज हैं ')

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्ररूप् आहे. दी. एन्, एस् ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज, प्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, विनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल डी एच०/ $\frac{1}{4}$ ०/ $\frac{20}{80-81}$ —ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 1/2 भाग कोठी नं० 691-एल०/2 है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रौल 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उध्वरेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 12—426GI/80 (1) श्री खाजान सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह, 591/ एल2, माडल टाऊन, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष रानी परनी श्री हरबन्स लाल, निवासी 143 म्रार, माडल टाऊन, लुधियाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी नं० $591/\mathbb{Q}$ ल/2, माङल टाऊन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 445, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, ुलुधियाना लुधियाना, विनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/यू०/21/80-81—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग कीटी नं० 591 एल०/2, है तथा तथा जो माडल टाउन, लूधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रशैल,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री खजान सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह निवासी 591 एल०/2, माडल टाऊन, लुधियाना। (अन्तरक)
- (2) श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री राधा कृष्ण निवासी 143 म्रार०, माडल टाऊन, लुधियाना (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 591 एल/2, माडल टाऊन, लुधियाना।

्रियायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 448, श्रिप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, विनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एम०के०एल०/3/80-81—श्रतः मुझे, सुख-देव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 18 मरले है तथा जो याह सारीह वाला नजदीक स्टेडियम मैदान, मालेरकोटला में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय,मालेरकोटला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रग्नैल, 1980

को प्रांक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवध के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- (1) श्री फुमन पुत्र श्री ईक्षाहीम निवासी याह सरीह वाला, नजदीक स्टैडियम मैदान, मालेरकोटला। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्ज ग्ररिहन्त स्पिनिंग मिरुज, मालेरकोटला प्रो० मैसर्ज माहाबीर स्पिनिंग मिरुस लिमिटेड, रजि० ग्राफिस, चण्डीगढ़ रोड, लुधियाना । (ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्भ के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 18 मरले, याह सरीह वाला, मालेंरकोटला (ज्यायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 826, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

सु**खदेव घन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्ररूप आइ¹.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० एम०के०एल०/4/80-81 --- प्रतः मुझे, सुख-देव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 18 में मरले हैं तथा जो जाह सारीनवाला, मालेरकोटला में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूच। में श्रीर पूर्ण व्या से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारो के कार्यालय, मालेरकोटला में रिजस्ट्रेक्ण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनांक श्रप्रेल, 1980 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री बाबू पुत्र श्री इब्राहीम निवासी भाह सारी न वाला, नजवीक स्टेडियम मैदान, मालेरकोटला '(अन्तरक)
- (2) मैंसर्ज ध्ररिहन्त स्पिनिंग मिल्ज, मालेरकोटला प्रो० मैंसर्ज महाबीर स्पिनिंग मिल्ज लिमिटेड, चण्डीगढ़ रोड, लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 18ह मरले, चाह सारीन वाला, मालेरकोटला।

(ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकर्ता मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 827, अप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 10 दिसम्बर 1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एम० के० एस०/50/8-81 — प्रतः मुझे, सुख-देव चन्द.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उाचत बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० भूमि क्षेत्रफल 19 मरले है तथा जो गांव चाह सारोन बाला, मालेरकोटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूको में श्रीर पूर्ण रूप से विग्रित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिथिनियम नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन, तारीख ग्रग्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिचित उद्वेष्य से उक्त जुन्तरण निम्मलिचित अपनिष्ठ किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्:--

- (1) श्रो बाबू पुत्र श्रो ईब्राहीम निवासी चाह सारीन वाला, नजदीक स्टेडियाम मैदान, मालेरकोटला। (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्ज प्ररिहन्त स्रिनिंग मिल्ज, मालेरकोटला, प्रो० मैसर्स माहाबीर स्पिनिंग मिल्स, रिज० ग्राफिस, चण्डोगढ़ रोड, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपस्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मन्त्र्यी

भूमि क्षेत्रफल 19 मरले, चाह सारीन वाला नजदीक स्टेडियम मैदान, मालेरकोटला।

(ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 833, म्राप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्ररूप आई० टो० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० एम०के० एल०/6/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव बन्द्रा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 19 1/3 मरले है तथा जो गांव चाह सारीन वाला, नजदीक स्टेडीयम मैंदान माले को टाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कायलिय, मालेर कोटला, में, रजिस्ट्रा करण श्रिधित्यम, 1908 (190 का 16 के श्रिधीत, ताराख श्रील, 1980

को पृष्टींक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अरिनयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, छक्त अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्राकुनन पुत्र श्री इक्षाहीम निवासी गाँव चाह सारीन वाला, नजदोक स्टेडियम मैदान, मालेरकोटला (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्ज ग्राग्यिन्ट स्पिनिंग मिल्ज, मालेरकोटला प्रो० मैसर्ज माहावं।र स्पिनिंग मिल्ज, रजि० ग्राफिस चण्डीगढ़ रोड, लुधियाना।

(श्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।.

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भृमुस्वी

भूमि क्षेत्रफल 19 1/3 मरले , गांव चाह सारीन वाला, मालेरकोटला।

(ज्यायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 834, भ्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्ररूप आर्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 डिसम्बर 1980

निदेश सं० एम०के०एन०/7/80-81-- ग्रतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमि क्षेत्रफल 18 मरले हैं तथा जो गांव वाह् सारीन वाला, मालेरकोटला में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपा-बद्ध श्रनुसुको में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1 श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन िुम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्राः खुणाः पुत्र श्रीः इब्राहःम निवासः गांव चाह सारान वाला नजदाक स्टेडियम मैदान, मालेरकोटला। (ग्रन्तरक)
- (2) मैससे ब्रारियन्ट स्पिनिंग मिल्स, मालेरकोटला प्रो० मैससे महावीर स्पिनिंग लिमिटेड रिजि० ग्राफिस, चण्डीगढ़ रोड, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारीकरको पृथांक्स सम्परिस के अर्जन को लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 18 मरले, गांव चाह सारीन वाला, मालेरकोटला।

(ज्यायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीक्ता श्रिधिकारी मालेग्कोटला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 835, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुवत (निर्रक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एम० के० एल०/9/80-81——अतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/5 भाग भूमि क्षेत्रफल 9 कनाल 18 मरले बीच में एक गोडाउन बना हुआ है तथा जो माल गोडाउन रोड, मालेरकोटला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, श्रप्रैल, 1980

को धूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के पायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, पिस्नुसिबित स्युक्तियों मृथ्ति:—

(1) श्रां. मतो जमना देवी विधवा परिन श्री तिलक राम जैन पुत्र स्वर्गीय बाला मल, निवासी दिल्ली गेट, मालेरकोटला।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रांमती कमलेश रानी पतिन श्री शान्ती स्वरूप मार्फत मेसर्स श्रादर्श साईकिल इण्डस्ट्रीज, केलों गेट, मालेरकोटला।

(म्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दे बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया है।

अनु सूची

1/5 भाग भूमि 9 कनाल 18 मरले का जो माल गोडाउन रोड, मालेरकोटला

(ज्यायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी माले रकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 898 ग्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्देक्षण) ग्रर्जनरेंज, लुधियाना

सारीख: 10-12-1980

प्रारूप बाई • टी • एम • एस •----

आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 विसम्बर 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/ग्रार०/10/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अप्रीन पक्षन प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर नम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूक्य 25,000/- ७पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 7 कनाल 8 3/5 मरले हैं तथा जो गांव खाकत, तहसील, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ती श्रीक्षकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रीक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए उस गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखात में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाव की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रंभीन कर देने के धन्तरक के वाधिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए सीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भारितयों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीयनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रीयनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में वृतिक्षा के लिए;

(1) श्रीमती ज्ञान कौर पुत्री श्री लालू उर्फ श्री वुकन पुत्र श्री मतावा, निवासी गांव खाकत, तहसील, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री यशपाल पुत श्री नाथू राम पुत श्री कर्म चन्द, 516 सीता नगर, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता है।

उनत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्षा, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण]:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्दो का, जो उकत ्र्यितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ृहै, वही अथं होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 7 कनाल 8 3/5 मरले गांव खाकत, तहसील लुधियाना।

(ज्यायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्सी श्रिष्ठिकारी लुधियाना के कार्यौत्रय के विलेख संख्या नं० 486, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेत्र चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ ब्स॰----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निवेश सं० एल० डी० एच०/प्रार०/6/80-81—-प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

मायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिवत बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 7 कनाल 8 3/5 मरले हैं तथा जो गांव खाकत, तहसील लुधियाना में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्त बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रसिक्त के लिए सन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिन्त बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत सिक्त है और सन्तरित (अन्तरित) और सन्तरित (अन्तरित में) के बीच ऐसे सम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित चहेंग्य से उन्त सन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक कप से किंचन नहीं किया गया है :---

- (म) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उनत अधिनियम की घारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्घात ।---

- (1) श्रीमती माम कौर पित्न श्री लाल पुत्न श्री मतावा निवासी गांव खाकत, तहसील लुधियान≀ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री धर्म पाल पुत्र श्री नाथ राम पुष्ट र्श्व ६ में चन्द, निवासी 516, सीता नगर, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी मार्खेंप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की धनिष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिष्ठ, जो भी धनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होच्हरचा---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पर्दों का, चो उनता मधि-नियम के भड़्याय 20-क में परिमाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन प्रड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्मि क्षेत्रफल 7 कनाल 8 ³/₅ मरले गांव खाकत तहसील लुधियाना।

(ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के जिलेख संख्या नं० 436, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्रकप **पाई**• टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/ग्रार०/7/80-81—श्रतः मुझे, मुखदेव चन्द,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० भूमि क्षेत्रफल 7 कनाल 8 3/5 मरले हैं तथा जो गांव खाकत, तहसील लुधियाना में स्थित स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूबी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रेथीन तारीख ग्रीत, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उक्ति बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्त-विक सप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी द्वाय या किसी वन या अन्य द्वास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविषम, या धनकर धिविषम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के सिए।

अतः। अन, उक्त धिक्षितयम की घारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त धिक्षितयम की घारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित अवित्यों, अर्थात् :--- (1) श्री बाबू सिंह पूत्र श्री लालू, गांव खाकत, तहसील लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सत पाल पुत श्री नाथू राम, निवासी 516, सीता नगर, लुधियाना ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धार्कप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका
 की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भवकि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपच्छी अरण : — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यो का, ची जनत ध्रिवित्यम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा जो उस घड़्याय में दिया गया है।

प्रमुसुची

भूमि क्षेत्रफल 7 कनाल $8^{-3}/_{5}$ मरले गांव खाकत, तहसील, लुधियाना।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 437, श्रप्रैल; 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 10-12-1980

प्रस्प आई० टी० एन० एस०---

भायकर भिनियम, 1961 (1981 को-43) की धारा 269-व (1) के अधीन यूवना

भारतं सरकार

कार्याक्रय, सदायक पायकर आयुक्त (निरोक्षक)
श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका खिलत बाजार मूल्य 25,000/-र• से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 7 कनाल 8 3/5 मरले हैं तथा जो गांव खाकत, तहसील लुधियाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिखनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्तत उद्देश्य से उन्तरण अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत एक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आर्थनाथें को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिधिनियम या अनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती हरंनाम कौर पुत्ती श्री लालू उरफ बुकन पुत्र श्री मतावा, नियासी गांव खाकत, तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजपाल पुत्र श्री नाथू राम पुत्र श्री कर्म चन्द, निवासी मकान नं० 516, सीता नगर, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनते सम्पत्ति के पार्वने के संबंध में कोई भी आंक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविष्ठि, जो मी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीपर उक्त स्यापर संपत्ति में
 हितबब किसी मन्य स्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षत्रफल 7 कनाल 8 3/5 मरले, गाय खाकत, तहसील लुधियाना।

(ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यानय के विजेख संख्या नं० 484, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्रस्प आई० टी॰ एन॰ एस०---

भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदण सं० एम० के० एल०/10/80-81—यतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गयां है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं भूमि 9 कनाल 18 मरले बीच में गोडाउन का 1/5 भाग है तथा जो माल गोडाउन रोड, मालेरकोटला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रधिकरी के कार्यालय, मालेरकोटला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख ग्रप्रैंन, 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अभ्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरित्यों) की बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्मनिजित उद्देश्य य उद्दार अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्धरक के दायिस्व में कमी करने या अससे बचने म सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धनकर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, अब, उक्तः भिविषय की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाता---

- (1) श्रीमती शकुन्तला देवी विश्ववा परनी श्री राम नाथ निवासी मुहल्ला सूदां, मालेरकोटला। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भगवान दास पुत्र श्री बिहारी लाल मारफत मैनर्ज श्रादर्ण सार्डिकल इण्डस्ट्रीज, केलों गेट, मारलेकोटला।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियी करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी धासेंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की ग्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिश्चियम के श्रष्टवाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रष्टवाय में दिया गया है।

ग्रम्भूषी

भूमि 9 कनाल 18 मरले बीच में गोडाउन का 1/5 भाग, माल गोडाउन रोड, मालेरकोटलामें है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 899, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखवेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 10-12-1980

अर्जन रेंज, लुधियाना

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना,दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एम० के० एल०/11/80-81---धतः मुझे, सुखदेव चन्द

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 9 कनाल 18 मरले, बीच में गोडाउन का 1/5 भाग है तथा जो, माल गोडाउन रोड, मालेरकोटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉगत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 का 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रप्रल, 1980

को प्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिमल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिभा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय मा किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियां अर्थात्:--- (1) श्री कुंज लाल जैन, सुरिन्दर कुमार जैन, प्रमोद कुमार जैन, पुत्र श्री चंगा लाल जैन, निवासी दीवान खाना रोड, मालेरकोटला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नारायण दीवान पुत्र श्री भगवान दास मारफत मसर्ज भादर्श साईकिल इण्डस्ट्रीज, केलों गेट मोलेर-कोटला।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अनिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

भूमि 9 कानल 18 मरले बीच में गोडाउन का 1/5 भाग, माल गोडाउन रोड, मालेरकोटला।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 900, अप्रेल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्रकृप भाई • ही • एन • एस • -----

सायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निवेश सं० एम०के०एस०/29/80-81--यतः, मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा क्या है), की घारा 269-स के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 9 कनाल 18 मरले बीच में गोडाउन का 1/5 भाग है तथा जो माल गोडाउन रोड, मालेरकोटला में स्थित है (श्रौर इससे ड्रेपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रस्ट्रिकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रश्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या घन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ प्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निमन्तिवित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--

(1) श्री गौरी शंकर जैन, विजय कुमार जैन, पृष्ठ श्री टेक चन्द जैन, व श्री भगवान दास जैन, पुत्र श्री जगन्नाथ निवासी मुहल्ला श्ररोड़ा, मालेरकोटला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रान्ति स्वरूप पुत्र श्री भगवान दास निवासी मुहल्ला नुसरत खानी, मालेरकोटला। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन कै लिए कार्यवाहियां करसा हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रचंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकातन की तारीब से
 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, को भी
 घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्वव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वर्षों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 कनाल 18 मरले बीच में गोडाउन का 1/5 भाग जो माल गोडाउन रोड, मालेरकोटला में है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, मालेक्कोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 914, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्ररूप आह². टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, प्रायकर भवन, लुधिमाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980 निदेश सं० एम० के० एल०/30/80-81---यतः, मुझे, सुखतेंव चन्द

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में विश्व हैं

ग्रौर जिसकी सं० 1/5 भाग भूमि 9 कनाल 18 मरले, गो-डाउन का है तथा जो माल गोडाउन रोड, माले कंटिका में स्थित है (ग्रौर इंससे उपाषद श्रनुरूची में ग्रीर दुर्ण कर हैं। वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रग्रैल, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अध्यक्षास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के सभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित्:--

- (1) श्री पूरन चन्द जैन व प्रीतम चन्द जैन पुन्न श्री बनारसी दास, निवासी ध्रारीड़ा गली, मालेरकोटला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कुसुम रानी पत्नी श्री नारायण दीवान पुन श्री भगवान दास, निवासी मुहल्ला नुसरत खनी, मालेरकोटला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की बामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर संपर्तित में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिशादित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्यी

भूमि 9 कनाल 18 मरले जिसमें गोडाउन है का 1/5 भाग जो माल गोडाउन रोड, मालेरकोटला में है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 926, अप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव पन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1980

प्रकप बाई० टी• एन॰ एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के सधीन मुचना

भारत सरकार

कायौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निवेण सं० पी वाई एल ०/2/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव अन्द। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के घडीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिवत बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 27 बीघा 19 बीसवा है तथा जो गांव पायल, जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पायल में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का एकित बाजार मूह्य एसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) खोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उन्न अन्तरण लिखिन में बास्तिबक हव से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसो प्राय की बाबत उवा अधि-नियम, के सधीन कर देन के प्रस्तरक के बाविश्व में कमी करने या उससे सकने में बुविधा के किए। धीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तिवों को, जिन्हें भारतीय पाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तिमों, अधीत्।—— 14—426GI/80 (1) श्री केवल कृष्ण पुत्र श्री इन्द्रजीत, निवासी गांव पायल जिला लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री तेजा सिंह, गुरनाम सिंह, सेवा सिंह, दलीप सिंह पुन्न श्री भगत सिंह व सर्वश्री भीम सिंह, जागीर सिंह, सुरिन्द्र सिंह, बलबीर सिंह, बलजिन्द्र सिंह पुन्न छजागर सिंह, निवासी गांव रायेपुर राजपूतां, जिला लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिपा :--इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उनत अधिनियम के ध्रष्टमाय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 26 बीचा 19 बीसवा गाँव पायल, जिला लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी पायल के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 48, ग्रप्रैल 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 10-12-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० 🛨

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० पीबाईएल०/180-81—श्रतः, मुझे मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 9 बीघा 6 बीसवा है तथा जो गांव पायल, जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, पायल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैंल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश्य में लक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (स) एसी किसी माय या किसी भन स क्या शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अब्दा अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुभित्या अधिनाए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री केवल कृष्ण पुत्र श्री इन्द्रजीत निवासी पायल, जिला लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री तेजा सिंह, गुरनाम सिंह, सेवा सिंह, वलीप सिंह पुत्र श्री भगत सिंह व सर्वश्री भीम सिंह, जागीर सिंह, मुरिन्द्र सिंह, बलबीर सिंह, वलजिन्द्र सिंह पुत्र उजागर सिंह, गांव रायेपुर राजपूतां, खन्ना, जिला लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

भ्मि क्षेत्रफल 9 बीघा 6 बीसवा, गांव पायल, जिला लुधियाना । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पायल के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 12, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है ।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10-12-1980

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1981 (1961 को 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी/7/80-81/—- ग्रतः मुझे सुखदेय चन्द आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग्र के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए संग्रधिक है

थ्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 1516, है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख श्राप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री डी० पी० जैरथ पुत श्री मेहर चन्द द्वारा उपकी जनरल पायर श्राफ ग्रटारनी श्री हजारा सिंह पुत स० महताब सिंह, निवासी कोठी नं० 10, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमति पुष्पा पत्नी श्री कृष्ण चन्द्र, निवासी मकान नं० 77, सेक्टर 8-ए-, चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हूं

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्मध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---रनमें प्रयुक्त गड़नों भीर पर्वा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिषाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 1516, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (ज्यायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 21, धप्रैल 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 10 दिसम्बर 1980

प्रकप भाई । टी । एत । एस । ---

अ। यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्या<mark>लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)</mark> स्रर्जन रेंज, स्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी/7ए/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द बायकर अधिनयम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त ग्रिशिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम आंधकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट तं० 1516, है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डी-गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख भप्रेल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से यद्धिक है थोर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरित्ता) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पाया थया प्रतिफल, निम्नांसिंद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित मं वास्तांवक रूप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा के ।लयु, अं।र/या
- (ख) ऐसा किसा आज या किसी अन या अस्म आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नश्ची किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के चिए;

आतः अब, छन्त अधिनियम की बारा 200 में के अमृत्यस्थ में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269 में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थाब्:---

(1) श्री डी० पी० जैरथ पुत्र श्री मेहर चन्द द्वारा उसकी जनरल पावर ग्राफ भ्रटारनी श्री हजारा सिंह पुत्र स० महताब सिंह, निवासी कोठी नं० 10, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।

(धन्तरक)

(2) श्रीमति पुष्पा पत्नी श्री किशन चन्द निवासी मकान नं० 77, सेक्टर 8-ए, चण्डीगढ़ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लि कार्यवाहियां करता हूं।

पक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी धवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर स्थाति में हित्यक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए वासकीं।

स्पट्टीशरण--इसमें प्रयुक्त गट्टीं और पद्रों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 1516, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (ज्यायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 29, भागेल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 10 विसम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कों धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० एल डी एच/3/80-81/—-ग्रतः मुझे सुखंदव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भाग मकान न० बी-20-120/54,हे तथा जो महल वगत, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रप्रैल 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एमे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमित सन्त कौर विधवा पत्नी श्री मखन सिंह व ग्रमरजीत सिंह व वाजीर सिंह पुत्र श्री मखन सिंह, निवासी गांव वालोक तहसील लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ गुप्ता, रिटार्ड एक्सन पुत्र श्री रंगी राम, निवासी 227, सिविल स्ट्रीट, घुमार मण्डी, लुधियाना। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भाग मकान नं० बी-20-120/54, महल भगत, लुधियाना । (ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 43, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 10 दिसम्बर 1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

याप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल डी एच/25/80-81/—-प्रतः मुझे, मुखदेव चन्द आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने ना कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भाग मकान नं० बी-20-120/54, है तथा जो श्रेम नगर (महल बगत तरफ) लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रश्रेल, 1980 को पूर्वोक्त सम्भत्ति के देवित बाजार मूख्य से हन के दृश्यमान श्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है श्रीर मुझे यह विकास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्भत्ति का गिर्वे श्रीर मुझे यह विकास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्भत्ति का गरिव श्रीत स्वामार पूर्व, उसके दृश्यमान श्रतिकल के पिए अन्तरित से स्थान श्रीत का परवाह प्रतिकत से भिष्क है और मन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिकी (अन्तरिक्ष)) के बीच ऐसे यस्वरण के निए तय पापा गथा श्रतिकल, निम्तिक अंत उद्देश य उन्ह अन्तरण लिखित में सस्तिक रूप से क्षित नहीं कि स गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) र्गी हिमी आप था हिसो बाचा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीवितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीवितियम, था धन-कर श्रीवितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती दारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अवः जनत बाधिनियम की धारा 269-प के सन्तरण में, मैं, अवन अधिनियम की आरा 269-च की उपधारा (1) के अधीन। निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमित सन्त कौर विधवा पत्नी श्री मखन सिंह व श्री श्रमरजीत सिंह व वाजीर सिंह पुत्न श्री मखन सिंह निवासी गांव बलोक तहसील लुधियाना।
 - (भ्रम्तरक)
- (2) श्री जगन्नाथ गु-ता रिटाईं एक्सियन पुन श्री रंगी राम निवासी 227, सिविल स्ट्रीट, धुमार मण्डी, सुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त नम्पति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्य जै प्रकाशनकी तारी का से 45 दिन की अवधि या तस्मक्ष्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्मां, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रतायन की तारीख से ४5 दिन के भीतर उन्त स्थावर प्रम्यक्त में हितखद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्ही अरणः -- असमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, हो उक्त अधिनियम के अधाप 20-क में परभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ामुसूची

भाग मकान नं० बी-20-120/54, तरफ महस्र वगत (प्रेम नगर) लुधियाना ।

(ज्यावाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 485, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेय चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 दिसम्बर 1980

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, शायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश स० एल डी एच/ग्रार/ 3/80-81/---श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव पावा तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना श्रप्रैल 1980 में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांत्कत के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिमात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत उनत धर्ध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर नियम, 1922 (1922 का 11) या धक्न प्रधिनियम, का धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, गक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।--- (1) श्री सौदागर सिंह पुत्र श्री काकृ सिंह निवासी गांव पावा, तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) मैगर्ज जूपीटर रेडियो रिजस्टर्ड, सी-46, भोखला इण्डस्टीयल एरिया फैस-, II नई दिस्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा जिसी अम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोद्वस्ताकरी के पास विखित में किए जा यहाँगे ।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधाधित हैं, वही ध्रयं होया, जो उस प्राच्याय में दिया

थनु**स्ची**

भ्मि क्षेत्रफल 8 कनाल 12 मरले, गांव पावा, तहसील लुधि-याना।

(ज्यादाद जैमा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी लुधियाना के कायिलय के विलेख संख्या नं० 319, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 दिसम्बर, 1980

प्रकप मार्षे० टी० एन० एस०----

आयकर <mark>ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा</mark> 269-**ण** (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए एम एल/6/80-81/--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से श्रविक है ग्रीर जिसकी सं० गांडऊन 'लाट 1340 वर्ग गज (1 बीघा 7 बीसवा) है तथा जो गांव कुकड़ माजरा सब तहसील भ्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख धप्रैल 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्राधिक है ग्रीर प्रनारक (प्रन्तरकों) श्रौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तेल प्रस्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रहेश्य से खबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उन्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में मुविधा के जिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय हर ग्रिखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था प्राकिया जाना चाहिए था छिपाने में भूषिक्षा के लिए;

प्रतः, प्रव, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के प्रतु-अरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्वक्तियों, ग्रिथित:—

- (1) श्री मुखनियार मिह पत्नी श्री हरमेल सिंह निवासी कुकड़ माजरा, सब तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री ग्रदीप सिंह पुत्र मीरी राम
 - (2) श्री पवन कुमार पुत्र श्री राम सरत दास दोनों निवासी वार्ड नं० 3, मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला।
 - (3) श्री किरपाल सिंह पृत्त श्री इन्द्र सिंह निवासी वार्ड नं० 12 मण्डीगोविन्द, मब तहसील श्रमलोह. जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना गारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी घाडोप :---

- (क) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की सप्रधि पा कत्संबंधी व्यक्तिमें पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जना व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्वब्दीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम क ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाडऊन प्लाट क्षेत्रफल 1340 वर्गगज (1 बीघा 7 बीसवा) गांव कुकड माजरा, सब तहमील अमलोह जिला पटियाला। (जायादाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 55 अप्रैल 1980 में वर्ज हैं)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुश्चियाना ।

दिनांक: 10 दिसम्बर, 1980

प्रकृष आहेव टीक प्रनक्षिक---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा, 269-घ (1) के अधीत मूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुश्रियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निदेण सं० ए एम एल/8/80-81/—श्रतः मुझ, मुखदेव जन्द आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पवचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के भधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विभवास करने का भारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूच्य 25,000/- ष्यमें से ग्रिधक है और जिसकी सं० भृमि क्षेत्रफल 35 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव नारायणगढ़, सब तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रमलोह में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रग्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृशसान प्रतिफल के लिए प्रम्तिरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति हा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे प्रमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिश्वत से मधिक है और प्रमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिश्वत से मधिक है और प्रमार (प्रमारितियों) के बीच ऐसे प्रमार के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरभ से नुई जिसी आय की बाजन उक्त प्रीयिनयम, के प्रधीन कर देने के प्राप्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्निरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रिवित्यम की घारा 269-भ की उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--15-426@180

(1) श्री सन्तोख सिंह पूत्र श्री निर्मल सिंह निवासी गाँव नारामणगढ़, सब तहसील श्रमलोह।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरिदयाल सिंह पुत्र चुहुड़ सिंह, निवासी गांव हेवत पुर, डाककाना नारायणगढ़, सब तहसील ग्रमलोह। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताशरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो डक्त आधि । नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

पन्सूची

भूमि क्षेत्रफल 35 कनाल 12 मरले, गांव नारायणगढ़, सब तहसील श्रमलोह ।

(ज्यादाट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 129, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 दिसम्बर 1980

प्ररूप धाईं०टी•एन• एस०----

माबकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज, भ्राप्रकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० न्नार ए जे/2/80-81/—न्न्रतः मुझे, सुखदेश जन्द आयकर प्रजिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रजिनियम' कहा गया है); को वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृश्य 25,000/- उपए से प्राधिक है,

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 17 वीघा 13 वीसवा है तथा जो गांव बनूड़, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण €प से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रश्रैल 1980

1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख अप्रल 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्त बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत यिक है और मन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अश्वरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रविनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्वरक के दायित्स में स्थान करने या उससे वचने में सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-ग के बब्सरण में, में, उक्त ब्रिजियम की धारा 269-थ की उपधारा(1) के अधीन, निक्रालिखित व्यक्तियों, अर्थात !----

- (1) स० गुरक्षीप सिंह पुत्र स० श्रवसार सिंह, निभासी गांव वन्ड, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति जितन्द्रकौर वाजवा पत्नी श्री हरिन्द्रपाल सिंह वाजवा निवासी 226, सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह शुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी बाबीप:--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 चिन की अवधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद वें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को धक्त धिक्षित्यम के अध्याय 20-त में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस प्रश्याय में दिया गया है।

भगुसूची

भूमि क्षेत्रफल 17 वीचा 13 वीसवा गांव वनूड़, तहसील राज-पुरा, जिला पटियाला।

(ज्यादाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 256, अप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जनरेंज, लुधियाना

दिनांकः 10 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस•-

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य(1) के धन्नीन तूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक धावकर धावुक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छन्त पश्चितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वावित्व में कमी करने मा छसके बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय वा किसी बन या सम्ब आस्तियों को जिन्हें जारतीय धाय-कर बिबनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अविनियम, या धन-कर धिबनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की बारा 269-न के समुसरक में, में, एक्त अधिनियम की बारा 289-न की छपकार। (1) के अधीन, निम्नसिबित क्यक्तियों, अर्वात्।--- (1) श्री जीवन सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, निवासी वार्ष नं० 3, मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री माहिन्द्र पाल, स्रशोक राज दोनों पुत्र श्री सोहन लाल, निवासी वार्ड नं० 3, मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला।

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पवदीकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्शे का, जो उनत ग्रीवित्यम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं भर्म होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान जायदाद गांव कुकड़ माजरा; सब तहसील ग्रमलोह जिला पटियाला ।

(जयायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 125, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 10 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निशीकण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० सी एच डी/12/80-81/— मतः मुझे सुखदेव चन्द भ्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीधक है

ग्रौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1184, है तथा जो सेक्टर 15 बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपावस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता भिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के लिए भ्रधीम, तारीख भ्रप्रैल 1980 को

पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रम्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूव से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उबत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

जताः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम निम्नालिकित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्रीमति सीता रानी पत्नी श्री चरन दास निवासी वी 10, नवीन शाहदरा, दिल्ली-32।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोती राम व श्रीमित मीनाल मकान नं० 5, सेक्टर 15 ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के <mark>धर्जन के</mark> लिए कार्य<mark>ेवाहियां</mark> करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीज से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में ग्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पर्वी का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथे हीगा, जी उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चिह्नायशी प्लाट नं० 1184, सेक्टर 15 बी, वप्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 38, अप्रैल 1980 में दर्ज है)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, ल्धियाना।

विनान: 10 विसम्बर, 1980

मोहरः

प्रकप श्राधि टी । एन । एस ।

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी/15/80 81---ग्रतः मुझे सुखदेव चन्य भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा मया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-मधिक बाजार मृल्ब रुपए भीर जिसकी सं० एस० सी० भी० प्लाट नं० 365-366, है तथा जो सेक्टर 35 बी चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़में, रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख भ्रप्रैल 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूख्य से कम दुश्थमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्रिक है घीर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित इद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर श्रीवासियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

भातः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं सक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नजिस्त क्यक्तियों, अर्थात्:— (1) सर्वश्री प्यापा सिंह, कुलदीप सिंह, दिवन्त्र सिंह नं ० 7 ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरश्रताप सिंह सेखों व धार्दरज निवासी मनजीत तिन्दपुरा, फरीक्कोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप : →-

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुनना के राजरत में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर तम्बित में हितवद किसी के प्रत्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पात खिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधी तरमा: -- -इनमें प्रयुक्त गब्दों प्रौर पदों हा, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रष्टगाय 20 ह में परिभाषित है, वहीं गर्थ होगा, जो उन प्रध्यान में दिया गया है।

मनुषुची

एस॰ सी॰ ग्रो॰ प्लाट नं॰ 365-366, सेक्टर 35 बी, चण्डीगढ ।

(ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 55, ग्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

विनांक: 10 दिसम्बर, 1980

प्ररूप काई. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० पी टी ए/14/80-81/---श्रतः मुझे सुखदेव चन्व आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० कोठी न० 142 डी है तथा जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है (घौर इससे उपाबद अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रिपैल 1980

कां पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और्/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मेर सिंह पुत्र सरदारा सिंह मारफत कोठी नं० 3030, सैक्टर 23-डी, चण्डीगढ़।

(झन्तरक)

(2) श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री रिजन्त्र सिंह निवासी कोठी नं० 3076, सैंक्टर 21-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पाटीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

and the

कोठी न० 142-की, माङल टाऊन, पटियाला । (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 553, ग्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 10 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आहें विटी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना
लुक्षियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच की/23/80-81/—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 134, है तथा जो सैक्टर 36-ए, चण्डी-गढ़ में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद सनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, सारीख स्प्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के, पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औष-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने से सुविधा के लिए;

- (1) श्री मुदर्शन कुमार नांगीया पुत्र श्री हरि कृष्ण नांगीया बी-3/175, जनकपुरी, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जनक सचवेबा पत्नी श्री एफ॰ सी॰ सचदेवा 100, सेवक कालोनी, पटियाला ।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा बत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित मों हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मों किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र

प्लाट नं 134, सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़ । (ज्यायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं 76, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, ल्धियाना ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, को भारा 269-ग के अनुसरण े, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अचिति।---

दिनांक: 10 विसम्बर, 1980

मोहरः 🧸

प्ररूप प्राई० टी० एन॰ एस०-

म्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज, भायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/31/80-81---श्रतः मुझे सुबादेय चन्य,

श्रायकर श्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिशिनयम' कहा गया है), की धारा 269- व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ह० से श्रिधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2040, है तथा जो सैक्टर 21-सी०, चन्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण श्रमितकम, 1908 (1908 का 16) के स्प्रीत वित्तंक स्परील 1980

(1908 का 16) के ग्रधीन विनांक ग्रंपैल 1980 को पूर्वाक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत छक्त भश्चिनियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये:

ग्रतः ग्रन, उन्त भिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त भिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के भभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत्:---

- (1) श्रो मौग राज बालिया पुत्त श्री गिरधारी लाल मकान नं• 2040, सैन्टर 21-सी•, चण्डीगढ़ । (श्रम्तरक)
- (2) श्री जे० एस० कुण्डी पुन्न श्री भगत सिंह कुण्डी व श्री डी० एस० कुण्डी पुन्न श्री जे० एस० कुण्डी द्वारा उनकी जनरल श्रदारनी श्री एस० एस० मुद्वार पुन्न श्री एच० एस० मुद्धर निषासी मकान नं• 3327, सैंक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़। (श्रास्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीस्त सम्पत्ति के भवंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्तन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वंद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरूताकारी के पाम विश्वित में किए जा सकते।

हरक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त प्रधिनियम के प्रक्षाय 20-क में परिवाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ध्रक्षाय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं० 2040, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ । ज्यायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़, के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 150, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 10 विसम्बर, 1980

शिंग खाईके टीक एम**ा गर्मा**क

अध्यक्कद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-्ष (1) के अधीन सूचना

भारतं । सरकार

काय लिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, म्रायकर भवन, सुधियाना लक्षियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० मी० एच० डी०/27/80-84-- महाः न्युक्तः, सुबदेव चन्दः,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसमें इसके प्रकार उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- ख के अभीच सक्षम प्राधिकारी को, यह ज़िस्त्राम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूर्व्य 25,000/- र. सं अधिक है

प्रोर जिसकी सैंव प्लाट में व 204, है तथी जो सैंबटर 35-एवं बेर्ण्डीगेड्र में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजिस्ट्रीकरी ग्रीविकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिविनियम, 1908 (1908 की 16) के प्रधीन, तीरीख ग्रीपें, 1980

का पृथिक का 16) में अवाग, ताराख अजल, 1500 का पृथिक संग्राति के जीवत बाजार मूर्ज्य से कम के खयमान प्रतिफल के लिए जेलीरत की गई है और मूझा यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्व के सम्मति का जीवत जाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रविद्या से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए त्य पीयों गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेदियों से अपेस अन्तरण लिखत में विस्तिविक रूप से अभिया नहीं विस्ता भया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करि, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनिम्प्यः 1922 (1922 का 11) या उन्ने अभिनिम्प्यः या धन-कर अभिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अंतः अबं, उम्रतं अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्निजिसित व्यक्तियों क्यांत्ः कर्

(1) खी कुलदिशः सबी पुतः व्यी साल चन्द द्वारा उनकी स्पैशल ग्रदारनी श्री एस० के० सिंगला पुत्र श्री सीरी राम, निवासी मकान नं०, 1222, सैक्टर,

(अन्तरक)

(2) श्री जिन् एसन सरवाना पूछ श्री जे० एस० सरवामा निवासी 3079, मैक्टर 31-डी०, चण्डीगढ ।

(प्रातिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्युवाहियां कुरता है।

उक्त संस्कृति के अर्थन के सम्बन्ध में कोहां भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विता की अवधि या तस्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील को 30 विशे की अवधि , को भी तब्दी खाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस मुक्का की राजपण में प्रकाबिन की तारींच से 100 45 दिवा के मीतर उपत स्कावीर बंपरिता में दित-असद्भू किसी अन्य व्यक्तित दवास मधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पत्तिकरणः--इसमें प्रमुक्ता संदर्धी और पर्यो का, जो उन्ते - जिन्दिनकर के बच्चार्य 20-क में परिभागिता है, वहीं अर्थ ग्रोगः जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

प्राप्ताह में 204) सैनटर, 35-ए०, चण्डीगढ़। पित्र (ज्याप्रवाद जैसाकि: रिजर्स्ट्रीकर्त ग्रीविकारी चण्डीगढ़, कि कीयिविध के विलिख संस्था ने 107, ग्रीप 1980 में वर्ज है)

मुखदेव चन्ध महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) :श्रर्कन रेज, लिधयाना

हिनांक ; 1,0, दिसम्बद्धः ा. 1,0,80 मोहर: प्रकप बाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालम, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रारकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक, 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/21/80-81--- प्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अग्रीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्म 25,000/- द॰ से अभिक है

मीर जिसकी से रिहायशी प्लाट नं 1052 है तथा जो सेक्टर 36-सी , चण्डी गढ़, में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता मिश्र-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रिजस्ट्रीकरण मिश्रिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनोंक मप्रैल, 1980 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्दह भीतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्वरिता (अन्तरिताण) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय यथा गया गया प्रतिक का सिम्नितिकत उद्वेषय से उकत अन्तरण कि लिए तम गया गया प्रतिक कम से की थत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाम की बाबत, इक्त धाँध-नियम के घंडीन कर देने के धन्तरक के वाजित्व में कमी करने या प्रसंसे बचने में सुविज्ञा के जिए; धीर/या
- (ख) ऐमी किसी आय या किसी धन या धन्य आहितयों को जिन्ह भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सब, उनत धिवियम की बारा 269-म के धनुसरण में, में, उनत पिवियम की बारा 269-व की उपछारा (1) के प्रधीन निम्मसिबत व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मेजर शान सिंह पुत्र की ईशर सिंह, गांव व छाकखाना तबन वाध, तहसील मोगा, जिसा फरीदकोट ।

(अन्तरक'

(2) श्रीमति प्रकाश कौर पत्नी श्री सुच्या सिंह जौहल, गांव व डाकखामा जौहल, तहसील फिल्लीर, जिला जालन्धर ।

(ब्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाकेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की भवधि या तत्र्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, वो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अखेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का. जो शक्त भिष्ठित्यम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्र**मुस्**ची

रिहायशी प्लाट मं० 1052, सेक्टर, 36-डी०, चण्डीगढ़। (जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 72, अप्रैल 1980 में वर्ज है)

> सुस्रदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर, ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, सुधियामा

दिनांक : 10 दिसम्बर, 1980

प्रकम बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायूक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियामा, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं०एस एम एल०/1/80-81---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के 'प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी जायदाद नाम "ग्राउटर विला" है तथा जो स्टेगन वार्ड, खछोटा शिपला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के प्रधिकरी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 का (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख ग्राप्रैल 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, खक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियों, प्रयति :--- (1) श्री कृष्ण चन्द चोपड़ा पुत्र श्री ज्ञान चन्द चोपड़ा निवासी बी-36, गीतांजली कालोनी, नई दिल्ली व श्रोमती कृष्णा चोपड़ा विधवाय कुमारी खषा चोपड़ा व रनजी चोपड़ा पुत्र प्रकाश चन्द एन/12, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री म्नात्मा राम धनीस पुत्र श्री मेद राम मारफत श्री मंगत राम धनीस, मैनेजर, टुरोजम डिपार्टमैन्ट, शिमला।

अन्तरिती

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-कदा किसी अन्य श्यक्ति द्वारा सधोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नाम ''म्राऊटर विला'' स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या० 270, भ्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 10 दिसम्बर, 1980

मोहरः

प्रकार साई • की • प्रत • एस •---

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

बुधियाना, विमांक 10 विसम्बर, 1980

निदेश सं० सी एच डी/44/80-81/--श्रतः मुझे सुखदेव चन्द बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 400, है तथा जो सेक्टर 38-ए, चण्डी-गढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की पई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन क'र देने के अन्तर्रारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियोन में सुविधा के लिए;

भतःअव, उस्त पश्चिमियम, की धारा 269-ष के अमुखरण में, में, उस्त प्रविनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के बद्यान निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- ।(प) ल्क्कीमिकि एको०शएक०श्युलाटी पत्नी किशन चन्द बी-IV-17,0 श्रकालसर,रोइ, मोग्राः।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेण गर्ग, एडवोकेट पुत्र श्री दिलाराम गर्ग निवासी 3297, सेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यहें पूर्विकी जारी करके पूर्विवेत संस्थित के जर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उनत सहगुति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशम की तारी के 45 दिन की मयदि पा तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के 30 दिन की भयि। को भी भवि बाह में समाप्त होती हो, के भी तर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशम की तारीख़ां से ,45 दिन के भीतर उद्गा स्थावर सम्प्रति में हित-बढ़ किसी पन्न व्यक्ति द्वारा स्वाहस्ताकरी के पास लिखित में किए का सकतें।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त जरूरों भीर पद्दी का, जी उक्त व्यविनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भूषे होगा, जी उम सक्ष्याय में दिया गया है।

भनुसू हो।

> सुखदेव जन्द सुक्षम **श्रविकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दियोक: 10'दिसम्बर 1980

ात्रक्**ष आर्थकदी क्रम क्**रस्थ →

्रमस्कर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीत सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, शुधियाना

भुधिमाना, दिनांक 10 विसम्बर, 1980

निदेश सं० सी एच डी/14/80-81/—श्रतः मुझे सुखदेश चन्द अग्रवंकर अधिनियंग, 1961 '(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बहुतात् 'अवस अधिनियंग' कहा चया है'), की धारा 269-ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वतास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इचित बाजार मूल्य 25,000 रु से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एस० सी० ग्रो० नं० 1112-1113, है तथा जो सेक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रूप्कीगढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम, तारीख श्रील 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिक्त) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्हिनिजित स्वृद्धिय से उद्धत अन्तरण विद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्था) एंसी किसी जाय सा किसी भन या अध्या आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारी (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु :---

- न: ' (i)' औं जोतिक भिष्ठ वंगा पुत्र श्री निरंजन सिंह
 - (ii) श्रीमृति, विमलजीत कोर, मुत्ती श्री जोगिन्द्र सिंह
 - (iii) कुमारी रीतू वंगा (माइनर) पुत्री श्री जोगिन्दर वंगा द्वारो उसके पिता श्री जोगिन्द्र सिंह वंगा, निक्रमी अकान नं ा2ा राज्या; व्यण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
 - 2. (1) श्री रोशन लाल पुत्र श्री खान चन्द
 - (ii) श्रीः खात सन्द्रः पुत्रः भवि । महराक्तः । स्थम
 - (iii) श्री वीखला पुत्र श्री खान चन्द, निवासी मुकान नं 3386, सर्वेट्स 23, वर्ण्डीगर्ढ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह शुक्रवानिजाती सारको पूर्वाक्तः सम्परित को व्यर्कन क्रोरिसर् कार्यकाहियां क्रास्ता हो है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपंत्र को प्रकार की तासी करिया कि प्रकार की जबिश या जनसम्बन्धी का निक्रमां को उपनित्र की का निक्रमां की किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति का निक्रमां की किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति का निक्रमां की किसी व्यक्ति व्
- (सं) इस स्वामा के साजपत्र में प्रकाशन ाकी तार्यका है। अवश्री विकास के भीवार सकत क्यावर अंतरिता में किया-विकास किसी अन्य स्थाविक प्रवास, असावस्त्रकार है के पास विकास में किए जा सकत्ते।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित श्रृही, श्रृही कुर्ध होगा जो ससः अभवाय में दिया सम्बद्ध हैं।

⊹अन्सुकी

एसल मी ब्रमोल तंत्र 1112-1113, सेक्टर 22-वी, चण्डीगढ़ (जायधाद जैसा कि रिमास्ट्रीकर्ता अधिकारी जण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या मंत्र 52, श्रमेंच 1980 में बर्ज है)

> ्रमु**खदेव चन्द** सक्षमे प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **लुधियाना** ।

द्रिप्संबर : 10 क्रिस्म्बर, 1980.

प्रकम साई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याखय, सद्भायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० सी एच डी/5/80-81/— मतः मुझे सुखदेव चन्द पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं भौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट मं० 3031, है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत्ति से शिक्षक है और अन्तरक (अन्वरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति जिला में वास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त सिक्षि-नियम, के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी पाय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धनकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, ग्रंब, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के बनु-करण में, में, उन्त मधिनियम की धारा 269-च की उपचाराः (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यात् 1---

- (1) मेजर मदन सिंह पुत्र नारायण सिंह द्वारा उसकी भटारनी श्री गुरचरन सिंह पुत्र हजारा सिंह निवासी पानीपत जिला करनाल। (धन्तरक)
- (2) श्री वखत सिंह पुत श्री प्रताप सिंह, निवासी 2195, संक्टर 21-सी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घषित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घषित्र, जो भी घषित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्वव्होक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उसत घांध-नियम के घड्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्च होगा, जो उस घड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 3031, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (ज्यायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 11, प्रप्रैल 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारोख: 10-12-1980.

मोहरः

प्रकाश वाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के मंत्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी०/1/80-81---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-द॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 51 है तथा जो सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख भग्नैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से प्रविक है और पन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित छड्डेय्य से उन्त प्रन्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त क्रिकि-नियम के प्रधीन कर बेने के प्रन्तरक के दावित्य में क्रिकी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती छारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म को, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) सर्वश्री मदन लाल, कृष्ण लाल पुत्र श्री प्रेम चन्द निवासी मैसर्स मदन लाल ग्रोम प्रकाश, गंज बाजार, सोलन (हि॰ प्र॰)।

(धन्तरक)

(2) श्री जीत राम पुत्र श्री भगवान दास निवासी मकाम नं० 3443, सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की कदिय मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अप्तोहस्ताक्षरी के पास किजित में किसे जा सकेंगे ।

क्ष्यक्टीकरण । ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पनी का, जो एक्त अग्नि-नियम के अञ्चाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एस॰ सी॰ एफ॰ नं॰ 51, सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घिषकारी । चण्डीगढ़, के कार्या-लय के विलेख संख्या 5, प्राप्तैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, लुधियाना

विनांक: 10 विसम्बर, 1980

प्रकृष, मार्देश दीव एतं एस कार्या

भविकर भौतिनयम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-भ(1) के भ्रधीन सूर्यना

भारकः सरकारः .

कार्यालय, सहायेक ग्रायकर भायको (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियोमा, स्निक्ति क्षेत्र दिसम्बर्ध 1986

निदेश सं० सी एथ डी०/19/80-81—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र भाकर ए खेडिनिके में 98% ई 1961 का खेडिं (जिल्हा इसमें इसके पश्चात उन्त प्रधिनियमं कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सर्वीम प्राधिकीरी की, यह विश्वास करने का विकास है। कि स्थाप है। कि स्थाप कि प्राधिकीरी की, पिह विश्वास करने का विकास है। कि स्थाप के स्

मीर जिसकी से मिकिन ने 3088 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (मीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणात है), रिज़स्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिज़स्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मिलिन 1980 के जीवत बाजार मूल्य से कम के दुग्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मुझे उसके वृद्यमान अतिकल का प्रमुख उसके वृ

तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त ग्रिवियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/क्रिक्त्या
- (ल') मिलिंगिकिपी श्रीपं विशेषित धन की अपी श्रीसित्यों की जिन्द्र जिल्हें प्रिक्षित श्रीकिप्त में श्रीधिनियम, पर्व b22 (1922 की निप्त 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ामक्रातिक्षक उन्हें अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में। मैं, उन्हें प्रधिनियम की घारा 200-मा भ्योगा उन्हों। के अधीन निम्नलिखिन स्यक्तिमों, अर्थात्:—— ्(ा)' श्रीक्षेत्रस्थात विक्र भस्ता पुत श्री माहिन्द्र सिंह मल्ला निवासी ए/ा, नारायण विहार, रिंग रोड़, नई विल्ली-28।

(भ्रन्तरक)

(१**४)** श्रीपेति न**रि**क्षः कोर पंत्तीः श्री गुष्टमीकः सिहः मधान नं ० 11७2; सेषटर 34-तीः चण्टीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

कोर्तः सह असुन्नातः आस्त्रः करके पूर्वोत्तवः सम्मक्तिः क्षेत्रं आर्जनः स्त्रेत्रः लिक्कुकार्णनाहियां कारताः हुं ।

उने सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीप--

- (क) इस्त ब्रूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीका सें 45 दिना की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनी की तामीका के 30 दिना की ध्रविका की विकासि प्रविध बाव में समाप्त होती हो; के भीतर ्यूनीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दादा ;
- (क), इस सूचका के राज्यस में प्रकाशन की तातीश से 45 जिस के भीतक जनत स्थानक सम्पन्त में जित्तस्य, किसी जन्म स्थानित जारा, सम्पेत्ताकरों के प्रस लिखित में किए जा सक्ये।

स्पर्कत्विक्रूरणः - इसमें प्रयुक्त श्रम्दी धीर पदी का, जी जब्से मधिनियम के मध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 3088, सेक्टर 35-ही, वण्डीगढ़। (स्मास्माक, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, चाडीगढ़ के कार्यांक्य के त्रिलेख संख्या 67, प्रमेख 1080 में दर्भ है)

> ासुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिवस्मिक्तः 1,0 *दिसस्य* ह_{ाः} **,980**, । मोहरः

प्रकप धार्ष व टी । एत । एस ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी०/9/80-81—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं अस्तान नं 40 है तथा जो सेक्टर 9-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कयिलय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रपैल 1980

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक स्वय से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/गा
- ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अथितः -- 17—426G I/80

- (1) श्रीमित राज रानी भसीन पत्नी श्री श्राक्षोक कुमार निवासी श्रार-186, पेटर कैलाश, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रितपाल सिंह पुत्र श्री किशन सिंह व श्रीमित टहल कौर द्वारा श्री प्रितपाल सिंह, निवासी मकान नं डी-2/39, विद्या सागर एवन्यू, दुर्गापुर-5। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मकान नं० 40, सेक्टर 9-ए, चण्डीगढ़।

(जायबाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 32, अप्रैल 1980 में दर्ज हैं)

मृखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 दिसम्बर, 1980

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी०/34/80-81—यतः, मुझे, मुखदेव बन्द आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपये से धिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 3111 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रीर इससे उपायद्ध भ्रमुस्ची में धौर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रमुल 1980

को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्णास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत प्रिष्ठ-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर घिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः व्याप्त विकास विकास की धारा 269-ग के चनुतरण में, में, उन्त मिनियम की घारा की 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत:--- (1) श्री भारत भूषण पुत्र कृष्ण वन्द्र भारद्वाज द्वारा घटारनी किशन सिंह पुत्र जीवा सिंह, निवासी 2064, सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित मनजीत कौर पुत्री स० बलदेव सिंह, द्वारा उसकी घटारनी स० बलदेव सिंह, 3475, सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्रविकर्ग:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

्लाट नं० 3111, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 161, अप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, लुधियाना

विनांक: 10 विसम्बर, 1980

प्रकप आई • धी • एन • एस •----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एचं डी०/30/80-81—श्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्राधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1612 है तथा जी सेक्टर 36-डी, खण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रग्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्येग्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिन नहीं। किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) कैन्द्रन यू० एस० राना पुत्र स० प्रताप सिंह 49 एडी रेजमेन्ट मारफत 56 ए० पी० ग्रो०

(भ्रन्तरक)

(2) सरदारनी ईशार कौर पत्नी स० श्रमर सिंह निवासी तलवण्डी भिण्डरां वी. पी. बीज्, जिला गुरदासपुर द्वारा श्री प्रीतम सिंह भिण्डर।

(ग्रन्तरिती)

को यह नूबना जारो करक पूर्वीकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करना हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की अरीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की ठारीख से
 45 दिन के मीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

'लाट नं० 1612, सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 122, ग्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> मुखपेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 10 दिसम्बर, 1980

प्ररूप भाई । टी • एन • एस • ----

न्नायकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा, 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण**) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी०/26/80-81---यत:, मुझे, मुखदेव चन्द प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 350 है तथा जो सेक्टर 38-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में

और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से दुई किसी ग्राय की बाबत, उन्हें भिन्न-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए कोर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रम्य शास्त्रकों की जिन्हें भारतीय धाय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उनते ग्रमिनियम की बारा 269-ग के ग्रमुखरूक में, में, उनते ग्रमिनियम की धारा 269-म की उपग्रारा (1) के अधीन निब्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्री कृष्ण कुमार भर्मा पुत्र मदन मोहन लाल द्वारा उसकी ग्रटारनी श्री बलदेव कृष्ण निवासी 3067, सेक्टर 15-डी, भण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित शान्ता शुमारी पत्नी श्री बलदेव कृष्ण निवासी 30.67, सेक्टर 15-डी, चण्डीगढ़। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के धर्जन के चिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सध्वन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की दारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 यूजना की लामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के मीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

हमार्थाः स्वाप्त स्वा

घमुसूची

प्लाट नं० 350, सेक्टर 38-ए, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्या-लय के बिलेख संख्या 103, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव धन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 दिसम्बर, 1980

प्रारूप आई • टी • एन • एस • -----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व (1) के घष्टीन सूचना

थारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना सुधियामा, विमाक 10 दिसम्बर 1980

निदेण सं० सी एच डी०/28/80-81—यत:, मुझी, मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) (जिसे इसमें इसके वश्चाल 'उन्त अधिनियम' कहा नया है), की आशा 269-ज के प्रधीन सभन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एक से भ्रष्टिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 460 है तथा जो सेक्टर 15-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (धौर इससे उपावक्क ध्रमुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (चन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए था छिपाने में भूषिशा के जिए;

अतः अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जनत प्रधिनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री कस्तूरी लाल मल्होत्रा पुत्र श्री शिव राम, निवासी मकान नं ० 1176, सेक्टर 8-सी, षण्डीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लीला देवी पत्नी श्री निशान सिंह भावरा मारफत चमन लाल शर्मा मकान नं० 631, सेक्टर 9-बी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपळ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घट्टी, जो भी प्रविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्धोहस्ताकारी के पान लिखित में किए जा नकीं।

स्वध्दीकरण:—इसमें प्रमुक्त कन्दो भीर पदों का, जो छक्त प्रश्नित्यम के भ्रष्ट्याय 20क में परिचाषित है, वहीं धर्ष होना, को उस अच्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 460, सेक्टर 15-ए, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजिश्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 108, ग्रिपेल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनोक: 10 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी०/4/80-81—यतः मुझं, सुखदेश चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 508 है तथा जो सेक्टर 33-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख भनेल 1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हा और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—~ (1) श्री माहिन्द्र सिंह पुत्र श्री खाजान सिंह, 33, हुक्म सिंह रोड, श्रमससर (पंजाब) ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ करनवीर सिंह पुत्र श्री सुगन सिंह मारफत भार्युवैदिक डिस्पैन्सरी, सेक्टर 28, चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वा कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

प्लाट नं० 508, सेक्टर 33 बी, चण्डीगड़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 10, ग्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 दिसम्बर, 1980

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल डी एच०/14/80-81—यत: मुझे, सुखदेव चन्द बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्लाट नं० 1 एम-1/ए 2 है तथा जो हरनाम नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूग से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकरी के कार्यालय, लुधि-याना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वाक्त संपहित के उचित बाजार मृख्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपहित का उचित बाजार मन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल गं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरितियों। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अश्रीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थातः---

- (1) श्री करनैन सिंह पुत्र श्री जबाहर सिंह मारफत मैंसर्ज भगत साईकिल इण्डस्ट्रोज, गिल रोड, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्रोमति कुलदीप कौर पत्नी श्री बलवन्त सिंह निवासी 264, नया मार्डल टाऊन, लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को **बहु तुच**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस म्लाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्त्वी

प्लाट नं० 1एम-1/ए2, हरनाम नगर, लुधियाना । (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ती घधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 297, ध्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ब्राय 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० एल डी एच०/9/80-81—यतः मुझे, मुखदेव चन्द्र आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से किंदिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-16-1161 है तथा जो मुहल्ला हरि पुर, गित रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ सन्मुचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, लुधियाना में, रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख श्राप्त 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (श्रा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रन, उक्त मधिनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपद्यारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सर्वश्री जीवन पाल, ग्रानम्द पाल व सतीण कुमार सारे पुत्र श्री मनोहर लाल, निवासी 738, गुलचमन गली. लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम कुमार चोपड़ा पुत्र श्री लाहौरी राम, तिवामी 5, कुन्दन नगर, माडल टाऊन, लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रग्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दी का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही ग्रार्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-16-1161, मुहल्ला हरि पुर, गिल रोड, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 108, ग्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 दिसम्बर, 1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, सुधियाना सुधियाना, विनांक 23 विसम्बर 1980

निदेश सं० एल डी एच ०/26/80-81---यत: मुझे, सुखदेव चन्द आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्ये से अधिक है भौर जिसकी सं० रिहायणी म० नं० बी-19-892/4ए (भ्रमर बिल्ला) है तथा जो सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन, सारीख भ्रप्रैस 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से इस के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए घन्तरित की वर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का परब्रह प्रतिवत यश्विक है और मन्तरक (मन्तरकों) और शन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नमिनित उद्देश्य से उन्त सम्तरम शिक्षित में नास्तिविक रूप से कवित नहीं किया गवा है।---

- (क) अन्तरण से धुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घमकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया क्या वा का क्या जावा चाहिए था, कियाने में सुविधा के बिए;

- (1) श्री कमल जीत सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह रिहामशी 892/4ए, ग्रमर विल्ला, सिविल लाईन, लुधियाना । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती खुशवन्त कौर सुपुत्नी श्री निरंजन सिंह रिहायशी लाल कर्ली, तहसील समराला, जिला लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पदों का, जो उन्त भिक्षित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

बनुसूची

(मकान नं० बी-19-892/4ए (ग्रमर विल्ला), सिविल लाईन, लुक्षियाना)।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, लुधियामा के विलेख सं० 543, मप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सु**खदेव पन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

प्रकल बाई । डींच एतच एतच-

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) की बारा 269-क (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर भावृक्त (निरीक्रण)
श्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल डी एच०/12/80-81—यतः मुझे, सुखदेव चन्द आयक्तर प्रधिनियम; 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्नात् 'उक्त प्रधिनियम' सहा गया हैं); की बारा 269-ख के अप्रीत सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका स्वित वाकार भूष्य 25,000/-ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी- -31 (पुरानमं) कि-12-223 (नया) है तथा जो प्रेम गली, करोनधुरा, खुधिकान में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से अणिक है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधिकान में, रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधिकान में, रिजस्ट्री-करण श्रधि-नियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1980 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मृत्य से अम के बुध्यमान श्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान श्रीतका से, ऐसे वृश्यमान श्रीतकत का पन्तद प्रतिकत से अधिक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्निक्तिक खेश्य से उक्त अन्तरक सिवित में बास्त्रविक रूप से किन पसे से क्या अन्तरक सिवित में बास्त्रविक रूप से किन पसे से अन्तरक सिवित में बास्त्रविक रूप से किन पसे से अन्तरक सिवित में बास्त्रविक रूप से किन पसे से उक्त अन्तरक सिवित में बास्त्रविक रूप से किन पसे से उक्त अन्तरक सिवित में बास्त्रविक रूप से किन पसे से उक्त अन्तरक सिवित में बास्त्रविक रूप से किन पसे से उक्त अन्तरक सिवित में बास्त्रविक रूप से किन पसे स्वास्त्रविक रूप से किन सिवा में बास्त्रविक रूप से किन सिवा में सास्त्रविक रूप से किन सिवा में बास स्वास्त्रविक रूप से किन सिवा में स्वास्त्रविक रूप से किन सिवा में सिवा स्वास है ।----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत उक्त धिवित्यम के श्राचीन कर देने के श्रान्तरक के दायित्व में कमी करने के उक्की वजने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का कम्य आवित्यों को जिन्हें भारतीय कायकर प्रविविद्यम, 1922 (1922 का 11) या धना अधिनिद्यम, या धनकर अधिनियम 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

अतः, अव, उन्त अधिनियम की बारा 249न के प्रमुक्तरण में, में, उन्ता प्रश्वितियम की बारा 289न की क्यारा (1) के अधीन निम्नेसिक्क स्पितयों, वर्षाहः—

- (1) स॰ मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री तरलोक सिंह रिहायणी 223, प्रेम गली, करीमपुरा लुधियाना। (ध्रन्सरंक)
- (2) श्री राम प्रकाश सुपुत्र श्री गुरिवस्तामल रिहायशी बी-12-223, प्रेंम गली, करीमपुरा, लुधियाना । (मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूजाँकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्वियां करता है।

ज्यात सम्पर्णि के अर्जन के तंत्रध के कोई जी अस्त्रेप:---

- (कः) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से।
 4 किन की अवधि का तरस्वादी व्यक्तिमों कर
 सूचना की तानील के 30 किन की सम्बद्धि जो की
 अवधि वाद में समाप्त होती हो; के बीतर पूर्वीकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजयक में प्रकाशन की शारीक से: 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्प्रास में दिसका किसी अन्य न्यतित कारा, व्यतित्स्ताकारी के पात सिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त खर्धि-नियम के अध्याच 20-क में परिवाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में विया गया है।

अनसकी

मकान नं॰ बी-II-31 (पुराना)/बी-12-223 (नया) प्रेम गली, करीमधुरा, सुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 208, अप्रैल 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्राधकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजेंक रेंज, लुक्किमाना

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आध. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल डी एच०/6/80-81---यतः, मुझे, सुखदेव जन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उपित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० म० नं० 142 रक्षवा 1753 वर्ग गज हैं तथा जो सरामा नगर, लुधियाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबस अनुसूची में भीर पूण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख अप्रील 1980

को पूर्वोक्स संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्योध्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तिमां अधीत्ः-- (1) विलेज हैलय और सैनीटेलन इम्बूसमैन्ट ट्रस्ट, लुधियाना मार्फत स० जागीर सिंह सुपुत निजत सिंह, चैयरमैन व मुख्यारेमग्य श्री हजूरा सिंह सपुत श्री गुरुचरन सिंह रिहानगी 6-सी सरामा नगर लु० श्रीर श्री अजैव सिंह सुपुत श्री जैमल सिंह रिहायणी ग्रीन मार्केंट साहनेवाल, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती समृत कौर सुक्ती श्री भवतार सिंह रिहायशी 142 एच, सरामा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यजीहरी करता है।

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत त्यूक्त के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि मा तस्य बन्धी व्यक्तियों पर सूनना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के उपलपक में प्रकाशन की तार्रील से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त, शब्दों ख़ौर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मकान नं० 142 एच, रकबा 1753 वर्गगण, सरामा नगर लक्षिकाना।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलख सं० 80, अप्रैल 1980 में दर्ज है)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

प्रकृष बाइ ० टी० एन्० एस०

आयकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के सभीतृ सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० एल डी एच०/28/8 0-8 1—यतः मुझे, सुखदेव अन्य आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित् जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० मकान नं० बी-19-1103एफ में हिस्सा है तथा जो टैगोर नगर, सिविल लाईन, लुधियाना ; में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान् अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फिल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बिह्त में वास्तिव्क रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्य) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बहुद/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-गु के अनुसुरण् मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः — (1) श्री बाल कृष्ण दास सुपुत्र श्री श्रीराम रिहायशी मकान नं ० 512, सैक्टर 16-ए, फरीदाबाद, खुद व मुख्य्यारेग्राम श्रीमती ऊषा रानी, कमलेश रानी, सुपुत्रियां श्री श्रीराम श्रीर बीबी स्नेष्ट लता भौर राज पाल नाबालिंग पुत श्री श्री राम मार्फत श्री श्री राम।

(मन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार जोशी सुपुत श्री वैश्व महाराज किशन रिहायशी 1103 एफ, टैगोर नगर, सिविल लाईन्स, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सृष्णा जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिग्र कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्रिरी के पास लिक्ति में किए जा सकते।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा पया है।

मन् सूची

मकान नं वी-19-1103एफ, टैगोर नगर में हिस्सा

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 560, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कुधियाना

दिनाक: 23 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आई. ठी. एन. एस.-

आवक्तर बाजिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बाजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्त)

धर्णन रेज, धायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निवेश सं० एल डो एच०/29/8 0-8 1/---- प्रतः, मुझे, सुखदेव चन्व खायकर बिधिषयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिन्यम' कहा गया है, की धारा 269-च के सदीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से अधिक है

भौर जिसकी सं० बी-19-1103 एफ रिहायशी जायदाद का हिस्सा है तथा जो दैगोर नगर, सिवल लाईन, लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुद्रा यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्म, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से बाधक है और सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति ∫ उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्वरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-शियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायित्व में कमी करने या उक्के बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिलिनियन, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनु-सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1 के अधीन निम्मलिखित अवितयों, अधीत् :--

- (1) श्री बालकृष्ण दास सुपुत्र श्री सिरी राम रिहायशी मकान नं 5/2 सैक्टर 16 ए, फरीवाबाद खुद व मुख्त्यारे-श्राम श्रीमती उमा रानी श्रौर कमलेश रानी सुपुत्रियां श्री सिरी राम श्रौर बीवी सनेहलता श्रौर राजपाल नाबालिक बच्चा श्री राम का मार्फत श्री राम (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रजय कुमार जोशी सुपुत वैद्य महाराज किष्ण रिहायशी 1103-एफ, टैगोर नगर, सिवल लाईन, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आखेप।--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की प्रविध पा तस्तंत्रंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध; जो की धविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर अनत स्थाबर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्वदक्षीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उत्तर पिछितियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19-1103 एफ, टैंगोर नगर, सिविल लाईन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्टिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 561, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

प्रकृष प्रार्देक शिक एतक एतक----

भागकर पश्चितियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269क (1) के मधीत मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, आयकर भवन, लुक्षिकाना लुधियाना, दिनोक 23 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सोएनडो०/2/80-81—यतः, मुझे, सुखदेव जन्द भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत भविनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से भिधक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 3499, है तथा जो सैम्टर 35-डी-, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अभैल, 1980

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से पश्चिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्व से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण ने हुई किसी साय को बाबत उनत सधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे अवने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी क्षण या प्रस्थ भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न प्रिविनियम, या धन-कर ग्रिकिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुकिशा के लिए;

अंतः, सब, स्वतं प्रधिनियमं की धारा 269-व के धनुसरण कें, में, उक्त प्रधिनियम की श्रारा 269-च की उपश्रारा (1) के अक्षीत, निक्मलिखन क्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्रो अगत राम कनकड़ मार्फत मैं० कृष्णा कैमी कल्ज, 5ए/2, एन० आई० टी० फरीवाबाट (हरियाणा)। (अन्तरक)
- (2) श्रोमतो पुष्पा मल्होला पत्नी श्री श्रोम प्रकाश मल्होला मकान नं० 3499, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़! (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तीरीखें सें 45 विक की भवित या तत्सम्बन्धीं क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवित, जो भी ग्रवित वार्त में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रास्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के मींवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलंबद किसी प्राप्त व्यक्ति हारा, अधोष्ट्रसाक्षरी के पास लिक्कित में किए जा संबेति।

पक्कीश्वरक :--इसमें प्रयुक्त संध्यों मीर पंचों का, जो उक्त प्रशिवियम के संध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्घ होगा, जो उस संध्याय में वियागया है।

प्रनुसूची

मकान नं० 3499, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के निलेख सं० 6, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है) ।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आई • टी • एन • एस •

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 23 दिमम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी/18/80-81---यस:, मुझे, सुखदेव फन्द बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिल्लका उचित बाजार भूस्य 25,000/- र. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं रेस्टोरैन्ट साईट नं 36, है सथा जो सैक्टर 30-सी, षण्डीमढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याख्य, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अप्रैल 1980

को प्रांक्त संपीत के उचित बाजार मृत्य ते कर के ध्रयमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपीत का उपित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच एते अन्तर्च के सिष् द्वा पाया क्या प्रतिक्ष का पन्ति सिक्त से अधिक है और अन्तर्च के सिष् द्वा पाया क्या प्रतिक्ष का सिक्त से वास्तविक क्या से कथित बही किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जींध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उन्ते ब्यने में सृविधा के बिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः गवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियुपों, अधित :--

- (1) श्री बलकोर मिंह कन्डा सुपुत श्री भगत मिंह रिहायणी मकान नं ० 14, सैक्टर ७-ए, चण्डीयद मुख्त्यारिम्नाम ग्राम श्री श्रमर नाथ रतन सुपुत श्री विद्या घर रिहायणी मकान नं ० 2115, सैक्टर 24-मी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्री संसार चन्द्र, खेम चन्द्र, ज्ञान चन्द्र, दौलत राम, सुपुत श्री बदरी राम मार्फत संसार चन्द खुद व मुख्त्यारे-ग्राम, रिहायणी मकान नं० 2115, सैक्टर 24-सी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्सरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में जकाशम की तारी खासे 45 विस की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाधित हैं, यहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

रैस्टोरैस्ट साईट नं० 36, सैक्टर 30-सी, चक्कीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रविकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 61, प्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> मुखबेब जन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, लुधियाना

विनांक: 23 दिसम्बर, 1980

प्रकप भाई• टी• एन० एस•-----

भायकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के मैंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी०/32/80-81—यत:, मुझे, सुखदेव चन्द प्रायकर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० ण्लाट नं० 1517, सैक्टर 33-डी है तथा जो चण्डोगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, घण्डं गढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरक से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिटन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या;
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों कि जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिष्ठिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनयम, या भ्रा-कर भ्रिष्ठिनियम, या भ्रा-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 259-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:---

- (1) लैं० क० हरचरण सिंह दुग्गल सुपुन्न श्री चतर सिंह दुग्गल रिहायशी 4 खान मार्कीट, न्यू दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री हरपाल सिंह सुपुत श्री प्रताप सिंह
 - (2) श्रीमती ईंग्बर कौर सिद्धु पत्नी श्री हरपाल सिंह रिहायणी इन्डो सर्विस सैन्टर, सैक्टर-30, चण्डीगढ़।

(भन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अपक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पवों का, जो उक्त श्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिचाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाट नं० 1517, सैक्टर 33-डी, घण्डीगढ़ । (जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी घण्डीगढ़ के विलेख सं० 154, अप्रैल 1980 में वर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

प्रस्प आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक, 23 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एस एम एन०/10/80-81—यतः मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जायदाद 1.61.88 हैं क्टंयर है तथा जो समाणा, जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, समाणा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रश्रैल, 1980 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ट्रयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निष्टित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--19—426G1/80

- (1) श्री मंगल सिंह सुपुत्र श्री लैहणा सिंह रियायणी समाणा, जिला पटियाला। (श्रन्तरेक)
- (2) श्री छज्जू राम सुपुत्र श्री चानण राम, मुखदेव प्रशाद, पवन कुमार, शाम बिहारी श्रौर प्रदीप कुमार सुपुत्र छज्जू राम रिहायशी समाणा, जिला पटियाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र.

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद रक्षमा 1.61.88 हैक्टेयर, समाणा, जिला पटियाला में ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समाणा के विलेख सं० 89, ग्राप्रैल 1980 में दर्ज है)

> ेमुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त ^०(निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

विनांक: 23 दिसम्बर, 1980

प्ररूप भाई० ठी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ध्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना दिनांक, 23 दिसम्बर, 1980
निदेश सं० पी टी ए०/5/80-81—यतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25.000/ रा० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा कोठी नं० 2 है तथा जो निहान बाग, बारादरी पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उनाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्णकृ रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकरण प्रिकारी के कार्याचय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की कई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिक्रल निम्मलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मलिकत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपान में सविधा के लिए;

सतः अञ्च. उकत अधिनियम की धारा 269-ग के. अनसरण में मर्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधिः निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री प्रेम सरूप सृपुत्र श्री वशेशर सरूप रिहायशी कोठी नं० 1140, मैंक्टर 15-बी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विद्या सागर, मोहन प्रकाश, कृष्ण मोहन सुपुत श्री राम गोपाल रिहायशी भकान नं० 2754, वगीची मंगला दास, पटियाला । (अन्तरिती)
- (3) श्रायकर ग्रधिकारी, कोठी सं० 2 निहाल बाग, बारादरी पटियाला । (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृवोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

कोठी नं० 2, निहाल बाग, बारादरी पटियाला। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के विलेख सं० 66, प्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> मृखदेव चम्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर, श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निदेश सं० के एच म्रार०/1/80-81---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उण्णित क्षाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है।

त्रीर जिसकी सं कान नं 108 है तथा जो फेस-II, मोहाली, तहसील खंरड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रप्रैल 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्णमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समास्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्णमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्णमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्ठिक नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायिस्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग क श्रनु-मरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क श्रधीन, निस्निजिखत स्यक्तियों, श्रर्थातः—- (1) श्रीमती नरिन्त्र कौर पत्नी श्री हरचरन सिंह, रिहायशी गांव तिऊड़, तहसील खरड़, जिला रोपड़ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री सुरिन्द्र कुमार रिहायशी मकान नं० 108, फैस-II, एस० ए० एस० नगर मोहाली।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्यति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कक्वों धौर पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भ्रनुसूची

मकान नं० 108, फेस- , मोहाली, तहसींक खरड़ जिला रोपड़ ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, खरह के विलेख सं० 42, भन्नैल 1980 में वर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

प्रकप शाई० दी० एम० एस०----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 241-म(1) के पक्षीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 23 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० के एच श्रार०/2/80-81—यतः मुझी, सुखदेव चन्द, आयकर अश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० रि० जा० नं० 547 है तथा जो फेस-], मोहाली (एस० ए० एस० नगर) तहसील खरड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, खरड में, रजिस्ट्री-करण ग्रिक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर प्रस्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दृई किसी आय को बागत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वागिस्व में कमी करने या अससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्रीमती प्रभा गगनेजा पत्नी श्री स्वंगवासी श्री राम लाल माता व प्राकृतिक गाडियन, नावालिग ग्राशु गगनेजा श्रौर श्रनुपम गगनेजा, रिहायणी म० नं० 642, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़ । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जोगिन्त्र पाल सिह, सुपुत्र श्री प्रताप सिह, श्रीमती अवतार पाल पत्नी श्री जोगिन्द्र पाल सिंह, रिहायशी गांव कोटली खुर्व, तहसील दसूहा, जिला होशियारपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके प्योक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

छक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई थी आक्षेप ।~

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंगंधी व्यक्तियों पर लुखना की तामी के 30 दिन की भविधि, जो भी घर्ति बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अवितयों में से किसा व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारी का में 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पव्हीकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों मोर पक्षों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

म॰ नं॰ 547, फेस-I, एस॰ ए० एस॰ नगर (मोहाली), तहसील खरड़, जिला रोपड़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, खरड़ के विलेख सं० 335, ग्रप्रैल 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

ल्धियाना, विनांक 23 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी०/33/80-81---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 214 है तथा जो सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिनं कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनं सम. 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 4 मई, 1980 का पर्योवन संपत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रांकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे खरमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण वो लिए तय पाया गया प्रति-फण निम्नीलिखत उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूजिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसर्थों अर्थात् :---

- (1) लैं० क० बी० के० मारवा सुपुत्त श्री के० के० मारदा 2 एन० पैरा मार्फत 56 ए० पी० श्रो० (श्रंतरक)
- (2) श्री ग्रो० पी० वर्मा सुपुत्र श्री लेख राज रिहायशी 26/7, पत्थ नगर, जंगपुरा, नई दिल्ली-14 । (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

ग्पण्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुची

रिष्टायमी प्लाट नं० 214, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ । (जायदाद औसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 155, भ्रप्रैस/मई 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक 23 दिसम्बर, 1980 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज I, एच ब्लाक, विकास भवन
ध्राई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण में हुई किसी भ्राय की वाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीतः --- .

- (1) श्री रामसिंह सुपुत्र हरजूसिंह ग्रौर कुलवत सिंह सपुत्र जगत सिंह केयर श्राफ प्रवेण राजेन्द्र कम्पनी, दरबारी लाल मार्किट, दिल्ली ग्रौर टोनीयो बाईगर सिंह सपुत्र रामसिंह । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बलवन्त कौर धर्मपत्नी एस० ऐस० मोगा निवासी जी-92 ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली (श्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी श्र्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय-20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

कृषि भूमि एरिया 4 बीघा 16 विश्वा खसरा नं० 612 (4-14), 613 क्षेत्रफल (0-1) 613 क्षेत्रफल (0-2) गांव गदईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं।

ग्रार० बी० लाल ग्रग्नवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 31 दिसम्बर 1980

संघ लो≒ पत्रा स्रायोग

नं।रिय

स्पेणल क्लाश रेलवे अप्रेंटिसेन परीक्षा 1981 नई दिल्ला, दिनांक 24 जनवरी, 1981

मं० एफ० 5/1/8 0/प० I(ख)—भारत के राजपत्न, दिनांक 24 जनवरी, 1981 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाणित नियमों के अनुसार यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्यास श्रप्नेंटिय के बदों पर नियुक्ति हेन, चयन के लिए मंघ लोक सेवा अपयोग द्वारा अगरतला, अहमदाबाद, (ऐजल), इलाहाबाद, बंगलीर, भोगाल' बम्बई, कलकत्ता, चड़ीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ला, दिसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजंद, (गोवा), पटिपाला, पटना, पोर्ट ब्लेश्वर, शिलांग, शिमला, श्रोतगर तथा विवेन्द्रम में 12 जुलाई, 1981 से एक परीक्षा लें जाएगंद।

श्रायोग यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने को ताराख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट किए गए उम्में दशारों को परिक्षा के समय सारणे तथा स्थान श्रथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए श्रनुबंध, I पैरा II)।

 इस परिक्षा के परिणाम के ब्राधार पर भरी जाने वासी रिक्तियों की अनुमानित संख्या— है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है:

इन रिक्ष्तियों में श्रनुसृचित जातियों श्रीर श्रनुसृचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए श्रारक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के श्रनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेण चाहने वाले उममीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्न पर सचिव, संघ लोक मेथा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए । निर्धारित आवेदन प्रपत्न तथा परीक्षा सेसंबंद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राणि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर हारा भेजी जानी चाहिए। मनी आर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्न आयोग के काउंटर पर नकद भगतान हारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

ा भरा हुमा आवेदन पत्न आवारयक प्रलेखों के साथ सिचवं संघ लें क पंता आयोग, धीलपुर हाउम, नई दिल्ली-110011 की 23 मार्च, 1981 (23 मार्च, 1981 से पहले की किसा तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकीबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेंघालय, अरुणाचल प्रदेश, गिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, विपुरा, मिकिम तथा जम्मू और कम्मीर के लहाख डिबीजन में रहने वाल उम्मीदवारों के मामले में ६ अर्थल, 1981 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवस्य भिजवा विया जाए या स्वयश्रायोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किमाभो आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेधालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, विपुरा, मिकिकम और जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों में आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 23 मार्च, 1981 में पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप ममूह, लक्षद्वेप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिकिकम और जम्मू एवं कश्मोर राज्य के लद्दाख डिवीजन में रह रहा था।

नोट:— -जो उम्मादवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन का प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन पत्न के मंगत कालम में अपने पतों में उस क्षेत्र से विशेष का नाम (अर्थात् असम, मेघ,लय, जम्मृ तथा क मीर राज्य का लहाख क्षेत्र) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो मकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

5. इस परीक्षा में प्रवेण चाहने वाले उम्मी दवारों की चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन पत्न के साथ रु० 36.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 9.00) का शुक्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक गुंपट के रूप में हो।

विदेण में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे श्रपने यहां के भारत के उच्च श्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भिर्मियति हो, के कार्यालय में निधीरित शुल्क जमा करें। जिससे यह "051 लोक सेवी श्रायोग पर क्षा शुल्क" के लेखा शीर्प में जमा हो जाए और उसकी रसीद श्रावेदन पत्न के साथ भेज दें।

जिन आवेदन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी छन्हें एक दम प्रस्वीकार कर दिया जाएगा। यह छन अम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा, जी पैराग्राफ 6 के श्रन्तर्गन निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं:

6. आयोग. यदि चाहे, तो, उस स्थिति में निर्धारित शृत्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 की अवधि में भूतपूर्व पाकिस्तान (अबवंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्था-पित व्यक्ति है, या वह बर्मा में वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलत: मारतं य व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है, या वह श्री लंका से वास्तविक एप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 की या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत श्राया है या प्रक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अर्धान श्रीलंका से मूलतः भारतीय व्यक्ति है जिसके प्रव्रजन करने की संभावना है श्रीर निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुक्क का भुगतान कर दिया ही किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे रू० 21.00 (श्रनुसुचित जातियों और अनुसुचित जन जातियों के मामले में २० 5.00) को राशि धापस कर दी जाएगी। किन्सु यदि नियम 6 के नोचे नोट 1 की गतौं के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मोदवार का आवेदन-पक्ष यह जूचना प्राप्त होने पर अस्वी-कार कर दिया जाता है कि वह आहंक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपयुक्त नोट के उपबन्धों की शतौं की अपेक्षाओं का श्रन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुक्त वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर प्रनय किसी स्थिति में श्रायोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापर्सा के किस. दावे पर न तो विश्वार किया जाएगा और नहीं शुल्क की किसी श्रन्य परीक्षा या चयन के लिए श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

- 8. उम्मीदवार द्वारा श्रपना माधेदन-पद्म प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापिस लेने के संबंध किसी भी श्रनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- 9. जैसा कि परोक्षा नियमावली के परिभिष्ट i में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था, सभी विषयों के प्रश्न पत्नों में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी ब्यौरे के लिए कृपया "उम्मीदवार-सूचना-विवरणिका" के प्रनुबंध [] का प्रवलोकन करें।

विनय झा, उप सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

ग्रनुबंध**—ा**

उम्मीदवारों को श्रनुदेश

1. अम्मीदवारों को चाहिए कि वे प्रावेदन प्रपन्न भरने से पहले नोटिस ग्रौर नियम ध्यान ये पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पान भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

त्रावेदन पत्न भेजने से पहले उम्मीदवारों को नोटिस के पैराग्राफ 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, ग्रंतिम रूप से चुन कर लेना चाहिए।

उम्मोदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को मामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्त् जब कोई उम्मादवार भ्रपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है तो उसने उक्त परोक्षा हेतु भ्रपने भ्रावेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सिविव, संघ लोक सेवा भ्रायोग को इस बात का पूरा भ्रीचित्य बताने हुए एक पत्र रिजस्टिं डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे भ्रनुरोधों पर गुणवत्ता के भ्राधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 12 जून, 1981 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को भ्रावेधन पत्न तथा पावती कार्ड भ्रपने हाथ से ही भरने चाहिए। श्रभूरा या गलत भरा हुन्ना भ्रावेधन-पत्न श्रस्वीकार किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि भ्रायोग द्वारा स्रावेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्न स्रादि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें भ्रावेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सरकारी नौकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले श्रौद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के श्रन्य संगठनों या निजी रोजगारों में पहले से काम करने वाले सभी उम्मीदवारों की श्रपने श्रावेदन-पत्र श्रायोग को सीधे भेजने चाहिए। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार श्रपना श्रावेदन-पत्र श्रपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है श्रौर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुंचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को श्रंतिम तारीख से पहले प्रस्तुन किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में भ्राकिस्मिक या वैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी था श्रस्थायी है सियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवचन (श्रंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से ग्रपने कार्यालय/विभाग के श्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए श्रावेधन किया है।

- 3. उम्मीदवार को श्रपने श्रावेदन-पन्न के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पन्न श्रवश्य भेजने चाहिएं :---
 - (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल श्रार्डर या बैंक ड्राफ्ड्रॅं (देखिए नोटिस का पैंरा 5)।
 - (ii) ग्रायुके प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि ।
 - (iii) ग्रौक्षिक योग्यता के प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि ।
 - (iv) उम्मीदबार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां। इनमें सेएक प्रति ग्रावेदन प्रपत्न पर श्रीर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक पर निर्धारित स्थान पर चिपका दी जानी चाहिए।
 - (v) स्कूल और कालेज में उम्मीदवार के शिक्षण काल का संक्षिप्त विवरण जिसमें उसकी शैक्षिक तथा खेलकृद

से मंबद सफलनाधों का उल्लेख हो तथा जिसे वह स्वयं भूपने हाथ से लिखे श्रीर उस पर हस्ताक्षर करे।

- (vi) जहां लागू हो बहां ग्रनुसूचित जाति/ग्रनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vii) जहां लागू हो वहां आयु-भुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणिस प्रतिलिपि । (देखिए नीचे पैरा 5 श्रीर 6)।
- (viii) उपस्थिति पत्नक (म्रावेदन-पत्न के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हम्रा ।
- (ix) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० स्नाकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिनपर स्नापका पता लिखा हो।

नोट:--- उम्मीदवारों को भ्रपने भ्रावेदन-पत्नों के साथ उपर्यक्त मद (ii), (iii), (vi) तथा (vii) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी है जो सरकार के किसी राजपत्नित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो अथवा स्थयं उम्मीदबार द्वारा सही रूप में मत्यापित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के श्राधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए श्रहंता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। लिखित परीक्षा के परिणाम सितम्बर 1981 महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इस प्रमाण-पन्नों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीद-बार उस समय भ्रपेक्षित प्रमाण-पत्नों को मूल रूप में प्रस्तृत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी श्रौर भ्रागे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा ।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (vi) और (vii) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4,5 और 6 में दिया गया है।

(i) (क) निर्धारित शुरुक के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पौस्टल आर्डर :— प्रत्येकपोस्टल आर्डर प्रनिवार्यतः रेखांकिस किया जाए तथा उस पर "सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग को नर्ड दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय" लिखा जाना चाहिये।

किसी श्रन्य डाकघर पर देयपोस्टल श्रार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विक्षित या कटे फटे पोस्टल श्रार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल भ्रार्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हम्पाक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मृहर होनी चाहिए। उम्मीदवारों को यह श्रवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल श्रार्डर न तो रेखांकित किए गए हों श्रीर न ही सचिव, संघ लोक मेवा श्रायोग को नई दिल्ली के जनग्ल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित गृल्क के लिए रेखां कित बैंक ड्रापट

वैंक ड्राफ्ट, स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की किसी शाखा से प्राफ्त किया जाए श्रीर सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग को स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत रेखांकिस किया गयाहो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे फटे बेंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) प्रायु का प्रमाण-पन्न:—प्रायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पन्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पन्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा प्रमुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो ग्रौर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रश्तुत कर सकता है।

श्रायु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंडली, शपथ-पव, नगर निगम से श्रीर सेवा स्रभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा श्रन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

श्रनुदेशों के इस भाग में श्राए हुए "मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न" वाक्यांश के श्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पन्न सम्मिलित है।

कभी कभी मैद्रिकुलेणन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या श्रायु के केवल पूरे वर्ष श्रौर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रतिरिक्त उस संस्था के हैंडमास्टर प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक श्रभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी जाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीणं की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक श्रायु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि श्रावेदन पत्न के सःथ इत प्रतुदेशों में यथा निर्धारित श्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गपतो श्रावेदन पत्न श्रस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी [:--जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पन्न हो, उसे केवल श्राय से सम्बद्ध प्रविष्ट बाले पृष्ठ की श्रिभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी II: उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि ग्रायोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि श्रावेदन पन्न प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पन्न म दर्ज है श्रीर उसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी श्रनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा श्रीर न उसे स्वाकार किया जाएगा।

टिप्पणी-III:— उम्मीदकार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनमें की तारीख एक बार घोषित कर देने और प्रायोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अन्मति नहीं दी जाएगी।

(iii) ग्रीक्षक योग्यता का प्रमाण पहः—उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र का अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजकी बाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारों (अर्थात विश्वविद्यालय या ग्रन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रसिलिपि न भेजी जाए तो उम्मोदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता में संबंद अपने दावे के समर्थन में कोई ग्रन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस प्रमाण के श्रीखित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि उम्मोदवार द्वारा श्रपनी गैक्षिक योग्यताश्रों के समर्थन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के इण्टरमी डिएट या कोई श्रन्य श्रह्क परोक्षा पास करने के प्रमाण पत्न में सभी उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिसिपल के इस ग्राग्य के प्रमाण-पत्न की श्रमिप्रमाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने श्रहेक परोक्षा गणित के साथ-साथ भौतिकी श्रौर रसायन विज्ञान में से कम एक विषय लेकर उत्तीर्ण की है।

जिस उम्मोदवार पर नियम 6(ग) या नियम 6 (च) लागू होता हो तो उसे अपनी शैक्षिक योग्यताश्रों के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विद्यालय के रजिस्ट्रार/कालेज के प्रिसीपल/संस्था के अध्यक्ष से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म में दिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए।

उम्मोदवार द्वारा प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फाम

प्रमाणित किया जाता है कि श्रे /श्रीमर्ता */कुमारी -----इस निश्वविद्यान्य/कालेज/संस्था के/की वास्तविक छात्र/छात्वः* है/थे/थे।

2. उन्होंने विवर्षीय डिग्रो कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/पंच वर्षीय इंजोनियरो डिग्रो कोर्स का प्रथम वर्ष की परीक्षा ग्रामीण उच्यतर शिक्षा को राष्ट्रीय परिषद की ग्रामीण सेवामों में विवर्षीय डिप्लोमा कोर्स का प्रथम परीक्षा जी———को समाप्त हुई, उत्तार्ण कर लाहै ग्रीर उन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित विषयों में से किसी में भा फिर से परीक्षा में नहीं बैठना है।

भ्रथवा

पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्रा कोर्स की प्रथम वर्ष की पर क्ष:
श्रेण, में उत्तार्ण कर लं. है।

- *3. उनके परीक्षा विषय निम्मलिखित थे:--
- 1.
- 2.
- 3.
- _
- *पं**चवर्षीय इं**जीतियरी <mark>डिग्रो कोर्स के विद्य</mark>ार्थियों पर लागृ नहीं होगा ।

(रःजिस्द्रार/प्रिसिपसः के हस्ताक्षर) (विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था का नाग)

कारीख----

*जो मञ्द लागू न हों उन्हें कृषया काट दें।

जिस उम्मीद्रवार पर नियम ६ के नाचे दिया गया नोट । लाग् होता हो जिस संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिसिपल/ हैडमास्टर से लिए गए इस ऋामय के प्रमाण-पन्न की ऋभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि इसके कुल प्रक विश्व विद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या हिसीय श्रेणी की अंग सीमा के ग्रंतगत शाते हैं।

नोट:—-यदि कोई उम्मीदवार एसा परीक्षा में बैट चुका हो जिसस उत्तीणं कर लने पर कह इस परीक्षा में बैटने का पात हो जाता है पर प्रभो उसे परीक्षा के परिणाम की सृष्या न मिली हो तो ऐसी स्थित में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आबेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इक प्रकार की क्रहेंक परीक्षा में बैडना चाहता हो वह भो आवेदन कर सकता है। किन्सु हेंके उम्मीदवार इक प्रकार है। किन्सु हेंके उम्मीदवारों को निम्निक्तिक निर्धारिक फार्म में सम्बद्ध कालेज/संस्था प्रितिप्ल सेएक प्रमाण पत्र को अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि वे प्रन्य शत पूरो करते हों तो उनको परीक्षा में बैटने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अमुमति अनंतिम मानी जाएगी यदि वे प्रहक परीक्षा में उत्ते की यह अमुमति अनंतिम मानी जाएगी यदि वे प्रहक परीक्षा में उत्ते हो से पहले प्रस्तुत नही करते तो यह अमुमति रह की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की धनुमति प्राप्त उम्मीदवार की नाहे वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो प्रथवा नहीं उपर्युक्त प्रविध के भीतर प्रहंक परीक्षा पास वरने का प्रमाणपत प्रस्तुत करना होगा। इस अनुदेण का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारी रह कर दो जाएगा और वह अपना परिणाम जानने का प्रधिकारी नहीं होगा।

उम्मादवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पक्ष का कार्स

प्रमाणित किया जाता है कि श्रो _{रि} श्रोमकः	*कुमारो	
मुषुष्र/* मुषुष्री		
विषय लेकर		ारा संच्या लित

परोक्षा में	भास 1 9
में बैठने धाले/वालीं है से	ठ चुके/चुकी* है :
(i)	
(ii)	
(iii)	
(iv)	
(v)	€ ♣
	प्रिसिपल के हस्ताक्षर
	(कालेज/संस्था* का नाम)
तारीख	
स्थान	
*जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।	
(iv) फोटो की दो प्रक्तियां:	उम्मीदवार को भ्रपने हाल हो

(iv) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को प्रपने हाल हो के पास पोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० भी०×7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां श्रवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति ग्रावेदन पत्र के पहले पूट्ठ पर चिपका देनी चाहिए भीर दूसरों प्रति उपस्थिति पत्र पर निर्धारित स्थान पर लगा देनी चाहिए फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी वी जाती है कि यदि कोई धावेदन-पत्न उपर्युक्त पैरा 3 (ii), 3(iii), 3(iv) तथा 3(v) के श्रन्तर्गत उलिखित प्रमाण पत्नों में से किसा के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और इसे न भेजिन के लिए कोई छचित स्पष्टाकरण नहीं दिया जाता तो स्रावेदन-पन्न धस्थोकृत किया जा सकता है तथा इसका सस्योकृति के लिए अपील पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मोदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसृचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस किले के जिस में इसके भाता पिता (मा जीवित माता या पिता) आमसौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मंडल अधिकारी या या निम्नलिखित किसा अन्य ऐसे अधिकारी से, जिससे संबद्ध राज्य सरकार ने यह अमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, मीचे दिए गए फार्म में दिए गए अमाण-पन्न की अभित्रमाणित/अमाणित अतिर्लिप अस्तुत करना चाहिए। यदि उम्मोदबार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह अमाणपन्न जिले के अधिकारों से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाल अमुसूचित जाति और अमुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपक्ष का मार्गः--

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (भ्रमुमुखित जन जातियां) ग्रादेश, 1950*
संविधान (अनुसुखित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) श्रादेश, 1951*
संविधान (अनुसुखित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेश,
1951*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचों (आशोधन) आवेश, 1956, बम्बई पुनर्गठम अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठम अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 तथा अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू भौर कश्मीर) भनुमुचित जातियां भादेश, 1956* संविधान (अंडमान भौर निकोबार द्वीपसमूह) भनुसूचित जन जातियां भादेश, 1959* भनुसुचित जाति तथा भनुसुचित जन जातियां (संशोधन) अधिनयम, 1976* द्वारा यथा संगोधित

संविधान (दादरा थाँर नागर हवेली) श्रनुसूचित जातियां श्रादेण, 1962*

संविधान (पांडिचरो) अनुसूचित जातियां आदेण, 1964*
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*
संविधान (गोआ, दमन और दोयु) अनुसूचित जातियां आदेश
1968*

संविधान (गोमा, दमन भीर दियु) अनुसूचित जन जातियां भादेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुमुचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्रोश्रामतो/कमार्ग	* ————————————————————————————————————
उनका परिवार श्रीमतीर	से गांव/कस्बा ^क
	हस्ताक्षर
	पदनाम
	(कायलिय की मोहर)

राज्य*/संच राज्य क्षेत्र

*जो मन्द लागू न हो उसे काट दें।

नीट:—यहां "श्रामतौर से रहतें।/रहते हैं" का अर्थ वहीं होगा जो "रिप्रेजेंटेशन भाफ दि पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है। अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण पन्न जारें। करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मजिस्ट्रेट/प्रांतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट_।कलैक्टर_/ डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टः कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम

श्रेण। का स्थाई स्टाईपेंडर। मैजिस्ट्रेट/सिटा मिजिस्ट्रेट/सबी विवाजनले मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जोक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा श्रसिस्टेंट कमिश्नर।

(प्रयम श्रेणों के स्टाईपैंडरी मैजिस्ट्रेट से कम भोहदे का नहीं)।

- (ii) चांक बेनिइंसो मैजिस्ट्रेट/एडोणनल चाक प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंन्सो मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवन्यु भ्रफसर जिनका श्रोहदा तहसोलदार से कम न हो।
- (IV) उस इलाके का सबडिवाजनल और जहां उम्मोदवार स्रोर/या उसका परिवार स्रामतौर से रहता हो।
- (V) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डबलपमेंट श्रक्सर, लक्षद्वंप।
- 5. (i) नियम 5 (ख) (ii) प्रथवा 5 (ख) (iii) के प्रन्तर्गत प्रायु में छूट और या नोटिस के पैरा 6 के प्रनुसार शुल्क से छूट का वावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बंगला देण) में विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसं, एक सं लिये गर्थ प्रमाण-पत्र की प्राधिकारियों में से किसं, एक सं विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बंगला देश) के वास्तिवक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 9964 और 25 मार्च 1 971 के बीच की भ्रविध में प्रवजन कर भारत ग्राया है—
 - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रो ग्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमार्डेट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रंट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) सम्बद्ध जिले में शरणार्थी पुनविस कार्य के प्रभारे। ग्रितिरक्त जिला मैं जिस्ट्रेट।
 - (4) प्रपने हो कार्यभार के अधोन सम्बद्ध सब-डिकीजन का सब-डिकोजनल श्रफसर।
 - (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास, भायुक्त पश्चिमा बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।
- (ii) नियम 5 (ख) (iv) प्रथमा 5 (ख) (v) के प्रन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के प्रमुसार गुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रालंका में प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च प्रायुक्त के कार्यालय से लिये गये इस ग्रागय के प्रमाण पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तुबर 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के प्रन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत श्राया है या आने वाला है।
- (iii) नियम 5 (ख) (vi) मथवा 5 (ख) (vii) के अन्तर्गत आयु में छूट भौर/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार णुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतः य राजदूतावाल रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पन्न की स्राभ-

प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतं य नागरिक हैं जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है, श्रथवा उसे जिस क्षेत्र का निवासी हैं उसके जिला में जिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्न की एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह बर्मी से श्राया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है भौर 1 जून, 1963 को मा उसके बाद भारत श्राया है।

(iv) नियम 5 (ख) (viii) अथवा 5 (ख) (ix) के अन्तर्गत आयु सामा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मोदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिवेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नाचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्न का अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह व्खिलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशो शत् देश के साथ संघर्ष में अथवा अर्णातग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ। और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मादवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्मः
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट————————————————————————————————————
रक्षा संबाधों में कार्य करते हुए विदेशी शब्द देश के साथ संघर्ष में/ श्रशान्तित्रस्त क्षेत्र* में फौजं: कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए भौर उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए:
हस्ताक्षर
पदनाम
तारं ख

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(v) नियम 5 (ख) (x) अथवा 5 (ख) (xi) के ब्रन्गंत आयुसोमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक सामा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नोचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक शतुसा संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और पारणामस्वस्प निर्मृक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्मः
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट——के रैंक नं० ——
कीसीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971
के भारत पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विक
लांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए ।

हस्ताक्षर	
पदनाम	
तारीख	

(vii)नियम 5(ख)(xii) के श्वन्तर्गत श्रायु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी हो, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से श्राया हुश्रा वास्तविक प्रत्यावित व्यक्ति है श्रौर वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं श्राया है।

(VII) नियम 5 (ख) (XIII) के प्रन्तर्गत ग्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से श्राये हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी. जेरे ग्रौर इथियोपिया से प्रत्यावित भारत मूलक उम्मीदवार को उम क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाणपत्र की एक ग्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वास्तव में उपर्युक्त वेशों से श्राया है।

- 6. जो उम्मीदवार अपर पैरा 5 (i), (ii) ग्रीर (iii) में किसी भी वर्ग के नोटिस के श्रन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के ग्रनुसार गुल्क में छूट का दावा करता है, उसकी किसी जिला ग्रधिकारी या सरकार के राजपित श्रधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थित में नहीं है, इस ग्रागय का एक प्रमाण-पन्न लेकर उसकी ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. यदि किसी व्यक्ति के लिये पान्नता-प्रमाण पन्न (एलिजि-बिलिटी सर्टिफिकेट) श्राथण्यक हो तो उसे अभीष्ट पान्नता प्रमाण-पन्न प्राप्त करने के लिये भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) को श्रावेदन करना चाहिये।
- उम्मीधवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे भ्रावेदन-पल्ल भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें भ्रथवा किसी सही सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्न अथवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें श्रीर न उसमें कोई फेरबदल करें श्रीर नहीं फेरबदल किये गये सुठ प्रमाणपत्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण पत्नों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि श्रथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

- 9. भ्रावेदन पक्ष देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि म्रावेदन-पत्न ही भ्रमुक तारीख को भंजा गया था। भ्रावेदन-प्रपत्न को भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।
- 10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध म्रावेदन-पत्नों के पहुंच जाने की माखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को म्रपने मावेदन-पत्न की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये भ्रायोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये।
- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके भ्रावेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाणीध्र देंदी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। परन्तु यदि परीक्षा के गुरु होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार

को अपने आवेदन-पत्न के परिणाम की जानकारी न मिले तो उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. नियमों और प्रश्न-पत्नों से सम्बद्ध पुस्तिकायें-- स्पेशल क्लास रेलवे श्रप्रेंटिसेज परीक्षा, 1978 से इस परीक्षा की योजना से सम्मिलित सभी प्रथन-पद्मों के लिये वस्तुपरक प्रथनों के होने से इस परीक्षा के लिये नियमों श्रीर प्रश्न-पत्नों से सम्बद्ध प्रस्तिकाओं का छापना बन्द कर दिया है । किन्तु 1977 में हुए परीक्षा की पिछली परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्नों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं की बिक्री प्रकाशन, नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110054) के क्षारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल फ्रार्डर ग्रथवा नकद भुगतान द्वारा सीघे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने इम्पोरिया बिल्डिंग सी ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई विल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिकी काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा (iii) गवर्नमेंट म्राफ इंडिया बुक दिपो, ८ के० एस० राय रोड़, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकार्ये विभिन्न मुफस्सिल नगरों में । भारत सरकार के अकाशन एजेन्टों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. धावेदन पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहार—भावेदन पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र ग्रादि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग धौलपुर हाउस नई विल्ली-110011 को भेजे जायें तथा उसमें नीचे लिखा ब्यौरा ग्रानिवार्य रूप से दिया जाये।

- परीक्षा का नाम
- 2. परीक्षा का महीना और वर्ष
- रोल नम्बर भ्रथवा उम्मीदशार की जन्म-तिथि यदि रोल नम्बर मुचित नहीं किया हो
- 4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े झक्षरों में)
- 5. श्रावेदन पत्न में दिया गया पत्न व्यवहार का पता

ध्यान दें 1:--जिन पत्नों में यह ब्योरा नहीं होगा सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा :--- ।

विशेष ध्यान 2:—यदि किसी उम्मीदबार से कोई पत्न/संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व श्रनुक्षमांक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पते में परिवर्तनः उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पद्म में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्न आदि आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित क्यौरे के साथ यथा गीध दी जानी चाहिये आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरापूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस निषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

उपाबन्ध —II

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका

कः बस्सुपरक परीक्षण

श्राप जिस परीक्षा में बैटने वाले हैं "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में श्रापको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं हींगे। प्रत्येक प्रश्त (जिसको श्रागे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको श्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) श्रापको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य ब्रापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रशन पत्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, क्रम से संभावित प्रत्युत्तर लिखें होंगे। ग्रापका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही था यदि एक से ग्रधिक उत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (संत में विवे गए नम्ने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिए भ्रापको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि श्राप एक से श्रधिक चुन लेते हैं तो ग्रापका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए भ्रापको अलग से एक उत्तर पत्नक परीक्षा भवन में दिया जागा। श्रापको भ्रपने उत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर श्रन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जीचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्नक नियमावली के अन्त में (नम्ना संलग्न) में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, के अप में प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दशनि वाले आयात को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है जैसा कि संलग्न उत्तर पत्नक के नम्ने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्नक के आयात को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

*C Z D	(d)		[d]	Œ
رتع	ادعطا	(C)	دها	
3.	(تط		c a b	Œ

- 2. श्रगरं श्रापने गंलतं निषानं लगाया है ती उसे पूरा मिटा कर फिर से सहो उत्तर का निषानं लगा दें। इसके लिए श्राथ श्रपने साथ एक रबड़ भी लाणुं।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी श्रसावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट श्रादि पड़ जाएं श्रौर वह टेढ़ा हो जाए। घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम
- श्रापको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बोस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेण नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा गुरु होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की प्रमुमित नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पतक पर्यवेक्षक/निरीक्षक को सींप दें। श्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमित नहीं है। इन नियमों का उल्लंबन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।
- 5. उत्तर पत्नक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख भौर परोक्षण-पुस्तिका की ऋम संख्या स्याही से साफ-साफ लिखें। उत्तर पक्षक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।
- 6. परीक्षण पुस्तिका में विणे गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ते हैं। चंकि मृत्यांकन मशीन के द्वारा होता है इस लिए सम्भव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम ही जाएं अगर उत्तर-पत्तक पर कोई अविधिट संविष्ध है तो उस प्रकाल के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के विये गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग की आरम्भ या समाप्त करने की कह दें तो उनके अनुदेशों का तरकाल पालन करें।
- 7. श्राप श्रपना प्रवेश प्रमाण पत्न साथ लायें। श्रापकी श्रपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रवड़, एक पैंसिल शापनर श्रौर नीली या काली स्याही वाली कलम भीलानी होंगी। श्रापको सलाह दी जाती है कि श्राप श्रपने साथ एक ऐसा किलप बीर्ड या होई बीर्ड या काई बीर्ड लाएं जिस पर कुछ ने लिखा हो। श्रापको परीक्षा भवम में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ो, पैमाना या श्रापेका उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए श्रापको एक श्रस्य कागज दिया जाएगा। श्राप कच्चा काम श्रुक करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, श्रपना रोल नम्बर और सारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे श्रपने उत्तर पत्नक के साथ पर्यवेशक को पास कर दें।

ङ. विणेष भ्रनुदेश

जब स्नाप परीक्षा भवन में स्रपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से स्नाप को उत्तर पक्षक मिलेगा। उत्तर पत्नक पर धर्मेक्षित सूचना स्रपनी कलम से भर दें। यह कास पूरा होने के बाद निरीक्षक श्रापको परीक्षण-पृस्तिका देंगे। जिसके मिलने पर श्राप गह श्रवण्य देख लें कि उस पर पृक्तिका की संख्या लिखी हुई है। श्रन्यथा उसे बदलवा लें। जब यह काम हो जाए तब श्रापको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध खाने में श्रपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक निरोक्षक परीक्षण पुस्तिका खोलने के लिए न कहें तब तक श्राप उसे न खोलें।

च. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य अपकी गति की अपेक्षा गृद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के माथ आप जितनी जरूदी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उभार नहीं दे पाने हों तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन माल्म पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की और बहें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के श्रंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। श्रापके द्वारा श्रंकित सही प्रत्युक्तरों की संख्या के श्राधार पर श्रापकों श्रंक दिये जाएंगे। गलत उक्तरों के श्रंक नहीं कार्ट जाएंगे। छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक श्रापको लिखना बन्द करने को कहें श्राप लिखना बन्द कर दें।

आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर सभी आवश्यक सामग्री ले जाएं और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपकी परीक्षा-पुस्तिका, उत्तर पत्रक और कच्चे काम का कागज परीक्षा भवन से बाह्र ले जाने की अनुमति नहीं है।

नम्के के प्रक्रन

- मौर्य वंश के पतन के लिए निम्निखित कारणों में से कौन.
 सा उत्तरकायी नहीं है।?
 - (a) प्रशोक के उत्तराधिकारी सब के सब कमजोर थे।
 - (b) प्रशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।

- (c) उत्तरो सीमा पर प्रभावणाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) त्राणोकोत्तरयुगमें ग्रायिकरिक्ततार्थी।
- 2. संमदीय स्वरूप मरकार में
- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- पाठणाला के छात्र के लिए पाठ्येतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन
- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (b) ग्रनुशासन की समस्यात्रों की रोकथाम है।
- (c) नियन कक्षा कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में यिकल्प देना है।
- 4. सूर्य के मबसे निकट ग्रह हैं;
- (a) गुक
- (b) बृहस्पति
- (c) मंगल
- (d) बुध
- वन और बाक् के पारस्परिक सम्बन्ध को निम्नलिखित में से कौन-पा विवरण स्पष्ट करता है ?
 - (a) पेड़ पौधे जितने श्रधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना श्रधिस होता है जिससे बाढ़ भाती है।
 - (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, निदयां उतनी ही गाद से भरो होती हैं जिससे बाढ़ प्राती हैं।
 - (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, निदयां उतनी ही कम गाद से भरो होती हैं, जिससे बाढ़ रोकी जाती हैं।
 - (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गित से वर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th December 1980

No. A-12024/1/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number, dated 30-10-1980, the President has been pleased to appoint Shi tel Balachandran, (IRAS), as Deputy Secretary in the Office of the Union Public Service Commission, on a regular basis, with effect from 21-10-1980 and until further orders.

The 16th December 1980

No. A-32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number dated 25-8-1980, the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade I Officer of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Selection Grade of the CSS as Deputy Secretary in the same office, on an ad-hoc basis, or a further period of 3 months with effect from 3-10-1980 to 21-1-1981, or until further orders, whichever is earlier.

> H. C. JATAV, Jt. Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

New Delhi, the 18th December 1980

No. P-1782/Admn.II.—In supersession of this office Notification of even No. dated the 19th June. 1980, Shri L. R. Sarin, Accounts Officer of the office of A. G. Haryana, Chandigarh has been allowed to continue on deputation as Finance and Budget officer in the office of U.P.S.C. for a further period from 1-6-80 to 31-5-81 or until further orders, whichever is earlier. Shri Sarin will not be entitled to any Deputation (Duty) Allowance during the period mentioned above.

> P. S. RANA, Section Officer. for Chairman, U.P.S.C.

CENTRAL VIGILANGE COMMISSION

New Delhi, the 27th December 1980

No. 10 RCT 2.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Ahuja, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 29-11-80 to 26-2-1981 or until further orders, whichever is earlier. whichever is earlier.

The 3rd January 1981

No. D9RCT 23.—The Central Vigilance Commssioner hereby appoints Shri A. R. Baneriee, I.A.S. (Guiarat 1966) as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd December, 1980 until further orders.

> K. L. MALHOTRA, Under Secv. for Central Vigilance Commissioner.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delh-110019, the 7th January 1980

No. E-38013(3) /9/80-PERS.—On transfer Shri S. Ganiu relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit HEC Ranchi w.e.f. the afternoon of 30th Sept '80 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Trg Reserve Force, New Delhi (with HQrs at Ranchi) w.e.f. the 1st Oct., 1980.

The 27th December 1980

No. E-38013(3)/12/80-PERS.—On transfer from Ranchi Shri B. B. Pooviah assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., 1st Reserve Bn, CISF, Deoli, w.e.f. the forenoon of 23rd November, 1980.

The 29th December 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to New Delhi Shri S. N. Ganju relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Trg Reserve Force, New Delhi with Hqrs at Ranchi w.e.f. the afternoon of 25th Oct, 1980.

> PARKASH SINGH. Asstt. Inspector-General (Personnel)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 29th December 1980

No. 11/43/80-Ad.I.—Consequent on his selection as Senior Research Officer in the Government of Himachal Pradesh and on replacement of his services at the disposal of the Government of Himachal Pradesh, Shri M. L. Kapoor, an officer belonging to the Government of Himachal Pradesh, relinquished charge as Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh at Simla with effect from the forenoon of 15-12-1980.

The 30th December 1980

No. 11/110/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. R. Shridharani, an officer belonging to the Gujarat Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad, by transfer on deputation, on ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 11th December, 1980, or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Shridharani will be at Baroda.

No. 11/37/80-Ad.I(1).—The President is pleased to appoint Shri S. S. Bahri, Investigator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (T) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 30th August, 1980, or till the post is filled in, on regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri Bahri will be at New Delhi.
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the said grade. The services rendered by him on ad-hoc basis will not be counted for the purpose of seniority in the said grade non for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

No. 11/37/80-Ad.I(2).—The President is pleased to appoint Shri K. S. Rawat, Investigator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (T) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 26th November. 1980, or till the post is filled in, on regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri Rawat will be at New Delhi.
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the said grade. The services rendered by him on ad-hoc basis will not be counted for the nurnose of seniority in the said grade non for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India:

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KARNATAKA

Bangalore, the 4th December, 1980

No. ES. 1/A4/80-81/915. In partial modification of this Notification No. ES. I/A4/80-81/37 dated 9-4-1980, office

the substantive appointment of the following Accounts Officers have been antedated as indicated against their names.

Sl. Name of the Officer No.		Date of original Confirmation	Date from which con- firmation has been antedated
S/Sh _r i		 	
1. KN Narasimha Murthy		12-5-79	1-4-79
2. K. Jagannathan		1-11-79	1-4-79
MR. Venkataraman		1-11-79	1-4-79
4. S. Anantha Rao		1-12-79	1-4-79
5. B. Hanumanthachar		1-12-79	1-4-79
6. HS Ramachandra(1)		1-1-80	1-4-79
7. HS Vishwanath .	-	J-2-80	1-4-79
8. VK Nanjundayya .		1-2-80	1-4-79
 KS Varadaraj . 		1-2-80	1-4-79

2. The following officiating Accounts Officers of the office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates shown against their names:—

SI. Name of the Of.	ficer				Date from which confirmed
S/Shri		 . — . — .		_ ,-	
 CA Hari Rao 					1-4-79
2. TS Sitaraman .					1-4-79
3. KV Seetharama Sasti	У				1-4-79
4. P. Balakrishnan (1)	٠.				1-4-79
5. V. Anantha Krishnar	1	,			1-4-79
SN Venkatesiah					1-4-79
7. JK Chandy					1-4-79
8. B. Rama Murthy					1-4-79
9. R. Vaitheeswaran					12-5-79
10. R. Rama Rao .					l-11 -7 9
11, PS Srinivasan .					1-11-79
12. K. Satyanarayana					1-12-79
B. Subramanya Sastry	7		,		1-12-79
14. AG. Nagaraja					1-1-80
15. CT Koshy					1-2-80

RK CHANDRASEKHARAN Accountant General

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL RAILWAY

Bombay V.T., the 4th December 1980

No. Au/ADMN/PF/SBA.—In pursuance of Sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri S. B. Ajgekar, temporary Group D (Pcon) of this office that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on him.

ROCHILA SAIAWI Dy. Director of Audit Central Railway, BB.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE

CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS New Delhi-110022, the 22nd December 1980

No. 29015(2)/78/AN-I.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Time Scale of that Service 21—426GI/80

(RS. 1100-50-1600) with enect from the dates shown against them until further orders:—

- S. No., Name and Date from which appointed
- 1. Shri S. Sankaran-28-11-80 (FN).
- 2. Snri K. L. Bnana-6-11-80 (FN).

C. V. NAGENDRA Addl. Controller General of Detence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTURY BUARD

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calculia-16, the 26th December 1980

No. 76/G/80.—The President is pleased to appoint the under-memorial onicers as Ong. DADOOF/DM with effect from the date shown against them, undi thinger orders:—

- (1) Shri Ramesh Kumar, AM (P)—31st Oct., 1980.
- (2) Snii H. S. Chowanury, AM (12)-31st Oct., 1980.
- (3) Snr. H. S. Chada, AM (P)-31st Oct., 1980.
- (4) Snrí Sartaj Singn, AM (P)-31st Oct., 1980.
- (5) Snri H. M. Saivasiava, AM (P)-31st Oct., 1980.
- (6) Snri A. Khanwaikar, AM (P)—31st Uct., 1980.
- (7) Snri N. Muknopadnyay, AM (P)-31st Oct., 1980.
- (8) Shri Kiron Prakash, AM (P)-31st Oct., 1980.
- (9) Shri Rajesh Kumar, AM (P)-31st Oct., 1980.
- (10) Shri B. N. Singh, AM (P)-31st Oct., 1980.

CORRIGENDUM

No. 77/G/80.—The following amendment is made to this office Gazette Notification No. 55/G/80, dated 20-8-80 published under this office No. 381/A/G, dated 20/22-8-80:—

At Sl. No. 7.

FOR: -Shri K. J. Godfrey, Offg. Foreman,

READ :-- Shri K. N. J. Godfrey, Offg. Store-holder.

The 30th December 1980

No. 79/80/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Org. ADOOr., Gr. 1/GM Gr. 1/st. GM with effect from the date shown against them, until further orders:—

- (1) Shri Ravi Kumar, Pt. ADGOF Gr. II.—29th Nov.,
- (2) Shri P. S. Mani, Offg. GM Gr. II.—29th Nov., 1980.
- (3) Shri M. R. Ghosh, Offg. GM Gr. IL--29th Nov., 1980.
- (4) Shri B. L. Khurana, Offg. GM Gr. Π.—29th Nov., 1980.
- (5) Shri D. P. Chakravorty, Offg. ADGOF Gr. II—29th Nov., 1980.
- (6) Shri N. Pandian, Offg. GM Gr. II.-29th Nov., 1980.
- (7) Shri A. J. Chandra, Offg. GM Gr. II.—29th Nov., 1980.
- (8) Shri G. B. Sanvordekar, Offg. Dy. GM.—29th Nov., 1980.
- (9) Shri C. N. Govindan, Offg. Dy. GM.—29th Nov., 1980.
- (10) Shri R. Sundaram, Offg. Dy. GM .- 29th Nov., 1980.
- (11) Shri S. Kannan, Offg. ADGOF Gr. II.—29th Nov., 1980.
- (12) Shri J. G. Jagwani, Offg. Dy. GM.—29th Nov., 1980.
- (13) Shri G. N. Chatturvedi, Offg. GM Gr. II.—29th Nov., 1980.

- (14) Shri V. Y. Ghaskadbi, Offg. Dy. GM.--29th Nov. 1980.
- (15) Shri S. P. Batra, Offg. Dy. GM.—29th Nov. 1980. Under 'Next below Rule'.
- (16) Shri R. Ramamurthy, Offg. Dy. GM.—29th Nov., 1980.
- (17) Shri C. P. Gupta Offg. GM Gr. II.-29th Nov., 1980.
- (18) Shri M. K. Nair, Offg. ADGOF Gr. II.—29th Nov., 1980.
- (19) Shri S. S. Natarajan, Offg. Dy. GM.-29th Nov., 1980.
- (20) Shri R. A. Krishnan, Offg. Dy. GM.—29th Nov., 1980.
- (21) Shri Jagjit Singh, Offg. Dy. GM .- 29th Nov., 1980.
- (22) Shrì B. B. Dhawan, Offg. Dy. GM.—29th Nov., 1980.
- (23) Shri G. Chatterjee, Offg. GM Gr. II.—29th Nov., 1980.
- (24) Shri R. Eswaran, Offg. Principal.-29th Nov., 1980.
- (25) Shri J. M. Kawlra, Offg. Dy. GM .- 29th Nov., 1980.
- (26) Shri T. V. Ramakrishna, Offg. ADGOF Gr. II.— 29th Nov., 1980.
- (27) Shri V. N. Pattabiraman, Offg. ADGOF Gr. II.—29th Nov., 1980.
- (28) Shri V. Palanipandi, Offg. ADGOl Gr. II.—29th Nov., 1980.
- (29) Shri S., Manavalan, Offg. Dy. GM .-- 29th Nov., 1980.
- (30) Shri S. R. Sabapathy, Offg. Dy. GM.—29th Nov., 1980.
- (31) Shri V. K. Mehta, Offg. ADGOF Gr. II.—29th Nov., 1980.
- (32) Shri M. Narayanaswamy, Offg. Dy. GM.—29th Nov., 1980.
- (33) Shri A. K. Neogi, Offg. ADGOF Gr. II.—29th Nov., 1980.
- (34) Shri T. M. Swaminathan, Offg. Dy. GM.—29th Nov., 1980.
- (35) Shri M. L. Dutta, Offg. ADGOF Gr. II.—29th Nov.,
- (36) Shri K. K. Malik, Offg. GM Gr. 11.—29th Nov., 1980.

V. K. MEHTA Asstt. Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILE) OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER CORRIGENDA

Bombay-20, the 15th January 1981

No. CLB-I/4/12-B/1980/VIII/64.—In this office notification No. CER/3/80 dated 28th October 1980 published in the Gazette of India Part-III Sec.-I week ending 22nd November 1980 on page 12446 in the 2nd line.

I for the word "Central" may be corrected as "Control"

M. M. GANDHI, Assit. Director.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 30th December 1980

No. A.19018/35/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Anand as Deputy Director (Electrical) at Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 18th June, 1980 until further orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 29th December 1980

No. A-6/247(315).—The President is pleased to appoint Shri D. K. Paul, officiating Assistant Director of Inspection (Met) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Met. branch) in the Office of Director of Inspection (Met) Jamshedpur in the same capacity on regular basis with effect from the forenoon of 28-11-1980 and until further orders.

2. Shri Paul will be on probation for a period of 2 years from 28-11-1980.

M. G. MENON Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi, the 29th December 1980

No. A-6/247(260).—Shri Md. Shahjahan, a permanent Assistant Inspecting Officer, (Met-Chem.) in the office of Director of Inspection, Jamshedpur retired from service w.e.f. the afternoon of 30th November, 1980, on attaining the age of superannuation.

M. G. MENON DD (ADMN.) for DG&&D

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 29th December 1980

No. 9976B/A-32013((AO)/78-80/19A,—Shri N. K. Saha, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 31-10-1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700012, the 1st January 1981

No. F.92-171/80-Estt./33.—Dr. Animesh Bal is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B') in the Scale of Rs. 650-1200) in Zoological Survey of India in the Headquarters Office in Calcutta in a temporary capacity with effect from 8th December, 1980 (Forenoon) and untif further orders.

The 2nd January 1981

No.F.92-169/80-Estt./81.—Dr. (Miss) Raminder Kaur Soin is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B') in the scale of Rs. 650-1200 in Zoologist Survey of India

in the Northern Regional Station, Dehra Dun in a temporary capacity with effect from 28th October, 1980 (forenoon) and until further orders.

DR. K. K. TIWARI Director Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th December 1980

No. A-32013/1/80-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Bharat Singh, Senior Administrative Officer, Doordarshan Kendra, Calcutta, to officiate in the post of Inspector of Accounts in the Director to General, All India Radio, New Delhi from the forenoon of December 18, 1980 in an ad-hoc capacity vice Shri R. K. Sharma, formerly Inspector of Accounts, DG: AIR, appointed and transferred as Deputy Director of Administration, Doordarshan Kendra, Bombay.

S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration for Director General, A.I.R.

New Delhi-1, the 2nd January 1981

No. 6(126)/63-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Dr. S. K. Sinha, Transmission Executive, All India Radio, Jullundur as Programme Executive, All India Radio, Jullundur in a temporary capacity with effect from the 5th December, 1980 and until further orders.

No. 5(137)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Dr. S. K. Sinha, Transmission Executive. All India Radio, Allahabad as Programme Executive All India Radio, Allahabad in a temporary capacity with effect from 6th December, 1980 and until further orders.

H. C. Jayal, Dy. Director of Adm. for Director General

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 3rd January 1981

No. A-35018/2/80-CWI/45-52.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri S. L. NARULA, an AE of C.P.W.D. as A.S.W. (C), C.C. Wing, All India Radio, New Delhi on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 1-12-80 for a period of one year in the first instance.

- 2. The Pay & Allowances of Shri Narula will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E.III/60, dated 4-5-1961 as amended from time to time.
- No. A-12011/2/80-CWI/373.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri S. R. Mandal, Sectional Officer (Civil), on promotion, as Assistant Engineer (C), C.C. Wing All India Radio, Jaipur under Delhi Division in an officiating capacity in the Pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 21-11-80 (F.N.).
- 2. The appointment of Shri Mondal is governed by the terms and conditions contained in the order of promotion bearing No. A-32014/1/80-CWI, dt. 25-7-1980 already issued to him.

S. RAMASWAMY, Officer to Addl. CE(Civil)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

No. A.19018/4/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. V. Prabhakaran Chettiar to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 30th August, 1980.

K. L. BHATIA, Dy. Director Adm.

MINISTRY OF AGRICULTURE NATIONAL SUGAR INSTITUTE

(DEPARTMENT OF FOOD)

Kanpur, the 30th October 1980

No. Estt. 19(6)/7152.—Shri Lallan Prasad Tewari, Junior Technical Officer/Manufacturing Chemist at National Sugar Institute, Kanpur is reverted to the post of Senior Technical Assistant (ST) with effect from 30-9-80 afternoon.

Kanpur, the 1st January 1981

No. Estt. 19(42).—The services of Shri Raghvendra Kumar working as Assistant Engineer (Mech) on Ad-hoc basis are terminated with effect from the afternoon of 14-10-80.

N. A. RAMAIAH, Director

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 1st January 1981

No. A 31014/7/78-A.I.—The following officers are hereby appointed substantively to the permanent posts of Marketing Development Officer (Cold Storage Refriggration) in the Directorate of Marketing and Insurgence with officer, from 1-1-1980:

- (1) Shri J. K. Bhattacharya
- (2) Shri R. L. Grover
- (3) Shri G. Ramakrishnan

The 31st December 1980

No. A-31014/2/78-A.I.—The following officers are hereby appointed substantively to the permanent posts of Assistant Marketing Officer (Group II) in the Dte. of Marketing and Inspection, with effect from 26-9-1979:

- (1) Shri S. P. Ghoshal
- (2) Shri R. V. Kothe
- (3) Shri S. N. Upadhyaya
- 2. The lien of the above-mentioned officers in the lower post, if any, stands terminated with effect from the date of their substantive appointment in the post of Asstt. Marketing Officer (Group II).

No. A-31014/3/78-A.I (Vol. II).—The following officers are hereby appointed substantively to the permanent posts of Marketing Officer (Group II) in the Directorate of Marketing and Inspection, with effect from 25-11-1978:

- (1) Shri G. S. Kashiva
- (2) Shri C. Radhakrishna
- 2 The lien of the above-mentioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Marketing Officer (Group II).

No. A-31014/4/78-A.I.—Shri M. N. Patil is hereby appointed substantively to the permanent post of Junior Scientific Officer in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from 19-9-1979.

G. S. SHUKLA, Agr. Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 17th December 1980

No. PA/76(2)/80-R-IV.—On transfer from Heavy Water Projects, Bombay of the Department of Atomic Energy, Controller, BARC appoints Smt. Manik Mukund Karnik as Accounts Officer II in Bhabha Atomic Research Centre PREFRE Expansion Project at Tarapur) with effect from the forenoon of December 5, 1980 until further orders.

A. S. DIKSHIT, Dy. Estab. Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, 1st January 1981

No. DPS/23/9/77/Est-Adm./Est./II.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. K. Vyas temporary Purchase Astt. of this Directorate to officiate as Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from August 18, 1980 (FN) to 17-10-80 (AN) vice Shri P. Narayanakutty Asstt, Purchase Officer granted leave.

No. DPS/23/9/77/Est-Adm/Est./13.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. A. Gupta Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from August 11, 1980 (FN) to 26-9-80 (AN) vice Shri R. V. Mathure Asstt. Stores Officer granted leave.

No. DPS/23/9/77/Est.Adm./Est.17.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri T. G. Gidwani, Chief/Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from 14/7/80 (FN) to 9-9-80 (AN) vice Shri K. P. Singh Asstt Stores Officer granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN, Asstt. P.O.

Madras-600 006, the 20th December 1980

No MPPII/200(18) /80 ADM—In continuation of this office notification of even No dated 14-11-80 the officiating appointment of Shri B Dhandansmi a permanent Storekeeper as Assistant Stores Officer is extended unto 2-2-81.

S. RANGACHARY, Senior Purchase Officer.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hudarahad-500 016 the 20th December 1980

No AMD-2/2808/78-Adm.—The resignation tendered by Shri B. S. Anil Kumar from the temporary nost of Scientific Officer/Engineer Grade-SB in Atomic Minerals Division of the Denartment of Atomic Energy has been accepted by the Director. Atomic Minerals Division, with effect from September 24, 1980 (afternoon).

The 31st December 1980

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Anand Kumar Chaturvedi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 15, 1980 until further orders.

No.AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Rakesh Kumar Agarwal as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 12, 1980 until further orders.

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Amit Majumdar as Scientific Officer/Engineer Grade 'B' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 22, 1980 until further orders.

The 5th January 1981

No. AMD/1/6/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Govind Ballabh Joshi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 15, 1980 until further orders.

No. AMD-1/6/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division. Department of Atomic Fuergy hereby appoints Shri

S. Srinivasan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 27, 1980 until further orders.

M. S. RAO, Sr. Adm & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th December 1980

No. A.32014/2/79-EW.—The Director Deneral of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Sandeep Kalra, a permanent Technical Assistant (Equipment) in the Civil Aviation Department, to officiate as Assistant Project Officer (Equipment), in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35 880-40-1000-EB-40-1200, in the Civil Aviation Department with effect from 11th October, 1980(F/N) until further orders.

Shri Sandeep Kalra is posted at Director General of Civil Aviation, Headquarters.

E. L. TRESSLOR
Assistant Director of Admn,
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 29th December 1980

No. A.32013/3/79-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/3/79-E.I., dated the 29th October, 1980 and the 24th Dec., 1980, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following two officers in the grade of Senior Scientific Officer for the period mentioned against their names or till the regular Appointments are made, whichever is earlier.

- 1. Shri F. C. Sharma, From 1-4-80 to -31-12-1980
- 2. Shri B. K. Joshi, From 16-4-80 to 31-12-80

The 31st December 1980

No. A.32013/2/79-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/2/79-E.I. dated the 11th August, 1980, the President has been pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri R. Narasimhan to the post of Deputy Director, Reserch & Development in the Civil Avlation Department for a further period of six months beyond the 30th September, 1980, or till the regular appointment to the grade is made, whichever is earlier.

S. GUPTA Deputy Director of Administration,

New Delhi the 31st December 1980
No. A.32014/3/79-EC(Pt.IV).—The Director General of
Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. K. Biswas, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Calcutta
to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis
with effect from 13-10-80(FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Mohanbari.

No. A. 32014/3/79-EC (Pt. V)—The Director General of Civil viation is pleased to appoint the following three Technical Assistants to the grade of Assit. Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station of posting indicated against each:—

Date of taking over charge
19-11-80 (FN)
19-11-80 (FN)
29-11-80 (FN)
_

No. A. 32013/5/80-EC—The President is pleased to appoint the following two officers to the grade of Dy. Director/Contoller of Communication on ad-hoc basis for a period of six

months with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:-						
S. Name & Designation No.	Present station of posting	Stn. to which posted	Date taking over cnarge.	of		
1. Shri K. Ramalingam, Asstt. Director of Communication (Planning)	D.G.C.A. (HQ)	ACS Madras	10-12-8 (FN			

2. Shri S.H. Khan Sr. Comm. Officer Stn. Calcutta

Aero Comm. Aero. Comm. 29-1-80 Stn. Calcutta

R. N. DAS Assistant Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA,

Dehra Dun, the 30th Desember 1980

No. 20/378/75-Ests-I.—Shri K. S. Pruthi, who was appointed as Research Officer on ad-hoc basis was reverted to his original post of Research Assistant Grade I (Selection Grade) w.e.f. 31-10-80 (A.N.).

N. D. BACHKHETI Adhyaksha,

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya,

Dehra Dun, the 31st December 1980

No. 16/221/73-ESTS-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, has been pleased to replace the services of Shri K. M. Kuttaya working as Asstt. Instructor, Southern Forest Rangers College, Coimbatore at the disposal of Govt. of Karnataka w.e.f. the afternoon of 31st october, 1980.

> R. N. MOHANTY Kul Sachif,

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidylaya.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE, COCHIN

Cochin, the 16th December 1980

CENTRAL EXCISES

No. 2/80—In exercise of the powers vested in me under Rule 232 A of the Central Excise Rules 1944, I, C. Bhujangaswami, Collector of Customs and Central Excise, Cochin, published the names. addresses and other particulars of the persons who have been found to have contravened the provisions of the Central Excise Rules 1944 and on whom a penalty of the Central Excise Rules 1944 and on whom a pe of Rs. 10,000/- (Rubees Ten thousand) or more had been imposed.

- 1. Names and addresses of the persons
- 1 Smt. Sarala Gopalan, I.A.S., 18/827, Sasthri Nagar,

 - 'Karamana, Trivandrum.'(Chairman of M/s.
- Trivandrum Rubber Works Ltd.
- Trivandrum as on 1-12-1976.)

- Drectors as on 1-12-76
- 2. Shri K.K. Nair, I.F.S., A-5 Jawahar Nagar, Trivandrum-3.
- Shri S. Peer Mohammed, Ruks Villa, Sasthamangalam, Trivandrum-10
- 4. Shri G. Jiothi, Indu Vihar, Outtukal Street, Kaithamukku, Trivandrum-1
- Shri N. Gopalan Nair, Jayalatha, Rishimangalam, Trivandrum-4.
- 6. Dr. N.H. Sivarama krishnan, Sabarigiri Shankar Road, Sasthamangalam, Trivandrum-10
- 7 Shri R. Ravindran,Kattil Veedu,Pettah, Trivandrum-24.
- 8. Shri V. Bhaskaran Nair Pulikottu House, Velar Lane Anayara PO. Trivandrum.
- Shri T. Vasudevan, kattu- Mudampil Chittu-Veedu, Karikkom, Anayara P. O., Trivandrum.
- 10. Shri Mammen K. Elias, 11 Trivandrum Tennis Club, Trivandrum-3. (General Manager and Chief Executive)

Dr. Babu Vijayanath, Madhava Mangalam, Pottam, Trivandrum-4. (Ex-Chairman & Managing Director prior to 1-12-1976)

2. Name of the firm

M/s Trivandrum Rubber Works, Ltd., Trivandrum

- 3. Provisions of the Act or Rules contravened
- 9(1), 52-A, 53, 173 G of Custom Excise Rules, 1944.
- 4. The amount of penalty imposed

Rs. 1,00,000/- [Rs. one lakh only

5. The value of excisable goods or other pro-perty ordered to be forfeited by a Court under Section 10 the Act or adjudged by the officer referred to in Sec 33 to be confiscated.

Rs. 1,73,786/-

6. Amount of fine in lieu of confiscation

Rs. 16,000/-

7. Particulars of any license revoked under Rule 181

Nil

[Issued from Feb. C.M. IV/16/314/78 CX Adg.]

BHUJANGASWAMY. Collector of Customs and Central Excise, Cochin

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE INDORE

Indore, the 19th December 1980

Suprintendent, Central No. 21/80.—Shri D. P. Damohe. Exicise, Group 'B' of Madhya Pradesh Collectorate, Indore having attained the age of superannuation, has retired from Govt. service in the afternoon of 30-11-80.

> S. K. DHAR. Collector

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Pune, the 31st December 1980

No. 3/C. Ex. PN/80—Statement showing names, addresses and other particulars of persons who have contravened the provisions of Central Excise Rules, 1944 and on whom penalty of Ten Thousand Rupees or more has been imposed by the Collector of Central Excise & Customs Pune.

S. No	Name and address of the assessees.	Provisions of rules contravened	Amount of penalty imposed	Value of excisable goods adjudged to be confiscated	Amount of fine in lique of confiscation if any imposed	Remarks	
1	2	3	4	5	6	7	
1.	M/s. Kirloskar Oil Engines Ltd. Khadaki, Pune-3. C. Ev. L. 4 No. O.E. 1/60.	Rule 196 read with Rules 192, 173-P, 173Q(1)(a) and 173 Q(1)(d) of Contral Excise Rules, 1944.	Rs, 25,000/-	Rs. 3,69,077/-	Rs. 40,000/-	Collector of C. Ex. & Customs Pune's order (original) No. V(34A) 15-178 Adj/76 of 9-11-77.	
2.	M/s. J.G. Glass Industries Ltd., Pimpri, Pune-18, L4 No. GL 3/61.	Rule 173 F, Rule 173G(2) read with rules 9 (1) and 52A, Rule 173G (4) read with Rule 53 and Rule 47 (3) of C. Ex. Rules, 1944.	Rs. 10,000/-	Rs. 2,19,632/-	Rs. 22,000/-	Collecter of C. Ex. & Customs Pune's order (original). No. V (23A) 15-57/Adj 76 of 21-4-77.	

Collector of Central Excise & Customs, Pune.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi the 2nd January 1981

No. 34/80.—Shri C. E. Subramanyan, Superintendent of Central Excise Group 'B' of Madras Central Excise Collectorate, on transfer to the South Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, at Madras vide Directorate's order C. N. 1041/41/79 dated 18-11-80 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 3-12-1980 (Forenoon).

The 3rd January 1981

No. 35/80.—Shri A. R. Sharma, lately posted as Administrative Officer in the Directorate of Inspection & Audit. Curtoms & Central Excise. New Delhi, on his appointment as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the Directorate Hendquarters Office vide Directorate's order F. No. 1041/68/80 dated 16-12-80, assumed charge of the post on 16-12-80 (Foretoon).

K. J. RAMAN Director of Inspection

MINISTRY OF FNERGY (DEPARTMENT OF COAL)

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 29th December 1980

No. Admn.12(1)80.—Shri K. Paswan. officiating Head Clerk has been promoted to the post of Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner/Secretary to the Medical Superintendent Central Hospital, Asonsol on ad hoc basis with effect from 17-11-80 (Forenoon).

D. PANDA.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING)

Bombay-400 038, the 29th December 1980

No. 2-SH(1)/78(.).—The President is pleased to accept the resignation of Capt. R. K. Vyas, Nautical Surveyor, Directorate General of Shipping, Bombay with effect from the afternoon of the 14th October, 1980.

Sr. Dy. Director General of Shipping.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 29th December 1980

No. A-32014/1/80-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names.—

SI. Name of Officer No. with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE
S.Sh _T i	
 Ajay Kumar Sharma, Design Assistant. 	10-12-80 (forenoon)
2. B. Syaman, Supervisor.	17-11-80 (forenoon)
 Ram Sumiram, Supervisor. 	13-10-80 (forenoon)
4. Rajender Prasad, Supervisor.	10-11-80 (forenoon)

K. L. BHANDULA Under Secretary

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS (CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 27th November 1980

No. 33/3/79-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Seghal a U.P.S.C. nominee against the temporary post of Dy. Architect (C.C.S. Group A) in CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 13-11-1980 (FN) on the usual terms and conditions. His pay will be refixed shortly under the rules.

2. Shri S. N. Sehgal is placed on probation for a period of two years with effect from 13-11-1980(FN).

The 31st December 1980

No. 1/52/69-ECIX.—Shri M. Chakraborty, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of Superannuation with effect from 31st December, 1980(AN).

K. A. ANANTHANARAYANAN, Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Nayak Extractions Private Ltd.

Cuttack, the 30th December 1980

No. TS/673/3595.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (6) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Nayak Extractions Private Limited which was struck off the Register under sec. 560(5) of the aforesaid Act vide Notification No. S.0/673/79-3384(2) dated 6-11-79 published at page 9976 of the Gazette of India, Part III. Section I dated 1st December, 1979, has this day been resorted to the Register by an order passed on 10-12-80 and 17-12-80 by the Hon'ble High Court of Orissa in Company Act case No. 1 of 1980.

S. Seal, Registrar of Companies, Orissa.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s. Swamyambarlal Motor Service Private Limited. Indore.

Gwalior, the 30th December 1980

No. 878/Liqn/CP/5809.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Swayambarlal Motor Service Private Limited, Indore has been ordered to be wound up by an order Dated 3-9-1980 passed by the Hon'ble igh Court of Madhya Pradesh, Bench Indore and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the Liquidator of the Company.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Jagaran Limited, Indore

Gwalior, the 30th December 1980

No. 659/Lign/CP/5809.—Notice is hereby given Pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. the Jagaran Limited Indore has been ordered to be wound up by an order dated 18-7-1980 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Bench Indore and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the Liquidator of the Company.

S. K. SAXENA, Registrar of Companies. Madhya Pradesh, Gwalion In the nutter of the Companies Act, 1956 and of Ajanta Fabrics Limited (In liquidation)

Hyderabad, the 2nd January 1981

No. 650/Liqu.—Whereas Ajanta Fabrics Limited (In Liquidation) having its registered office at B.5/296, Sultan Bazar, Hyderabad, Andhra Pradesh is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of account required to be made by the Liquidator has not been made for a period of six consequtive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-Sec. (4) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956 notice is hereby given that on the expiration of three months, from the date of this notice the name of Ajanta Fabrics Limited (In liquidation) unless cause is shown to the contrary be struck off the Register and the company will be dissolved.

V. S. RAJU, Registrar of Companies, Andhra Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ghal Roadways & Financiers Private Limited

Jullundur, the 5th January 1981

No. G/Stat/560/2646/10432.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ghai Roadways & Financiers Private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vishal Fertilizers & Chemicals Private Limited

Juliandur City, the 29th December 1980

No. G/Stat/560/2725 10434.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Co. M/s. Vishal Fertilizers & Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Naveen Chit Fund & Financiers Private Limited

Jullundur City, the 29th December 1980

No. G/Stat/560/2957|10437.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Naveen Chit Fund & Financers Private Limited; unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. N. MAULIK, Registrar of Companies Punjab, H. P. & Chandigarh.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. I-Teek Private Ltd.

Bangalore-9, the 3rd January 1981

No. 2363/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of M/s. 1-Teek Private Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI, Registrar of Companies. Karnataka, Bangalore.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI-V

New Delhi, the 27th December 1980

No. JUR/DLI/V/80-81|33538.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 8AA of Wealth Tax Act, 1957, and 7AA of Gift Tax Act, 1958 the Commissioner of Wealth Tax/gift tax Delhi-V, New Delhi hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on or assigned to the Wealth Tax Officer/Gift Tax Officer Distt. It (6) in respect of cause mentioned in schedule A annexed hereto shall be exercised or performed concurrently by the IAC Range-V-E, New Delhi.

- 2. For the purpose of facilitating the performance of the functions, Commissioner of Wealth Tax/Gift Tax, Delhi-V New Delhi also authorises the IAC Wealth Tax/Gift Tax Range-V-E to pass such orders as are contemplated in subsection (2) of Section 8AA of Wealth Tax Act/7AA of Gift Tax Act.
 - 3. This notification shall take effect from 20th Dec 1980.

R. D. SAXENA, Commissioner of Income-tax

SCHEDULE 'A'

S. P.A.N. No.		Name of the assessee						
1. 11007-PT-9113		. Sh. Bhavi Chand Jindal						
2. 11020-HZ-2386		. M/s, B.C. Jindal & Sons.						
3. 11017-PT-2780		. Smt. Meena Devi Jindal						
4. 25003-PV-7643		. Sh. Dharam Pal Jindal						
5. 22031-PT-4819		. Sh, Shyam Sunder Jindal						
6. 11002-PT-6906		. Sh. Shanker Lal Agg rwal						
7, 11 0 08-HZ-5990		. M/s. S. L. Aggarwal & Sons						
8, 11005-PV-1945		. Smt. Kamlosh Dovi Aggarwal						
9. 22007-PV-9868		. Sh. Shiv Ram Jinde I						
10. 11018-PN-0762		. M/s. Shiv Ram Jindal & Sons.						
11. 11008-PN-2783		. Sh. Om Parkash Jindal						
12, 11020-HQ-6913		. M/s. Om Parkash Jindal & Sons						
13. 11008-PV-040		. Sh. Madan Lal Jindal						
14. 11012-HQ-1478		. Smt. Parmeshwari Devi Jindal						
15. 11017-PT-3354	•	. Sh. Madan Lal Jindal L/H Late Smt. Shandra Wati Devi Jindal						
16. 11002-PQ-6698		. Sh, Devi Sahai Jindal						
17. 11021-HZ-0072		. M/s Devi Sahai Jindal & Sons						
18. 11012-PX-0866		. Smt. Ram Doi Devi Jindal						

19. 11003-HX-2344	M/s Basu Dev Aggarwal & Sons
20. 25003-PV-7588	Sh. Basu Devi Aggarwal
21. 11021-HN-4172	Sh. Ruli Ram Aggarwal & Sons
22. 22004-PX-8885	Smt. Ganga Devi Aggarwal.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX (CADRE CONTROL AUTHORITY) KANPUR

Kanpur, the 5th December 1980

Establishment:—Central Services-Group 'B'--Gazetted
—Incometax Officers—Promotion, transfer and posting of—

ORINER 9

No. 100—The following Inspectors of Income-tax are appointed to officiate as Incometax Officers (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40 1200 with effect from their taking over the charge and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available. Their services on promotions are placed at the disposal of Commissioners of Incometax indicated against each:—

SI. Name of the official No.					Services placed at the disposal of C.I.T.
S/Shri					
1. M.P. Singh, Fatchgarh					Agra
2. S.C. Sharma, Survey Circle, Kanpur	•	•	•		Kanpur
3. Shamimul Hasnain I.A.C. Range-II, Agra		٠	•		Agra
4. P.N. Tandon Central Circle, Kanpur		•	•	•	Meerut
5. B.P. Bahakhandi Circle-I, Kanpur	•	•	•		Meerut

The 1st January 1981

No. 120—The following Inspectors of Income-tax are appointed to officiate as Incometax Officers (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from their taking over the charge and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available. Their services, on promotion are placed at the disposal of Commissioners of Incometax indicated against each:—

Sl. Name of the official No.					Services placed at the disposal of C.I.T.
S/Shri					
 R·D. Singh Circle-I, Kanpur 	•		-	•	Kanpur
2. T.P. Arya, Circle-l, Agra	-	•	•	•	Agra
3. A.P. Nigam Circle-I, Kanpur	•			•	Meerut

B. GUPTA, COMMISSIONER OF INCOME-TAX (CADRE CONTROL AUTHORITY) KANPUR

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 31st December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/50.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land 4 bigha 16 biswas situated at village Gadaipur New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 4-4-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——22—426GI/80

(1) Sh. Ram Singh S/o Harjoo Singh and Kulwant Singh S/o Jagat Singh C/o Parvesh Ravinder Co. Darbari Lal Market, Delhi through attorney Baigar Singh S/o Ram Singh.

(Transferor)

(2) Snit. Balwant Kaur W/o S. S. Monga R/o G-98, East of Kailash New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agrl. land area 4 bighas 16 biswas khasra No. 612(4-14), 613 min (0-1) 613 min (0-2) situated in village Gadalpur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 31-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGEJ, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 31st December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III'4-80/51.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land 4 bigha 16 biswas situated at village Gadajour New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Singh S/o Harjoo Singh & Kulwant Singh S/o Jagat Singh C/o Parvesh Ravinder Co., Darbari Lal Market, Delhi through G.A. Baigar Singh S/o Ram Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Balwant Kaur W/o S. S. Monga F-92, East of Kallash New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used horein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas 16 bsiwas Khasra No. 588/1(2-4) 588/2(2-0), 588/3 (0-12) situated at Village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 31-12-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLACK VIKAS BHAVAN 1. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 31st December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/89.---Whercas, I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land 4 bighas 16 biswas situated at Village Khanpur New Delhi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-4-1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Bhagwan Singh S/o Gandu Singh S-319, Greater Kailash New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Sh. Devinder Singh Narang S/o K .S. Narang M-6, Greater Kailash 1 New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 275 measuring 4 bigha 16 biswas agricultural land situated in village Khanpur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 31-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 31st December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/57.—Whereas, 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/2 share of 12 bigha 16 biswas situated at village Dera Mandi New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at

New Delhi on 8-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Bhikhari S/o Beg Ram R/o Vill. Dera Mandi New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Arminderjit Singh S/o S. Bishan Singh R/o 3016, Sector 21-D Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Offifficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agricultural land M. No. 51 Killa No. 1(4-8), 10/1 (4-8) M. No. 52 Killa Nos. 6 and 15/1 East (4-0) village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commessioner of Income-tax,
Acquisition Range
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 31-12-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,I

H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 31st December 1980

Rof. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/58.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/2 Share 12 bigha 16 biswas (Agril. land) situated at Village Dera Mandi New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 8-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bhikari S/o Beg Ram R/o Village Dera Mandi New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rupinder Pal Kaur W/o Arminderjit Singh R/o House No. 3016, Sector 21D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agrl. land area 12 bigha 16 biswas M. No. 52 Killa Nos. 15/1 and 6(4-0), M. No. 51 Killa No. 10/1(4-8), 1(4-8) in village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 31-12-80

Sen1:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 31st December 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/480/49.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

4 bigha 16 biswas (Agrl. land) situated at Village Gadaipur New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herato) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 4-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Ram Singh S/o Harjoo Singh and Kulwant Singh S/o Jagat Singh through attorney Balgar Singh S/o Ram Singh R/o M-168, Greater Kailash II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Phoola Rani W/o K. R. Monga R/o F-92, East of Kailash New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land 4 bigha 16 biswas khasra No. 589 situated in village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 31-12-80

FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 31st December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IM/4-80/48.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land 4 bigha 16 biswas situated at Village Gadaipur New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (e) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for hie acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Singh S/o Harjoo Singh & Kulwant Singh S/o Jagat Singh through G.A. Sh. Baigar Singh S/o Ram Singh R/o M-168, Greater Kailash II New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Phoola Rani W/o K. R. Monga R/o F-92 East of Kailash New Delhi-48.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bigha 16 biswas khasra No. 611 village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, New Delhi.

Date: 31-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Anil Kumar Sodhani & Smt. Rama Sodhani R/o S-19, Panchsheel Park New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjay Dawar R/o C-3/11, Rana Pratap Bagh (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 31st December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/88.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 59 mg. 4 bighas 16 biswas situated at in village Khanpur New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 111 (Old No) New No. 59 Khasra No. 211 situated in village Khanpur, Tehsil Mehrauli New Delhi in Sanik Society admeasuring 4 bighas 16 biswas.

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 31st December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/37.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

422-F, Plot No. 19 situated at Mauza Ihilmila Tahirpur, Friends Colony, Kishan Nagar G.T. Road, Shandara Delhi-32.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
3—426GI/80

(1) Sh. Bishan Lal Gupta S/o late Sh. Baij Nath R/o B-38, Kaitath Colony New Delhi and Prehlad Rai S/o Gul Raj R/o 16, Radha Nath Choudhary Road Calcutte-15.

(Transferor)

(2) Sh. Promod Kumar Gupta R/o 489, Bara Thakur Dawara Shahdara Delhi-32, and Bhupender Kumar Jain R/o 220, Gali Jain Mandir Shahdara Delhi-32

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 422-F, Plot No. 19 bearing khasra Nos. 1125/344. 346, 370 Mauza Jhilmila Tahirpur known as abadi Friends Colony Kishan Nagar, G.T. Road, Shahdara Delhi-32 measuring 1317.33 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, New Delhi.

Date: 31-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

(1) Sh. Lal Chand son of Sh. Roshan Lal, r/o 2342, Gali Dugdugi, Bazar, Turkman Gate, Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Mohd. Yasin */o Sh. Mohd. Faruq, R/o 2346, Gali Dugdugi, Turkman Gate, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6438.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

2342, situated at Gali Dugdugi Bazar, Turkman Gate Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

Delhi on April 1980
tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ersons with a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 2342, Gali Dugdugi Shah Kallan, Bazar Chitli Qabar, Delhi measuring about 105-53" sq. yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 24-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
H BLOCK, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6476.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding A-17 situated at Village Bharola in abadi of Adarsh Nagar G.T. Road Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Panna Wanti W/o Sh. Harbans Lal Sethi v/o Gali Pahlwan Chowk Bhagtan Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ami Chand Singh Chauhan S/o Shri Bhoop Singh Changhan v/o E-4/14 Model Town Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wirting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Share of Property No. A-17 situated in the area of village Bharo-l-a in the abadi of Adarsh Nagar G.T. Road Delhi.

BALJEET MATIYATH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 24-12-1980

(1) Sh. T. R. Kapoor S/o Sh. D. D. Kapoor v/o 80 Janpath New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ram Kumar S/o Shri Kapuri v/o 7/3350 Rehgarpura Koral Bagh N. Delhi. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, H BLOCK, VIKASH BHAWAN

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Rcf. No. IAC/Acq-11/SR-I/4-80/6422.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

51-B and 52 situated at Ashoka Park Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51-B and 52 mg. 52½ sq. yards and 136.1/5 sq. yards (Total mg 188.7/10 sq. yards) at Ashoka Park area of village Basaidarapur Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-II, New Delhi.

Dato: 24-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN I. P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6444.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-3/11 situated at Rana Partap Bagh Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 11-4-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bhari Lal S/o Sh. Murlidhar r/o A-3/11 Rana Partap Bugh Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Mathur w/o Dr. S. S. Mathur r/o 961 Timarpur Delhi-110007.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One room, store, Kitchen, loft and open space on G.F. and one room, store, kitchen on the F.F. constructed on the piece of land measuring about 75 sq. yards being eastern part out of 232.35 sq. yards of land bearing no A-3/11 at Rana Partap Bagh Delhi village-Sadhora Kalan Delhi.

BALJEET MATIYANI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Roshan Lal S/o Sh. Bishan Singh r/o Nojafgarh Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

ONFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/4-80/3339.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No.

19 Bigha 4 Biswa situated at Village Masudabad Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 15th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Sh. Abdesh Kumar alias Adesh Kumar S/o Shri Ramesh Chand village Najafgarh Delbi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

19 Bigha 4 Biswa land situated in village Masudabad Delhi.

> BALJEET MATIYANI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 24-12-1980

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
H. BLOCK, VIKAS BHAWAN I. P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-B-4-80/6435.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

WZ-124A, situated at Uttam Nagar Block C, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23rd April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prem Lata w/o Sh. Ram Chander WZ-126A Uttam Nagar N. Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. M. S. Rawat S/o G. S. Rawat IA Colony Vasant Vihar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. WZ-124A situated at Uttam Nagar Block C Delhi.

BALJEET MATTYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IJ H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/4-80/3289.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kh. No. 79/16 situated at Village Palam New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Laxmi Narain S/o Chuni Lal r/o village Palam New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Reba Bose w/o Sh. B. Bose r/o 3/B R. M. Road Calcutta. 2. Smt. Modhurima Ghose w/o Sh. M. Ghose 28 Lake Temple Road Calcutta. 3. Sh. Dibyender Kanti Dass S/o Sh. G. C. Dass r/o D-336 Moti Bagh-I N. Delhi. 4. Mrs Ranu Ray w/o Sh. Tapas Kumar Ray r/o IX/677 R. K. Puram N. Delhi. 5. Sh. Ranen Ray S/o Sh, Rubender Nath Ray M-347 New Rajender Nagar N. Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-16 part of Kh. No. 79/16 of village Palam New Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 24-12-1980

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6433.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. VI/551 situated at Gandhi Market Chandni Chowk Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the initity
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—24—426GI/80

- (1) Shri. Bodh Raj S/o Sh. Panna Lal r/o G-81 Kalkaji N. Delhi and Sh. Pursotham Dass S/o Sh. Panna Lal r/o 662/3 Pandit Park Patpar Ganj Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Janki Nath S/o Sh. Manak Chand and Vinod Kumar S/o Sh. Janki Nath r/o 166 Gujranwala Town Part II Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The etrms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. VI/551 at Gandhi Market Chandni Chowk Delhi measuring 23.5 sq. yards.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, DELHI-1.10002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/4-80/3329.—Whereas, I, BALJEFT MATIYANI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9 Bigha 12 Biswa land situated at village Nangli Poona Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 1st April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesair exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gajraj Singh S/o Sh. Arjan Singh r/o village Samepur Delhi and Sh. Yash Pal S/o Sh. Jogwasaya r/o 26 Sudershan Park Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sant Gurmel Singh S/o Sh. Piara Singh r/o Gurdwara Margovind Sar G.T. Karnal Road Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece of land measuring 9 Bigha 12 Biswa out of Kh No. 39/6, 7, 8, 14, 15, 16, 17 and 25 and 40/11, 10, 20 and 21 situated in area of village Nangli Poona Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Date: 24-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK VIKAS BHAWAN 1.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/4-80/3352.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 28,000/- and bearing No.

28 bighas 16 biswas situated at Vill. Kadi Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Rajinder Singh S/o Ch. Narain Singh R/o V & P.O. Kadi Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Inderjit Singh Sawhney S/o Dewan Chard Sawhney r/o D.1/7, Rajouri Garden, N. Delhi. Hans Raj Jindal S/o Sh. Dhani Ram Jindal R/o 1A/1, Rama Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 bighas 16 biswas, Vill. Kadi Pur, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 22nd December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/4-80/6436,---Whereas, 1, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2007 & 2008 situated at Katra Lachhu Singh, Fountain, Chandni Chowk Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 10-4-1980

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Devi Pershad S/o Chhaju Mal R/o 1888, Kucha Chelan Khari Bawli Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. R. S. Singhal s/o R. N. Singhal sons of Jagannath Singhal R/o 1811, Bhagirath Palace Chandni Chowk Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two storeyed house built on plot measuring 115.75 sq. yds. bearing property No. 2007 and 2008, situated at Katra Lachhu Mal, Fountain, Illaqa No. 2, Chandni Chowk Delhi bounded as under:—

East: H. No. 2004 & 2006 Sh. Devi Pershad, H. No. 2003 Legal heir Sh. Hari Ram.

West: Gali & H. No. 2009, of Sh. Ram Parkash

South: Door Shop & Gali.

North: House of Sh. Surender Sharma.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 22-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3313/7687.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

D-74 situated at Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi. (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Pista Devi W/o Sh. Laxmi Chand R/o 3939
 Satte Wali Gali, Chawri Bazar, Delhi, Smt. Kauhalyn Devi Wd/o Sh. Jogi Ram R/o as above &
 Smt. Darshan Devi W/o Sh. Vasdev Gupta R/o as
 above.

 (Transferor)
- (2) Sh. Jain Narain S/o Sh. Niader Mal Jain, R/o E-94, Maya Puri, Phase II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: The terms and expressions used herein 26 are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-74, out of Khasra No. 3/1, 9, 10, 19 and 20, measuring 200 sq. yds. situated in the area of Vill. Jawalaheri, in the abadi of New Multan Nagar, Rohtak Road. Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11, NEWDELHI-110001

New Delhi, the 24th December 1980

BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

Ref. No. IAC Acq.II/SR.I/4-80-6516.-Whereas, I,

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1567 (F.F.) situated at Charch Road, Kashmeri Gate. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons. namely:--

(1) Shri Jagmohan Anand S/o Sh. Ganga Ram Anand R/o 8-C/1, Rajpur Road, Delhi.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Gurnom Kaur W/o Sh. Renjit Singh R/o 2/13A, Vijay Nagar, Delhi
 - (2) Shr; Ravinder Pall Singh S/o S, Manohar Singh R/o D-12/1, Model Town, Delhi &
 (3) Surinder Kaur W/o Sh. Inder Jit Singh, R/o 16A/6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of House No. 1567 (F.F.) situated at Charch Road, Kashmeri Gate, Delhi.

> BALJEET MATIYANI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IL Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, New Delhi-110001

New Delhi, the 24th December 1980 Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/3294.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

9. Road No. 62 situated at Punjabi Bagh, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sont, Chander Kanta W/o Sh. Ravinder Kumar, R/o Road No. 62, Kothi No. 9, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amrik Singh S/o Sh. Ganga Bishan and Smt. Sheel Kaur W/o Sh. Amrik Singh R/o 5\$17, Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 9, Road No. 62 measuring 279.55 Sq. Yds., situated at Punjabi Bagh, Delhi area of village Madipur, Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Belni/New Delta.

Date: 24-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, New Delhi-110001

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6458.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4918 to 4922 situated at Kucha Ustad Daag Bazar Chandni Chowk Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Som Nath 5/0 Girdhari Lal S-69, Greater Kallash Part II New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ved Parkash S/o Purshotam Dass (Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A/6, Ashok Vihar Phase I Delhi.
First floor of property No. 4918 to 4922 measuring about 203.55 sq. yds. situated at Kucha Ustad Daag Bazar Chandni Chowk Delhi, Illaqa No. 6, Delhi bounded as under:—

East Property No. 4923 and Gali

West Gali North Gali South Gali

BALJEET MATTYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NE WDELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6386.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1351-52/XIII situated at Faiyaz Ganj, Bahadur Garh Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—426GI/80

 Smt. Sushila Devi W/o Shri Dharam Chandra Goel, 1351, Faiyaz Ganj, Bahadur Garh Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tara Devi W/o Shrl L. Gopi Chand, 1438, Faiyaz Ganj, Bahadur Garh Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ni Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11storied built up property having area 100 sq. yds. Municipal Corporation No. id 1351-52/XIII, situated at Faiyaz-2.

BALJEET MATTYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980.

Soal:

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II H BLOCK, VIKAS BHAWAN, New Delhi-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/4-804-16407.—Whereas, 1, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2417 situated at Khirki Farashkhana, Behind G. B. Road, Ward No. VII, Delhi-6

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the asid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shyam Lal S/o Shri Bhonchu, r/o 2417, Khirki Farashkhana, Behind G. B. Road, Ward No. VII, Delhi-110006.

(Transferor)

- (2) Shri Phool Chand Bansal S/o Suraj Bhan Bansal r/o D-142, Viyek Vihar, Delhi-110032.
- (3) M/s Bansal Traders Corporation.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house bearing property No. 2417, situated Delhi-110006.

at Khirki Farashkhana, Behind G. B. Road, Ward No. VII 2417 situated

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissiones of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980.

FORM NO. I'ENS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSET. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, New Delhi-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6492.—Whereas, I, BAUJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 3617-18 ward No. XII situted at Gali Mill Binolts, Subzimandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for suchtransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Khub Chand s/o Sh. Uttam Chand, R/o C-74, New Subzimandi Azadpur Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Jai Devi W/o Sh. Ram Chand R/o 10086, Gali Khalil Wali Nawab Ganj, Delhi. (Transferee)
- (3) Sh. Narender Kumar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house No. 3617-18, Ward No. XII, margaring 86 sq. yds. at Gali Mill Binola, Subzimandi Delhi.

BALJEET MATIYAMI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi, New Pethi.

Date: 24-12-1980

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6413.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2231 (Part) Ward No. VIII situated at Shankar Gali (Katra Hazi Nizamuddin) Kala Masjit Bazar Sita Ram Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 5-4-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Smt. Sushila Deci W/o Satya Parkash Sharma R/o 2231 (Part) Shankar Gali Kala Masjid Bazar Sitaram Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nishi Prabha W/o Ashok Kumar Aggarwal & Smt. Raj Dulari W/o Satish Kumar both r/o 2231 (Part) Shankar Gali Kala Masjid Bazar Sita Ram Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever pariod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two storeyed house bearing municipal No. 2231 (Part) Ward No. 8 (Old No. 1433A) measuring about 120 sq. yds. situated at Gali Shankar, Katra Hazi Nizamdin, Kala Masjid Bazar Sita Ram, Delhi bounded as under :-

East House No. 2230 West

House No. 2231 (Part)
H. No. 1216 of Sh. Ganga Ram North

Door of house and Gali South

> BALJEET MATIYANI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-11. Delhi/New Delhi.

Date: 22-12-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, New Delhi-110002

New Delhi 2nd December 1980

ef. No. JAC/Acq-II/SR-I/4-80/6392.—Whereas, 1, BALIEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. 111/3902, situated at Mori Gate Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Hemada Persad Mukherjee S/o late Rai Bahadur Pramada Prasad Mukherjee 29C, Town Shed Road Police Station, Bhawanipur Calcutta 700 025.
 - (Transferor)

(2) M/s R. S. Ajit Singh & Co. Ltd. through S. Bhupinder Singh S/o S. Ram Singh Khurana, its Managing Director at III/3902, Mori gate Delhi-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern half portion of double storeyed building bearing Mpl. No. III/3902, situated at Mori Gate Delhi-6.

> BALJEET MATIYANI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980.

FORM NO. LT.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

H BLOCK, VIKAS BHAWAN, New Delhi-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6449.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 3117, 3118 & 3120 situated at Sir Syed Road, Darya Ganj Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Km. Amtul Jamil Begum alias Jabila Khawaja d/o Khawaja Ahmedullah Sahib r/o 3118 Sir Syed Ahmed Road Darya Ganj Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sheikh Mohd Aslam, Sh. Mohd Akram Sh. Mohd Azam and Sh. Mohd Shahid S/o Sheikh Zahooruddin Sahib 1/o House No. 1613 Gali Sakonwali Mohalla Suiwalan Bama Masjid Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One-third undivided share in property No. 3117, 3118 and 3120 along with chabutras and right of way of the vendor in the passage and one half share in Khokha with total area 409.47 sq. M. In ward No. XI Sir Syed Road, Darya Ganj Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range II
Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980.

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-1/4-80/6445.—Wheeras I, BALJEET MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, Khasra No. 690/543/212 situated at Chowkri Mubarkabad Joor Bagh Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33-416GI/80

- (1) Shri Ram Sarup Anand S/o Shri Bhagat Ram R/o House No. 396 Gali No. 31 Trinagar, Onkar Nagar Bank Khana Wali Gali Delhi.

 (Transferor)
- (2) Smt. Sushila Devi W/o Shri Dharam Chandra Goel, of D-12/168 D. S. Dev Nagar Karol Bagh New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8 Khasra No. 690/543/212 situated at Chowkri Mubarkabad Joor Bagh Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN **NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6409.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 5691 & 11371, Ward XV situated at Chowk Mohalla Nabi Karim, Factory Road, Pahargani, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 3-4-1980

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oblect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).
- Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Ram Lal & Shri Shadi Lal, sons of Shri Sunder Dass, R/o A/112 Vishal Enclave, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Karorimal S/o Shri Kalu Ram, R/o 3474 Gali Lalu Misar, Paharganj, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal Nos. 5691 & 11371, Ward No. XV situated in the Chowk Mohalla Nabi Karim, Jactory Road, Pahargani, New Delhi consisting of 2 shops having electricity, with power connection, water & water flush connections, electric motor with flour mill in running condition on the ground floor, and one room at the 1st Floor on the said property, with the land underneath measuring 50 sq. yds. and bounded as under:—

North-Property of Shri Gulzari Lal Fateh Chand South-GALI

East-Property Municipal No. 5690

West-Passage.

BALJEET MATIYANI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

R/o

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Chander Bhan Garg S/o Sh. Mani Ram Garg, R/o 15/26, Punjabi Bagh, New Delhi__

(Transferor)

Rai

(2) Shri Manohar Lal S/o Sh. Ganpat 1/142, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DEI.HI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/4-80/6471.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/13, situated at Punjabi Bagh, Vill. Basai Darapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—426GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Land measuring 4400 sq. yds. (334.452 sq. mts.) front portion of Plot No. 1/13, situated at Punjabi Bagh area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi,

BALJEET MATIYANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

(1) Shri Nardev S/o Pt. Faqir Chand 1205, Najafgarh, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. L Jain W/o Sh. S. C. Jtein R/o 202 Golf Link, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/3315.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. 4 Bighas 5 Biswas situated at Vill. Haibe thina Delhi State

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 5 Biswas situated at Vill. Haibethina, Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-11/4-80/3356.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 22 Bighas 11 Biswas situated at Vill. Holambi, Kalan, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 26-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dani Ram S/o Shri Sri Ram R/o Sahipur, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Bhasin S/o Sh. Ram Dass Bhasin, 2. Sh. Tilak Raj Bhasin S/o Sh. Ram Dass Bhasin, 3. Sh. Jagdish Lal Bhasin S/o Ram Dass Bhasin, R/o C-1/30-JII, Model Town, Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 22 Bighas 11 Biswas bearing Rect. No. 56 Killa No. 1, 2, 9, 10 and Rect. No. 57 Killa Nos. 4/1, 5, 6/2, situated in the area of Village Holambi Kalan, Delhi State, Dclhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 11-12-1980

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/4-80/3357,—Whereas, I, BALIEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11 Bighas 16 Biswas situated at Vill. Holmabi, Delhi State. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-4-1980

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mithan S/o Shri Doonger R/o Vill. Holambi Kalan, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

Om Parkash Bhasin S/o Sh. Ram Dass Bhasin
 Tilak Raj Bhasin S/o Sh. Ram Dass Bhasin

 Jagdish Lal Bhasin S/o Sh. Ram Dass Bhasin, R/o No. C-1/3D-lll, Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11 Bighas 16 Biswas bearing Rect No. 56 Killa No. 11, 20 Rect. No. 57 Killa No. 6/1, 15, situated in the area of Village Holambi, Delhi State,

BALJEET MATIYANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Dclhi/New Dclhi

Date: 11-12-1980

FORM I.T.N.S.--

(1) Smt. Dropadi Devi D/o Bishan Lal W/o Hari Parkash R/o 36-UA, Jawaharnagar Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Savitri Devi W/o Om Prakash R/o 1280, Vaid Ward Delhi-6.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 22nd December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/4-80/6505.—Whereas, 1, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Sec-

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1280 & 1281 situated at Vaidwara Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1789 Cheerakhana No. 1280 and 1281, Vaidwara Illaqa No. 5, Delhi bounded as under :--

East—Gali West—House of other person North—Jain Dharamshala South—Digamber Jain Mandir.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 22-12-1980

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/4-80/6499.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 7050, situated at Gali Tankiwali, Mandi Ghas Pahari Dhiraj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Hem Chand Jain S/o L. Shri Jag Mandar Jain, R/o B-2/156 Paschim Vihar, New Delhi and (2) Sh. Ashok Kumar Jain S/o Shri Sagar Chand Jain, R/o 655-C, Laxmi Bai Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari W/o Sh. Om Parkash, R/o 7047, Gali Tankiwali Mandi Ghas, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three storeyed pucca built house bearing No. 7050 (part) at Gali Tankiwali, Mandi Ghas Pahari Dhiraj, Delhi, measuring about 135 sq. yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd December 1980

Rcf. No. IAC/Acq.-II/SR-I/6452.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 25/50 situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chat Ram S/o Shri Hardwari Lal, R/o 25/50, Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Parshad Gupta S/o Shri Kishan Lal, R/o 45/6-B, Mall Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 25/50, comprising two rooms, kitchen, and open court yard on the ground floor, at Shakti Nagar, Delhi.

BALJEET MATTYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date: 23-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Ocq.-II/SR-I/4-80/6470.---Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. XII/3203, situated at Katra Shivaji, S/Mandi, Basti Punjabian, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nanak Chand S/o Sh. Thana Ram, R/o 3203, Katra Shivaji, Basti Punjabian, S/Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Swarup S/o Shri Bhagat Ram, R/o 3458, Gali Kartar Singh, Arya Pura, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. XII/3203, Katra Shivaji, S/Mandi, Basti Punjabian, Delhi,

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/4-80/6401.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 8454-5455, situated at Roshan Ara Road, Jaina Building,

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—426GI/80

 Shri Vir Kumar Jayna S/o Late Shri Champat Rai Jayna, R/o 1934, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Jag Mohan Singh, (2) Shri Atamjit Singh and

(3) Shri Jasbir Singh Ss/o Shri Amir Singh, R/o 8455, Roshan Ara Road, Jayna Building, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 8454-8455, Roshan Ara Road Jaina Building, Delhi.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/4-80/6486.—Whereas, J. BALJEET MATTYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10251, Ward No. XIV (New) situated at Old No. 12349, at Manak Pura, Model Basti, K. Bagh, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Delhi on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagdish Chander Sharma S/o Shri Prahalad Mal Sharma, R/o 10251, Mahak Pura, Gali Ambaka Wali, Karol Bagh, N. Delhi, and Shri Devinder Kumar, Joginder Kumar, Rajinder Kumar, Miss Harsh Prabha Ss/o D/o Shri Jagdish Chander Sharma. R/o 10251, K. Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Lajwanti W/o Shri Jagdish Kumar, R/o 6682, Bara Hindu Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by alry of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the dervice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Thet terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied building measuring 47 sq. yds. situated at Manak Pura, K. Bagh, Delhl.

BALLEET MATTYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 22nd December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/4-80/3334.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27 bigha 4 biswas ,Agrl. land) situated at Village Masoodabad Delhi State, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980.

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration in that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) (1) Shri Harish S/o Shri Har Bhagat.

(2) Har Kishan S/o Shri Sultan Singh, (3) Shri Raghbir S/o Shri Bishan Singh,

(4) Shri Mahesh Chand, S/o Sultan Singh, All R/o Nagafgarh, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Parshad W/o Shri Raghbir Singh, R/o Village Nagafgarh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 27 bigha 4 biswas situated at village Basudabad Delhi,

BALIEET MATTYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

(1) Shri Raman Dass S/o Sh. Sital Dass, R/o 8874 Naya Mohalla, Pul Bangash, Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Bhagwan Dass S/o late Sh. Joti Mal and
 Smt. Chothi Bai Wd/o Sh. Jotu Mal, R/o 543 Bagichi Abdul Karim, Teliwara, Delhi, now 8874 Naya Mohalla, Pul Bangash, Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 24th December 1980

Rcf. No. IAC/Acq-II/4-80/6473.—Whereas, I, BALIEET MATTYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8874 (New) situated at Ward No. XII, Naya Mohalla Pul Bangash, near Azad Market, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storeyed house No. 8874 (new) Ward No. XII, situated in Naya Mohalla Pul Bahgash, near Azad Market, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, **NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 24th December 1980

Rcf. No. IAC/Acq-SR-I/4-80/6466.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-.ble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4568, Ward No. III, situated at Mahabir Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-4-1980

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sh. Raj Kishan Gupta, S/o Sh. Sita Ram, 2. Smt. Shakuntala Devi w/o Shri Raj Kishan
 - Gupta. Shri Rakesh Kumar and
 - 4. Shri Anil Kumar, Ss/o Shri Raj Kishan Gupta, all r/o 1980, Katra Lachhu Singh, near Fountain, Delhi.

(Transferor)

(2) Charat Enterprises, at No. 4572, Mahabir Bazar, through its partner Sh. Charat Ram s/o Sh. Madan Lal, at No. 4572 Mahabir Bazar, Cloth Market,

(Transferee)

Objections, a any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop with two doors and verandah, Chabutre and Balkhanas bearing Municipal No. 4568, Ward No. III, situated in Mahabir Bazar, Delhi, Cloth Market, Delhi with the free hold land underneath measuring 38 sq. yds. bounded under:

East-Mahabir Bazar

West--Road

North-Joint wall of property of Parmeshwari Dass

New Usha Rani

South—Joint wall of property of Sutaj Mal along with 1/233 share of property of Delhi Cloth Market, Delhi Committee.

> BALJEET MATIYANI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II H BLOCK, VIKAS BHΛVAN.

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-80/3360.--Whereas I, BALLEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. 7 Bighas and 7 Biswas situated at Vill. Masudabad (Najafgarh) New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Golu son of Shri Paman r/o Village Gadaipur, New Delhi-110030.

(Transferor)

(2) Capt. Rajiv Bahl, son of Shri Inder Paul Bhal R/o 9A, Shri Ram Road, Delhi . (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 Bighas and 7 Biswas situated at Village Masudabad (Najafgarh) New Delhi comprising of Khasra No. 5 (2-17) 6 Min (1-13), 7 Min (1-17), and 1/2 (1-0).

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN.

New Delhi-110002, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/4-80/3332.—Whereas I, BALJEET MALTI-YANI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26 Bighas situated at Vill. Masudabad Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harish s/o Harbhagat, Hari Kishan S/o Sultan Singh, Raghbir Singh S/o Bishan Singh, Mahesh Chand S/o Sultan Singh R/o Najafgarh Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Siri Parakash S/o Sh. Babu Lal R/o Vil. Hamirpur U.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Land measuring 26 bighas situated at vil. Masudabad Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi.
/New Delhi.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN,

New Delhi-110002, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6502...-Whereas I, BAL-JEET MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. III/3955-56, Naya Bazar, situated at Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Setcion 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Udeya Chand S/o Sh, Jagan Nath of M/s Banwidhar Sita Ram of Farukh Nagar, Distt. Gurgaon, (Haryana) seller of property No. 3955-56 Naya Bazar Delhi-6. GIR No. 11/Y/WT/Distt. Gurgaon.
- (2) Shri Raj Kumar Gogia S/o Sh. Nihal Chand, Gogia r/o 81, Nivjiwan Vitjar, N. Delhi. G.I.R. No. 143/ R Distt. IIIB. (6) New Delhi.

(Transferce) (3) M/s Nihal Chand & Co. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. III/3955-56 Naya Bazar, Delhi on Plot No. 62 Burn Bostan Road Delhi-6 measuring 96 sq. yds consisting on Ground floor—One hall, Godown) one room.
First Floor—Bath room, W.C. one room, one Hall, Bal-

colv both sides

Second floor-One kitchen, bath room, W.C. one hall and open space.

> BALJEET MATIYANI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Delhi. /New Delhi.

Date: 24-12-1980

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II,
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-80/6488.—Whereas I, BAL-JEET MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-40 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—426GI/80

- (1) Ram Murthy, S/o Sh. Tara Chand Chadha, r/o K-40, West Patel Nagar, New Delhi.
- (Transferor)
 (2) Shri R. C. Bhardwaj, s/o Sh. Shanti Narain Bhardwaj, r/o K-40 W. Patel Nagar, New Delhi.
- (3) Shri R. C. Bhardwaj
 (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government Biult Quarter No. K-40, West Patel Nagar, New Delhi with the lease-hold rights of the land under the measuring 254 sq. ft. charged 50:50 to G.F. & F.F. and bounded as under:—

West: Road
West: Open Court yard
South: Stair-case
North: Qtr. No. 38.

BALJEFT MATTYANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Delhi.
/New Delhi.

Date: 24-12-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/4-80/3331.—Whereas I, BALJEET MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 26 Bighas situated at Vill Masudabad, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object af:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he ransferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harish S/o Sh. Har Bhagat, Hari Kishan s/o Sh. Sultan, Raghbir Singh S/o Sh. Bishan Singh and Roshan Lal S/o Sh. Bishan Singh R/o Najargarh. (Transferor)
- (2) Shri Girish Kumar s/o Sh. Bhagwati Pershad R/o Vill. Hamirpur U.P. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Land measuring 26 Bighas situated at Vill. Masudabad,
Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi.
/New Delhi.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6510.—Whereas, I, BALJIT MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 7135 Gali Tliyan Pahari situated at Dhiraj Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lal Chand Jain s/o Sh. Kudamal Jain of 40/16 Shakti Nagar Delhi.
- (Transferor)
 (2) Shri Aman Hajari Facti 7029 Gali Taki Wali Pahari Dhiraj Delhi. through 1) Sh. Nandan Prasad 2) Sh. Gian Chand Patragan, Sh. Kadar Nath of 3282 A, Tri Nagar, Delhi-110035. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notec in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house three storey with Barsati mg, 133 sk. yds. situated No. 7135 Gali Teliyan Pahari Dhiraj Delhi-1, 10035, more specifically describe in the instrument of transfer registered in April 1980.

BALJIT MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-2-1980

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smit. Saria Schgal W/N. L. Schgal R/o 1/30 Roop Nagar, Delhi & Smt. Asha Kapoor w/o Sh. Yash Pal Kapoor, R/o 930, Kucha Kabul Attar Chandni Chowk, Delhi. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(2) Smt. Harvinder Kaur w/o Jagdish Singh R/o 4695. Gali Paswan Charkhewalan, Dolhi.

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

(Transferce)

New Delhi, the 20th December 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Ref. No. IAC/AcqU/SR-I/4-80/6497.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI.

- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/-, and bearing
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

XI/2843, situated at Daryaganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofEXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter KKA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) Faidhitating the concealment of any income or any moneys or other assets Which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Property No. XI/2848, measuring 136 sq. yds. situated at Gali Bahistian, Kucha Chelan, Daryagani, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

BALJEET MATIYANI. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, DELHI/NEW DELHI.

Date: 20-12-1980

Scal:

(1) Budh Parkash, Cloth Merchant, Gopinath Bazar, Delhi Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Davinder Mohan & Ravinder Mohan C/o Dada Shoe Co., 4/54 Gopinath Bazar, Delhi Cantt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 18th December 1980

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/AcqH/8R-H/4-80/3292.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I/X 224/1 to 17 situated at Sadar Bazar, Delhi Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 228.58 sq. meters situated in Sadar Bazar Delhi Cantonment.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-12-1980

(1) Shri Om Parkaeh S/o Raghbir Singh R/o Najafgarh, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madho Pershad S/o Tulia Ram R/o Najafgarh, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. JAC/Acq II/SR.II/4-80/3340.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

46 bighas 1 biswa situated at Vill. Masudabad Delhi State, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 46 bighas 1 biswa situated at Vill. Masudabad Delhi State Delhi.

> BALJEET MATIYANI, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, DELHI/NEW DELHI.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKASH BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th December 1980

Ref. No. JAC/Acq II/SR-I/4-80/6475.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

284, situated at Gali Janihari Teliwara, Delhi-110006. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi

on 18-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ganga Prasad s/o late Gopi Nath, r/o 284, Gali Panihari (Prakash Gali) Teliwara, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Nisha Devi d/o Om Prakash, 4/0 284, Gali Panihari (Prakash Gali) Teliwara, Delhi-110006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed house bearing Municipal No. Part 284 situated at Gali Panihari, (Prakash Gali) Teliwara, Ward No. XIII, Delhi-110006.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI,

Date: 20-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th December 1980

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/4-80/6435.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-24, C. C. Colony, situated at Delhi (and mora fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on April 1980

Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhoop Singh Gupta s/o Sri I., Lachman Dass, R/o 10/2, Shanti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Darshna Devi, w/o Sh. Hariram, B-24, C. C. Colony, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-24 situated at C. C. Colony, Delhi.

BALFEET MATIYANI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date: 18-12-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN. NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No./IAC/Acq/II/SR.II/4-80/3290.—Whereas, I BAL-JEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

188 situated at Kanhiya Park, Chand Nagar, Delhi. (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 2nd April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—29—426GI/80

- (1) S. Sarwan Singh S/o S. Gurdit Singh R/o WZ. 6.A Ravi Nagar, P.O. Tilak Nagar, New Delhi. (Transferor)
- Tirlok Kishan S/o Sh. Pyare Lal R/o G-86, Connaught Circus, N. Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 188, measuring 200 sq. yds. Part of Mustatil No. 32, Kill No. 16, situated in the colony known as Kanhiya Park (Chand Nagar) in the area of Village Khiala, Delhi State, Delhi.

BALJEET MATTYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date: 24-12-1980

FORM LT.N.S.---

(1) Piaray Lal s/o Sh. Molan R/o Vill. Kirari Suleman Nagar, Delhi.

(2) Shri Ajit Singh 5/0 Sh. Deep Chand, R/o Vill.

Pooth Kalan Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref No. IAC/Acq/II/SR. II/4-80/3314.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1361) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17 Bighas 7 Biswas situated at Vill. Karari Suleman Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in the land measuring 17 Bighas 7 Biswas situated at Village Kirari Suleman Nagar, Delhi.

> BALJEET MATIYANI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, DELHI/NEW DELHI.

Date: 24-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Saivti Devi widow of late Shri Nanak Chand, R/o Chanakyapuri (Old Haryana Bus Stand). Bharatpur, Rajasthan.

(Transferor)

(2) Smt. Birma Devi W/o Shri Suraj Bhan Gupta, R/o A-30, Vivek Vihar, Shahdara, Delhi, (Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6465.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 57, situated at Darya Ganj, New Delhi situated at Nanpura, Wd. No. 1, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire first floor of property bearing No. 57, Block J, Khasra No. 148/54, Darya Ganj, New Delhi-2.

BALJEET MATIYANI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6455.Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F-8/B situated at Vijay Nagar, Delhi

sion C.S.I. Compound Tumkur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Hans Raj S/o Shri Lal Chand R/o House No. F-8/B Vijay Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Leela Mehta Wd/o Late Sh. Krishna Kumar, Mehta & Sh. Vijay Kumar S/o Sh. Krishan Kumar Mehta of 11 shoping center Vijay Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. F/8-B, in Vijay Nagar.

BAIJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAWAN,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6509,—Whereas, I, BAIJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 10/395/T-648 situated at Onkar Nagar-B, Gali No. 31, Tri Nagar, Delhi-35

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on April 1980

for an apparent consideration winch is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Man Sumrat Dass S/o Jineshwar Dass R/o 10/395/T-648, Gali No. 31, Onkar Nagar-B, Delhi-35.

(Transferor)

(2) Shri Bishan Dayal Agarwal S/o Sh. Ram Murti Saran R/o 10/395/T-648, Tri Nagar, Delhi-35. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house ground floor area amout 193 sq. yds, on Plot No. 7, Kh. No. 690/543/212 Property No. 10/395/T-648, situated at Onkar Nagar-B, Gali No. 31, Tri Nagar, Delhi-35.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 24-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Dr. Attar Chand S/o L. Amrit Singh, R/o 3712 Gali Tambol Wali, Shah Ganj, Ajmeri Gate, Delhi,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Salim Uddin S/o Nawab Uddin, r/o 2950 Gali Nal Wali, Shah Ganj, Ajmeri Gate, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6567.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3712 situated at Gali Tambal Wali Shah Ganj, Ajmeri Gate, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the mansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 3712 Gall Tambol Wali Shah Ganj, Ajmeri Gate, Delhi (Ward Mp. XII) measuring 36-1 sq. yards.

BALJET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 20-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMISTAX,
ACQUISITION RANGE-II,
VIKAS BHAWAN, NFW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-I/4-80/6577,—Whereas, I, BALIELT MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. A-17, situated at Vill. Bharola, G.T. Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Shilla Narang W/o Shri Niranjan Paul Singh Narang, R/o A-185, Gujranwala Town, G.T. Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Rumalo W/o Shri Ami Chand Singh Chauhan, R/o E-4/14, Model Town, G.T. Road, Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of Property No. A-17, situated in the abadi of Adarsh Nagar, in the area of Village Bharola, G.T. Road, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Ram Kala S/o Shri Mool Chand and Smt. Chameli Devi S/o Shri Makhan Lal W/o Shri Ram Kalla, R/o House No. 1634 Sohanganj S/mandi Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-II, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6399.—Whereas, J, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A/27 situated at Vill. Bharola Abadi Adarash Nagar Colony on Motilal Road, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Bhanti Devi W/o Shri Om Parkash Gupta, R/o No. 34-A Harijan Colony Wazirpur Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A/27 Khasra No. 262/258/217/4, Village Bharola Abadi Adarash Nagar Colony on Motilal Road, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/24/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to at the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1390, Sec 33C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-426GI/80

 Commdr. Avinash Chander Malhotra, s/o Sh. L. C. Malhotra, r/o House No. D-133, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh Thind & Smt. Mohinder Kaur Thind, VPO Mohle, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1390, Sec. 33C, Chandigarh.

.The property as mentioned in the sale deed No. 86 of April, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

 Wg. Cdr. Ashok Kumar, s/o Shri A. N. Talwar, through Smt. Kuldip Kaur, 32, Yadvindra Colony, The Mall, Patiala.

(2) Shri Kewal Krishan, s/o Shri Lachhman Dass,

32, Yadvindra Colony, The Mall, Patiala. (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/50/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1509.

situated at Sector 36D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1509, Sec. 36D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 255 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mohan Singh Gujral, s/o Shri Malik Singh, r/o House No. 1654, Sector 7C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal Saggi, s/o Shri Madan Lal Sagi, r/o House No. 1645, Sector 7C,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/6/80-81.—Whereas T. SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1645, situated at Sector 7C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latr;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1645, Sector 7C. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 15 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING **LUDHIANA**

Ludhiana, the 10th December 1980

No. CHD/16/80-81.—Whereas I, SUKHDEV Ref. CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 406,

situated at Sector 35A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Col. Joginder Singh, s/o Shri Jiwan Singh, through his attorney Smt. Harjot Kaur, 28, Canning Road, Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Dev Raj Tuli, s/o Shri Des Raj Tuli & Smt. Kamlesh Tuli w/o Shri Dev Raj Tuli, 1009, Sector 19B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 406, Sector 35A, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 58 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/13/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 3378,

situated at Sector 19D. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Surjit Kaur w/o Shri Ishar Singh, r/o House No. 3378, Sector 19D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh s/o Shri Kapoor Singh, Shri Charanii Singh, s/o Sh. Baldev Singh, House No. 3378, Sector 19D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3378, Sector 19D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 51 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/22/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, i

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing No.

CSO site No. 145-146,

situated at 17C, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Joginder Singh, s/o Shri Basant Singh.
 r/o V. Adekali, Tehsil Noormahal, Distt. Jullundur, through his general attorney Shri Hardial Mahajan, s/o Jhanda Mal Mahajan, House No. 1299, Sector 19B, Chandigarh,

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Lal Goyal, Sh. Mohan Lal Goyal, Se/o Sh. Paras Ram Goyal, Mrs. Vidya Wati w/o Sh. Jagan Nath Goyal, Mrs. Usha Rani w/o Sh. Rakesh Lal Goyal, and Mrs. Sunita Goyal w/o Sh. Mohan Lal Goyal, r/o House No. 545, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO site No. 145-146, Sec. 17 C, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 75 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Rcf. No. AML/35/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Land measuring 2 bighas 11 biswas situated at Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any imoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bikram Singh S/o Shri Mehar Singh, Ward No. 1, Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

(2) M/s. R. P. Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh through Shri Ravi Parkash S/o Shri Rajeshwar Parsad, Ward No. 4, Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 11 biswas at Mandi Gobindgrah. (The property as mentioned in the sale deed No. 639 of June, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Luhdiana.

Date: 10th December 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. AML/43/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 2 bighas 11 biswas situated at Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amloh in June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amrik Singh S/o Shri Mehar Singh near Gurdwara, Ward No. 1, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. R. P. Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh through Shri Rajeshwar Parshad S/o Shri Mithan Lal, R/o Ward No. 4, Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 11 biswas at Mandi Govindgarh.

(The property as mentioned in the sale deed No .718 of June, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Luhdiana.

Date: 10th December 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/R/1/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land measuring 22 kanals 3 marias, situated at Village Mangli Khas, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31-426GI/80

(1) Shri Gurdial Singh S/o Deva Singh C/o Overlook Company, Overlook Building, Overlock Road, Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh S/o Shri Malkiat Singh, R/o V. Hari Garh, Tehsil Barnala, Distt. Sangtur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mesauring 22 kanals 3 marlas at V. Mangli Khas, Teh. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 278 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Luhdiana.

Date: 10th December 1980

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/R/2/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land measuring 22 kanals 3 Marlas, situated at Village Mangli Khas, Tehsil Ludhiana situated at Kotli Sur Singh, Tehsil Patti, Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kirpal Singh S/o Shri Gurdial Singh, C/o M/s Overlock Company, Overlock Building, Overlock Road, Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Harbaus Singh S/o Shri Malkiat Singh, R/o Village Hari Garh. Teh. Barnala, District Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 22 karnals 3 Marlas at V. Mangli Khas, Teh. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 279 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Acquisition Range, Luhdiana.

Date: 10th December 1980

Form LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/U/20/80-81.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

† share in Kothi No. 591-L/2 situated at Model Town, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khazan Singh S/o Shri Hira Singh, 591/L2, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Rani W/o Shri Harbans Lal, r/o 143R, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 share in Kothi No. 591L/2, Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 445 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/U/21/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding,

Rs. 25,000/- and bearing No.

Half Share in Kothi No. 591L/2 situated at

Model Town, Ludhiana.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Khazan Singh S/o Shri Hira Singh, 591/L2, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal S/o Shri Radha Kishan R/o 143R, Model Town, Ludhiana.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in House No. 591L/2, Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 448 of April, 80 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. MKL/3/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 18 Marlas situated at Chah Sarih Wala, near Stadium Ground, Malerkotla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malerkotla in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Phuman
S/o Shri Ibrahim
R/o Chah Sarih Wala,
near Stadium Ground, Malerkotla.

(Transferor)

(2) M/s Arihant Spinning Mills, Malerkotla propritors M/s.Mahavir Spinning Mills Limited, Regd. Office Chandigarh Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 Marlas at Chah Sarih wala, Maler-kotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 826 of April, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

Form I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. MKL/4/80-81.-Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 18.2/3 Marlas

situated at Chah Sarin Wala, Malerkotla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Malerkotla in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Baboo S/o Shri Ibrahim R/o V. Chah Sarin Wala near Stadium Ground, Malerkotla.

(Transferor)

(2) M/s Arihant Spinning Mills, Malerkotla propritors M/s.Mahavir Spinning Mills Limited, Regd. Office Chandigarh Road, Ludhlana.

(Transferee)

Obejction, if any, to the acquition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18.2/3 Marla at Chah Sarih Wala, Maler-

kotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 827 of April, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla)

SUKHDEV CHAND. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. MKL/5/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 19 Marlas situated at

Chah Sarin Wala, Malerkotla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer att Malerkotla in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

Shri Baboo
 S/o Shri Ibrahim
 R/o V. Chah Sarin Wala,
 near Stadium Ground, Malerkotla.

(Transferor)

(2) M/s Arihant Spinning Mills. Malerkotla propritors M/s.Mahavir Spinning Mills Limited, Regd. Office Chandigarh Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 Marlas at Chah Sarin Wala, near Stadium Ground, Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 833 of April, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla)

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SHONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. MKL/6/80-81.-Whereas, I, SUKHDEV CHAND Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 19.1/3 Marlas situated at

Village Chah Sarin Wala, near Stadium Ground, Malerkotla (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Malerkotla in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Phuman S/o Shri Ibrahim R/o V. Chah Sarin Wala, near Stadium Ground, Malerkotla,

(Transferor)

(2) M/s Arihant Spinning Mills, Malerkotla propritors M/s.Mahavir Spinning Mills Limited, Regd. Office Chandigarh Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19.1/3 Marles at V. Chah Sarin Wala, Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 834 of April, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority. Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 10-12-1980

FORM NO. ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. MKL/7/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 18 Marlas situated at Village Chah Sarin Wala, Malerkotla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malerkotla in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32-426GI/80

Shri Khushi
 S/o Shri Ibrahim
 R/o V. Chah Sarin Wala,
 near Stadium Ground, Malerkotla.

(Transferor)

(2) M/s Arihant Spinning Mills, Malerkotlu propritors M/s.Mahavir Spinning Mills Limited, Regd. Office Chandigarh Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 Marlas situated at V. Chah Sarin Wala, Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 835 of April. 1980 of the Registering Authority, Malerkotla)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. MKL/9/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market 15th share inland measuring 9 kanals 18 Marlas with a godown situated at Mal Godown Road, Malerkotla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Malerkotla in April, 1980

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jamna Devi d/o Late Shri Tilak Ram Jain, S/o L. Bala Mal, R/o Delhi Gate, Malerkotla.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Rani w/o Shri Santi Sarun, C/o M/s. Adarsh Cycle Inds, Kelon Gate, Malerkotla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in land 9 K 18 M with godown at Mal Godown Road, Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 898 of April, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/R/10/80-81.--Whereas, f. SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 7 kanals 8.3/5 Marlas situated at

Village Khakat, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Gian Kaur D/o Shri Lalu Urf Shri Bukan S/o Shri Mataba R/o Vill. Khakat, Tchsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal S/o Shri Nathu Ram S/o Shri Karam Chand, R/o 516, Seeta Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 Kanals 8,3/5 marlas at V. Khakat, Tehsil, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 486 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Rcf. No. LDH/R/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-land measuring 7 kanals 8.3/5 marks

situated at Village Khakat, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sham Kaur D/o Shri Lalu S/o Shri Mataba, R/o Vil. Khakat, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Pal
 S/o Shri Nathu Ram
 S/o Shri Karam Chand,
 R/o 516, Sceta Nagar, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 kanals 8.3/5 marlus at V. Khakat, Tch. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 436 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

. Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/R/7/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 7 kanals 8.3/5 marlas situated at Village Khakat, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Baboo Singh S/o Shri Laloo, Village Khakat, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal S/o Shri Nathu Ram R/o 516. Seeta Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 kanals 8.3/5 marlas at V. Khakat, Teh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 437 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1980

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Rcf. No. LDH/R/8/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 7 kanals 8.3/5 marlas situated at Village Khakat, Tch. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Ludhiana, in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Harnam Kaur D/o Shri Lalu Urf Sh. Bukan S/o Shri Mataba, R/o V. Khakat, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rajpal S/o Shri Nathu Ram S/o Shri Karum Chand, R/o Houso No. 516, Sita Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 kanals 8.3/5 marlas at V. Khakat, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No 484 of April, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10th Dec. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Rcf. No. MKL/10/80-81.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/5th share in Land 9K 18M with godown situated at Mal Godown Road. Malerkotla

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smit. Shakuntla Devi Wd/o Shri Ram Nath, R/o Mohalla Suddan, Malerkotla.
(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Dass S/o Shri Behati Lal C/o M/s, Adarsh Cycle Industries, Kelon Gate, Malerkotla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in land 9K 18M with godwon, at Mal Godown Road, Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 899 of April, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10th Dec. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISTION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. MKL/11/80-81.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/5th share in land 9 kanals 18 marlas with Godown situated at Mal Godown Road, Malerkotla

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Kunj Lal Jain, Surinder Kumar Jain, Parmod Kumar Jain sons of Sh. Changa Lal Jain R/o Dewan Khana Road, Malerkotla,

(Transferor)

(2) Shri Narain Dewan S/o Shri Bhagwan Dass C/o M/s. Adarsh Cycle Industries, Kelon Gate, Malerkotla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in land 9K 18M with Godown at Mal Godown Road, Malerkotia,

(The property as mentioned in the sale deed No. 900 of April, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10th Dec. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. MKI./29/80-81.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/5th share in land measuring 9 kanals 18 Marlas with Godowns, situated at Mal Godown Road, Malerkotla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malerkotla in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33—426GI/80

 S/Shri Gauri Shankar Jain, Vijay Kumar Jain Ss/o Shri Tek Chand Jain and Shri Bhagwan Dass Jain, S/o Shri Jagan Nath R/o Mohalla Arora, Malerkotla.

(Transferors)

 Shri Shanti Sərup S/o Shri Bhagwan Dass R/o Mohalla Nusrat Khuni, Malerkotla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in land 9 K 18 M with godown at Mal Godown Road, Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 914 of April, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10th Dec. 1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. MKL/30/80-81.—Wherens, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/5th share in land 9 kanals 18 marlas with godown situated at Mal Godown Road, Malerkotla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Malerkotla in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S/Shri Puran Chand Jain and Pritam Chand Jain Ss/o Shri Banarsi Dass R/o Arora Street, Malerkotla.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Rani W/o Narain Dewan S/o Shri Bhagwan Dass, R/o Mohalla Nusrat Khani, Malerkotla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in land measuring 9 K 18 M with godown at Mal Godown Road, Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 926 of April, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10th Dec. 1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. PYL/2/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 27 bighas 19 biswas

situated at Village Payal, Distt. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Payal in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kewal Krishan S/o Shri Inderjit R/o V. Payal, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Teja Singh, Gurnam Singh, Sewa Singh, Dalip Singh, Ss/o Shri Bhagat Singh and S/Shri Bhim Singh, Jagir Singh, Surinder Singh, Balbir Singh, Rajinder Singh Ss/o Ujaggar Singh R/o V. Raipur Rajputan, Distt. Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 27 bighas 19 biswas at V. Payal, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 48 of April, 1980 of the Registering Authority, Payal).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10th Dec. 1980

(1) Shri Kewal Krishan S/o Shri Inderjit R/o V. Payal, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. PYL/1/80-81.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 9 bighas 6 biswas

situated at Village Payal, Distt. Ludhiana,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Payal in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S/Shri Teja Singh, Gurnam Singh, Sewa Singh, Dalip Singh, Ss/o Shri Bhagat Singh and S/Shri Bhim Singh, Jagir Singh, Surinder Singh, Balbir Singh, Baljinder Singh S/o Ujaggar Singh R/o V. Raipur Raiputan, Distt. Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas 6 biswas at V. Payal, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12 of April, 1980 of the Registering Authority Payal).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10th Dec. 1980

معروب وسياري والمستعدد

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/7/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Half share in plot No. 1516

situated at Sector 34D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. P. Jairath S/o Shri Mehar Chand through his General Power of Attorney Shri Hazara Singh Nanuan S/o S. Mehtab Singh, R/o Kothi No. 10, Sector 19A. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Wife of Shri Krishan Chand. R/o House No. 77, Sector 8A, Chandigarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in Plot No. 1516, Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 21 of April, 1980 of the Registering Authority,

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10th Dec. 1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/7A/80-81,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Half share in plot No. 1516 situated at Sector 34D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. P. Jairath S/o Shri Mehar Chand through his General Power of Attorney Shri Hazara Singh Nanuan S/o S. Mehtab Singh, R/o Kothi No. 10, Sector 19A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpu Wife of Shri Krishan Chand, R/o House No. 77, Sector 8A, Chandigarh. (Transfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Half share in Plot No. 1516, Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 21 of April, 1980 of the Registering Authority. Chandigarh).

SUKHDEV CHAND:
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Onte: 10th Dec. 1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/3/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of House No. B-20-120/54,

situated at Mahal Bagat, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I udhiana in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sant Kaur Wd/o Shri Makhan Singh and Shri Amarjit Singh and Shri Wazir Singh Ss/o Shri Makhan Singh, Residents of Village Baloke, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jagan Nath Gupta Retd. XEN S/o Shri Rangi Ram R/o 227, Civil Street, Ghumar Mandi, Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. B-20-120/4, Mahal Bagat, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 43 of April. 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHANLY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10th Dec. 1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/25/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Part of House No. B-20-120/54 situated at Prem Nagar (Mahal Bagat Tarf) Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1980,

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sant Kaur Wd/o Sh. Makhan Singh and Shri Amarjit Singh and Shri Wazir Singh Ss/o Shri Makhan Singh, Rs/o V. Baloke. Teh. Ludhiana. (Transforor)
- (2) Shri Jagan Nath Gupta Retd. XEN, S/o Shri Rangi Ram R/o 227, Civil Street, Ghumar Mandi, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. B-20-120/54, Tarf Mahal Bagat (Prem Nagar) Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 485, of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/R/3/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 8 kanals 12 Marlas situated at Village Pawa, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concaelmen of tany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34-426G1/80

(1) Shri Sodagar Singh S/o Shri Kaku Singh R/o Village Pawa, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Jupitor Radios Regd., C-46, Okhla Industrial Area Phase-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals 12 marlas at V. Pawa, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 319 of April 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. AML/6/80-81.—Wherens I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1340 sq. yds. (1 bigha 7 biswas) (Godown site) situated at Village Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patlala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mukhtiar Singh S/o Shri Harmel Singh R/o Kukar Majra, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala. (Transferor)
- Shri Gurdeep Singh S/o Shri Siri Ram.
 Shri Pawan Kumar S/o Shri Ram Saran Dass, both residents of Ward No. 3, Mandi Gobindgarh S. Teh Amloh Dist. Patiala

garh, S. Teh. Amloh. Distt. Patiala.

3. Shri Kirpal Singh S/o Shri Inder Singh, r/o Ward No. 12, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown site measuring 1340 sq. yds. (1 bigha 7 biswas) at V. Kukar Majra, S. fehsil Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 55 of April 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiman

Date: 10-12-1980

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. AML/8/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 35 Kanals 12 Marlas situated at V. Naraingarh, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Santokh Singh S/o Shri Nirmal Singh, R/o V. Naraingarh, S. Tehsil Amloh.
- (2) Shri Gurdial Singh S/o Shri Chuhar Singh R/o V. Haibat Pur, P.O. Narain Garh, S. Teh. Amloh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 35 Kanals 12 Marlas at V. Naraingarh, S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 129 of April 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. RAJ/2/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing \mathbf{a}

No. Land measuring 17 bighas 13 biswas situated at V. Banur, Tehsil Rajpura, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 9108), in the office of the Registering Officer at Rajpura in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S. Gurdip Singh S/o S. Avtar Singh R/o V. Banur, Tehsil Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Jatinder Kaur Bajwa W/o Lt. Col. Harinder Pul Singh Bajwa, R/o 226, Sector 35A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17 bighas 13 biswas at V. Banur, Teh. Rajpura, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 256 of

April 1980 of the Registering Authority, Rajpura).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. AML/7/80-81.--Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property situated at village Kukar Majra,

Teh. Amloh (Distt. Patiala), (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Jeewan Singh S/o Shri Sunder Singh, R/o Ward No. 3, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) S/Shri Mohinder Pal, Ashok Raj sons of Shri Sohan Lal, Resident of Ward No. 3, Mandi Gobindgarh. Distt. Patiala, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property at Village Kukar Majra, S. Teh. Amloh,

Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 125 of April 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlana

Date: 10-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/12/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1184 situated at Sector 15B, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) Smt. Sita Rani W/o Shri Charan Dass, R/o V-10, Navin Shahdra, Delhi-32.
 - (Transferor)
- (2) Shri Moti Ram and Mrs. Meenal, House No 5, Sector 15A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1184 Sector 15B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 38 of April 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/15/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S.C.O. Site No. 365-366, situated at Sector 35B, Chandigath.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Piara Singh, Kuldip Singh, Devinder Singh. No. 71, Grain Market, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Gurpartap Singh Sekhon and others R/o Manjitinderpura, Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO site No. 365-366, Sector 35B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 55 of April 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. PTA/14/80-81,—Whereas 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Kothi No. 142D, situated at Model Town, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sher Singh S/o Shri Sardara Singh C/o Kothi No. 3030, Sector 23D, Chandigarh.

 (Transferor)
- (2) Smt. Satwant Kaur W/o Shri Rujinder Singh, R/o Kothi No. 3076, Sector 21D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 142D, Model Town, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 553 of April, 80 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commisisoner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/23/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 134, situated at Sector 36A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957: (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

- (1) Wg. Cdr. Sudershan Kumar Nanga. S/o Shri Hari Krishan Nangia, B-3/175, Janakpuri, New Delhi.
- (2) Shrimati Janak Sachdeva W/o Shri F. C. Sachdeva, 100, Sewak Colony, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 134, Sector 36A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 76 of April 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Yog Raj Walia S/o Sh. Girdhari Lal, House No. 2040, Sec. 21C, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-L
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/31/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the procee tax Act, 1961 (43 of 1961) (berginafter referred to is the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 2040 (2040) situated at Sector 21C, Chandigarh (and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh

in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(2) Shri J. S. Kundi S/o Sh. Bhagat Singh & Shri D. S. Kundi S/o Shri J. S. Kundi through their general attorney Sh. S. S. Mudhar S/o Shri H. S. Muddar, R/o House No. 3327, Sec. 19D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2040, Sector 21C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 150 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/27/80-81.-Whereus, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 204 situated at Sector 35A, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh.

in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under stibsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Wing Comdr. Kuldip Rai S/o Dr. Major Lai Chand through his special attorney Sh. S. K. Singla S/o Sh. Sri Ram, R/o House No. 1222, Sec. 19D, Chandigarh.

(Transferee)

(2) Shri G. S. Sardana S/o Shri J. S. Sardana R/o 3079. Sec. 21D, Chandigarh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in wifting to the understand :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 204, Sec. 35 A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 107 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1980

 Major Gian Singh S/o Shri Ishar Singh, VPO Takhan Wadh, Teh. Moga, Distt. Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/21/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 1052, situated at Sector 36C, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh

in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 Clare Road, Byculla, Bombay-8. 19. Mrs. Ivy M. Herbert M. C. Noronha, No. 16, Piccadilly Flats,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Parkash Kaur W/o Sucha Singh Jauhal VPO Jauhal, Teh. Phillaur, Distt. Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1052 Sector 36C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 72 of April, 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
I udhlana

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. SML/1/80-81.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property known as "Outer Villa" situated at Station Ward, Chhota Simla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Simla

in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishan Chand Chopra S/o Sh. Gian Chand Chopra R/o B-36, Gectanjali Colony, New Delhi & Smt. Krishana Chopra widow and Miss Usha Chopra & Ranjit Chopra S/o Sh. Parkash Chand, N/12, Greater Kailash, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Atma Ram Dhannis S/o Shri Med Ram C/o Shri Mangat Ram Dhannis, Manager, Tourism Department, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as "Outer Villa" at Station Ward, Chhota Simla (The property as mentioned in the sale deed No. 270 of April, 1980 of the Registering Authority, Simla)

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge,
Ludhiana

Date: 10-12-1980

(1) Shri N. L. Gulati W/o Kishan Chand, B-IV-170. Akalsar Road, Moga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Rajesh Garg, Advocate, S/o Shri Dila Ram, Garg, R/o 3297, Sec. 21D, Chandigarh.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, LUDHIANA. CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/44/80-81,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 400 situated at Sector 38A, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Chandigar in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 400, Sec. 38A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 190 of April. 1980 of the Registering Authority, Chandigarh) .

> SUKHDEV CHAND. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range. Ludhiana

Date: 10-12-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/14/80-81.—Whereas 1, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. SCO No. 1112-1113, Sector 22-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Joginder Singh Banga s/o Sh. Nitahan Singh (ii) Mrs. Vimaljit Kaur w/o Sh. Joginder Singh (iii) Miss Ritu Banga (minor) d/o Sh. Joginder Singh Banga through her father Sh. Joginder Singh Banga r/o H. No. 127/16-A, Chandigarh.
- (2) (i) Sh. Roshan Lal s/o h. Khan Chand (ii) Sh. Khan Chand s/o Sh. Mehtab Ram (iii) Sh. Birbal s/o Khan Chand r/o H. No. 3386, Sector 23, Chandigath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the take Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 1112-1113, situated in Sector 22-B, Chandigarh. (The property as described in the registered deed No. 52 of 4/1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10 Bec 1980.

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THEINCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 10th December 1980

CHD/5/80-81.—Whereas, I. SUKHDEV Rof. CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Residential Plot No. 3031 situated at Sec. 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Maj. Madan Singh S/o Narain Singh through his attorney Shri Gurcharan Singh S/o Hazara Singh R/o Panipat, Distt. Karnal.

(Transferor)

Shri Bakhat Singh S/o Sh. Partap Singh, R/o 2195, Sec. 21C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3031, Sec. 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 11 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/1/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S.C.F. 51, situated at Sector 23D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—426GI/80

- S/Shri Madan Lal, Kishan Lal Ss/o Sh. Prem Chand R/o M/s Madan Lal Om Parkash, Ganj Bazar, Solan (HP).
 (Transferor)
- (2) Shri Jit Rum S/o Sh. Bhagwan Dass, R/o House No. 3443, Sec. 23D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 51/Sec. 23D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 5 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10 Dec 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/19/80-81.--Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

House Property No. 3088, situated at Sec. 35D, Chandigarh (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurpal Singh Bhalla S/o Shri Mohinder Singh Bhalla R/o A/1, Narain Vihar, Ring Road, New Delhi-28.

(Transferor)

(2) Smt. Narinder Kaur W/o Shri Gurmeet Singh, House No. 1142, Sec. 34C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 3088, Sec. 35D, Chanigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 67 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 10 Dec 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/9/80-81.—Whereas 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House Property No. 40 situated at Sector 9A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Raj Rani Bhasin W/o Shri Ashok Kumar R/o R-186, Greater Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Pritpal Singh S/o Shri Kishan Singh & Smt. Tehal Kaur through Sh. Pritpal Singh R/o House No. D-2/39, Vidya Sagar Avenue, Durgapur (Durgapur-5) West Bengal.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 40, Sec. 9A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 32 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10 Dec 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref No CHD/34/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

Plot No. 3111 situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Ollice of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Bharat Bhushan S/o Krishan Chandra Bhardwaj through attorney Kishan Singh S/o Jiwa Singh, R/o 2064, Sec. 15C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Manjit Kaur D/o S. Baldev Singh, through her attorney S. Baldev Singh, 3475, Sec. 23D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3111, Sec. 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 161 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/30/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1612 situated at Sector 36D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

(1) Capt. U. S. Rana S/o S. Partap Singh of 49 AD Regt. C/o 56 A.P.O.

(Transferor)

(2) Sardarni Ishar Kaur W/o S. Amar Singh R/o Talwandi Bhindran V. P. Bijju, Distt. Gurdaspur through Shri P. S. Bhinder. (Pritam Singh Bhinder) (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1612, Sector 36D, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 122 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/26/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 350 situated at Sector 38A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Krishan Kumar Sharma S/o Madan Mohan Lal through his attorney Sh. Baldev Krishan, R/o 3067, Sec. 15D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Kumari W/o Shri Baldev Krishan, R/o 3067, Sec. 15D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 350, Sector 38A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 103 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Kasturi Lal Malhotra S/o Shri Shiv Ram R/O House No. 1176, Sec. 8C, Chandigarh. Transferor

(2) Smt. Lila Devi W/o Sh. Nishan Singh Bhamra C/o Chaman Lal Sharma, House No. 631, Sec. 9B, Chandigarh.

Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/28/80-81,-Whereas, I. SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House Property No. 460, situated at Sector 15A, Chandigarh and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reapective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 460, Sec. 15A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 108 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

Scal

(1) Brig. Mohinder Singh S/o Shri Khazan Singh, 33, Hukam Singh Road, Amritsar (Punjab). (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Karanveer Singh S/o Sh. Sugan Singh C/o Ayurvedic Dispensary, Sec. 28, Chandigarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. CHD/4/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 508, situated at Sector 33B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 508, Sec. 33B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 10 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/14/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1M-1/A2, situated at Harnam Nagar, Ludhiana, (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
37—426GI/80

(1) Sh. Karnail Singh S/o Sh. Jawahar Singh C/o M/s Bhagat Cycle Ins. Gill Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Kuldip Kaur W/o Sh. Balwant Singh, R/o 264, New Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1M-1/A2, Harnam Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 297 of April, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1980

Ref. No. LDH/9/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing No.

House Property No. B-16-1161 situated at Mohalla Harl Pur, Gill Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Jeewan Pal, Anand Pal & Satish Kumar Sa/o Shri Manohar Lal, R/o 738, Gulchaman Gali, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Prem Kumar Chopra S/o Sh. Lahori Ram R/o 5, Kundan Nagar, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. B-16-161, Mohalla Hari Pur, Gill Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 108 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

(1) Sh. Kanwaljit Singh S/o Sh. Kartar Singh, R/o 892/4A, Amar Villa, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Khushwant Kaur D/o Shri Naranjan Singh, R/o Lal-Kalan, Teh. Samrala, Distt. Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. LDH/26/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property No. B-19-892/4A (Amar Villa) situated at Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-19-892/4A, (Amar Villa) Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 543 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23-12-1980

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. LDH/12/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House Property No. B-11-31 (Old)/B-12-223 (New) situated at Prem Gali, Karimpura, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at Ludhiana in April 1980 for an arregerat consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Sh. S. Mohinder Singh S/o Sh. Tarlok Singh R/o 223, Prem Gali, Karimpura, Ludhlana.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Parkash S/o Sh. Gurditta Mal R/o B-12-223, Prem Gali, Karimpura, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. B-11-31 (Old)/B-12-223 (New) Prem Gali, Karimpura Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 208 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23-12-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. LDH/6/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 142, measuring 1753 sq. yds. in Sarbha Nagar, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Village Health and Sanitation Improvement Trust, Ludhiana, through S. Jagir Singh S/o Bachiter Singh Chairman and P. Attorney of Sh. Hazura Singh S/o Sh. Gurcharan Singh R/o 6-C, Sarbha Nagar, Ludhiana and Sh. Ajaib Singh S/o Jaimal Singh R/o 1 Grain Market, Sanehwal Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Amrit Kaur d/o Sh. Avtar Singh r/o 142H, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 142-H, measuring 1753 sq. yds. in Sarbha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 80 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23-12-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. LDH/28/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of House Property No. B-19-1103F situated at Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balkishan Dass S/o Shri Siri Ram R/o House No. 512, Sector 16A, Faridabad, self and General Power of Attorney Holder of Smt. Uma Rani, Kamlesh Rani daughters of Shri Siri Ram & Bibi Sneh Lata & Raj Pal minor children of Shri Siri Ram through their guardian Sh. Siri Ram.
 (Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar Joshi S/o Shri (Vaid) Maharaj Kishan, R/o 1103 F, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House Property No. B-19-1103F, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 560 of April 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23-12-1980.

72.**22**.225

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. LDH/29/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of House Property No. B-19-1103F situated at Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Balkishan Dass S/o Shri Siri Ram R/o House No. 512, Sector 16A, Faridabad, self and General Power of Attorney Holder of Smt. Uma Rani & Kamlesh Rani d/o Shri Siri Ram & Bibi Sneh Lata & Raj Pal minor children of Shri Siri Ram through their guardian Sh. Siri Ram.
- (Transferor)
 (2) Shri Ajay Kumar Joshi S/o Vaid Maharaj Kishan, R/o 1103F, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House Property No. B-19-1103F, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 561 of April 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23-12-1980

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. CHD/2/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Property No. 3499 situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandgarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the stild Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagat Ram Kakkar C/o M/s Krishana Chemicals, 5A/2, N.I.T., Farldabad (Haryana).
- (2) Smt. Pushpa Malhotra W/o Shri Om Parkash Malhotra, House No. 3499, Sector 35D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 3499, Sec. 35D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 6 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23-12-1980

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. CHD/18/80-81.—Wherens, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Restaurant Site No. 36, situated at Sector 30C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—426GI/80

 Shri Balbir Singh Kanda S/o Shri Bhagat Singh, R/o House No. 14, Sec. 9A, Chandigarh through his General Attorney Shri Amar Nath Rattan S/o Sh. Vidya Dhar, R/o House No. 2115, Sector 24C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Sansur Chand, Khem Chand, Gian Chand, Daulat Ram, Sons of Shri Badri Ram, through Sansar Chand for self and Attorney of others, r/o House No. 2115, Sec. 24C, Chandigarh.

(Transfe.ee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Restaurant Site No. 36, Sector 30C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 61 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23-12-1980

PORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor) (2) (1) Sh. Harpal Singh s/o Sh. Partap Singh(2) Smt. Iswar Kaur Sidhu w/o Sh. Harpal Singh

(1) Lt. Col. Harcharan Singh Duggal s/o Sh. Chattar Singh Duggal, r/o 4, Khan Market, New Delhi.

r/o Indo Swiss Centre, Sec. 30, Chandigath. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. CHD/32/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1517, Sector 33-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandgarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1517 in Sector 33-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 154 April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 23-12-1980

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. SMN/10/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Land measuring 1.61.88 Hectare situated at Samana, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samaha in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the stild instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mangal Sirigh S/o Shri Lehna Singh R/o Samana, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Chhajju Ram S/o Shri Chanan Ram, Sukhdev Parsad, Pawan Kumar, Sham Behari and Pardeep Kumar Ss/o Chhajju Ram, R/o Samana, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said littimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.61.88 Hectares at Samana, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 89 of April, 1980 of the Registering Authority, Samana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiang.

Date: 23rd Dec. 1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. PTA/5/80-81,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Half share in Kothi No. 2,

situated at Nihali Bagh, Baradari, Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prem Sarup S/o Shri Basheshar Sarup R/o Kothi No. 1140, Sector 15B. Chandlearh.

(Transferor)

(2) S/Shri Vidya Sagar, Mohan Parkash, Krishan Mohan Ss/o Shri Ram Gopal, R/o House No. 2754, Bagichi Mangal Dass. Patiala.

(Transfere:)

(3) Incometax Officer, Kothi No. 2, Nihal Bagh, Baradari, Patiala. (Person in occupation of the Property)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in Kothi No. 2, Nihal Bagh, Baradari, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 66 of April, 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23rd Dec. 1980

FORM ITNS---

(1) Smt. Narinder Kaur w/o Shri Harcharan Singh, R/o V. Tiur, Tehsil Kharar, Distt. Ropar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Jaswant Kaur W/o Shri Surinder Kumar, R/o House No. 108, Phase 2, S.A.S. Nagar, (Mohali).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. KHR/1/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Property No. 108,

situated at Phase-II, Mohali, Teh. Kharar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 108, Phase-II, Mohali, Teh. Kharar, Distt. Ropar,

(The property as mentioned in the sale deed No. 42 of April, 1980 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23rd Dec. 1980

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. KHR/2/80-81,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Property No. 547, situated at Phase-I,

Mohali (S.A.S. Nagar, (Teh. Kharar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Prabba Gagneja W/o Late Shri Ram Lal, Mother & Natural guardian of minors Anshu Gagneja and Anupam Gagneja, Resident of House No. 642, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Pal Singh S/o Shri Partap Singh, Smt. Avtar Pal W/o Shri Joginder Pal Singh, Resident of Village Kotli Khurd, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 547, Phase-I, S.A.S. Nagar (Mohali) Tehsil Kharar, Distt. Roopnagar,

(The property as mentioned in the sale deed No. 335 of April, 1980 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23rd Dec. 1980

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1980

Ref. No. CHD/33/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Residential Plot No. 214,

situated at Sector 33A, Candigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April/May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lt. Gol. V. K. Sarda S/o Shri K. K. Sarda, 2nd Pata C/o 56 A.P.O.

(Transferor)

(2) Shri O. P. Verma S/o Shri Lekh Raj, R/o 26/7, Panth Nagar, Jangpura, New Delhi-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 214, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 155 of April/May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23rd Dec. 1980

Scal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1981

New Delhi, the 24th January 1981

No. F.5/1/80-FI(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMFDABAD, AIZAWI., ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAI. BOMBAY. CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK. DELHI, DISPUR (GAUHATI). HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA. LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAII (GOA). PATIALA. PATNA, PORT BLAIR. SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 12th July, 1981 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 24th January, 1981.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCE-MENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DIS-CRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES AD-MITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORM-ED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 22. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

- 3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary. Union Public Service Commission. Dholpur House. New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lien of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.
 - NOTE:—CANDIDATES ARF WARNED THAT THEY
 MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON
 THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR
 THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION. 1981. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE
 ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL
 CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION 1981, WILL NOT BE ENTERTAINED.
- 4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 23rd March, 1981 (6th April 1981 in the case of candidates residing in Assam, Mechalagua Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadween and for candidates residing abroad from a date prior to 23rd March, 1981) accompanied by necessary documents. No amplication received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam. Mechalava, Arunachal Prodesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State Andaman and Nicobae Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Naga-

land, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 23rd March, 1981.

- Non: —Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.), otherwise they may not get the benefit of additional time.
- 5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

- 6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A refund of Rs. 21.00 (Rs. 5.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of Information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claims for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM CANDIDATE AFTER HF HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BF ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 9. The question papers in all the sublects, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to 'Candidates Information Manual' at Annexure-II.

VINAY JHA, Dy. Secv. Union Public Service Commission

ANNEXURE—I INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 12th June, 1981. will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

Candidates should note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:-
 - (i) CROSSFD Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (Sec para 5 of Notice).
 - (ii) Attested/certified copy of certificate of Age.
 - (iii) Attested/certified copy of certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate; one copy pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space
 - (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
 - (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe. where applicable. (See para 4 below).
 - (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (See paras 5 and 6 below).
 - (vii) Attendance sheet (attached with the application form), duly filled in.
 - (ix) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms \times 27.5 cms.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO 780 SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1981. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSOANLITY TEST. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fec-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) Certified of Auc

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary, Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate cate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary dary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE

NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

- NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
 THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
 THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMENATION CERTIFICATE OR
 AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
 DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION
 WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST
 FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED
 OR GRANTED.
- NOTE 3.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION,
- (iii) Certificate of Educational qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the cardidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(c) or Rule 6(f) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the College/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

The form of certificate to be produced by the candidate;

2. He/she* has passed the first year examination under the three year degree course/first year examination of the five year Engineering Degree Course/first Examination of the three year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

Or

- 3. @He/she* was examined in the following subjects:
- 1.
- 2.
- 3.
- 4,

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal)
(Name of the University/College/Institution*)

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note 1 below Rule 6 must automate an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the commination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as preserved by the University/Board.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates must, however submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional the subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 20th August, 1981.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of his examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the candidate:

	-	Γ	h	i	8		i:	3		ί.	0	,	(20	-1	r1	ij	f	y	,	1	tl	1	a	t		S	31	hı	ri 8	i,	/\ o:	S n	h /	ri d	ir a	r	la 19	ti di	į	ŀ	ζη Γ*	ui	מם	a of	гi f	(×)	٠.									
13		e.	X	p	e	c	ı	Ċ	đ		1	to)		a	ŗ	η	ж	Ð.	a	г	1	h	12	ı	9		a	p	ľ	Х	e	a	r	×	1	۰		B	ŧ											-						
				•		•										٠	•	•				•	•					•					E	32	(8	u	Π	ıi	n	a	ti	0	n			C	0	ТЫ	d	u.	업 -	k	d		ŧ	93	7
					•	•					:	:	•	,			•	•	•				•	į	•)	•	•	٠	•	,	W	/i	t]	1	•	1	h	c	•	f	o	ij	O	ı W	t h	n	g		n Si	L	Ç	0	n Ct	8-)1 —	-
				(i)																																																			
			1	(ii)									,													,																													
			(i	ii)																																																			
			(i	V)		•							•												-																														

(Signature of Principal)

(Name of the College/Institution*)

*Strike out whichever is not applicable.

- (iv) Two copies of photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, ofthe district in which his parents' (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The Form of the certificate to be produced by Sched Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appoint to posts under the Government of India.	uled nent
This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*	
of village/town* Son/dulgner of District/Division* of the State/Union Territory* belongs the Caste/Fribe* which is recogn	to
ns Scheduled Casto/Scheduled Tribe* under:-	
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*	•
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*	
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territor	ies)
Order, 1951*	
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territor Order, 1951°	ries)
organisation Act, 1960 the Punjab Reorganisation Act, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the N Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Sched Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) 1976]	orth uled
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*	
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Sched Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1	- uled 976*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*	-
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*	•
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*	-
the Constitution (Scheduled Tribes) Uttar Pradesh) Order, 1967*	•
the Constitution (Goa Daman and Diu)	-

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order. 1968*

Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

(with seal of office)

State*

Union Territory

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The terms "ordinary reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- **Officers competent to issue Castc/Tribe certificates.
- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the areas where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Deah) claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or (b) (iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being resident;
 - Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5 (b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (iv) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix) should produce an altested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.—

Signature	
Designation	
Date	

*Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security Force, claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature.....

Designation......

Date......

- (vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzanla or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethlopia claiming age concession under Rule 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iii) above and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgment.
- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Pamphlets containing rules and Question Papers.—With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Special Class Railway Apprentices Examination, 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers of this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of the preceding examinations up to the examination held in 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110054), and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli, Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba

Kharag Singh Marg, New Delhi-(110001), (ii) Sale Counter of Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-(110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets, are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

- 13. Communications Regarding Applications.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-(110011), AND SHOULD INVARI-ABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
 - N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
 - N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE—II

Candidates' Information Manual

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

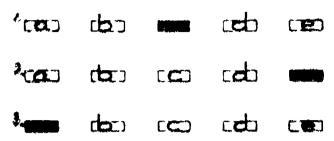
This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response, (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined. In the answer sheet (specimen enclosed at the end of the Rules) number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, a c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct of the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the abswer sheef.



It is important that-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- Do not bandle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination half twenty minutes before the prescribed time to commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invgilator/Supervisor, YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. Write clearly in ink the name of the examination, test, your Roll No. Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor, When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser. a pencil sharpner, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap or rough paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seal my the hall the Invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the Invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to open the test booklet until you are asked by the supervisor to open it.

P. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the Invigilator collects all the necessary materials from you—and permits you to Jeave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan
 - 2. In a parliamentary form of Government.
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
- 3. The main purpose of extra-curricular activities tor pupils in a school is to
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme.
 - 4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercuit.
- 5. Which of the following statement explains the relationship between forests and floods?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.